रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम
- 12

सोने की चमक बरकरार इस साल दिया 67 प्रतिशत रिटर्न
- 12

बेनिन में सैनिक विद्रोह तख्तापलट की भी कोशिश लेकिन विफल रहे
- 13

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की
- 14

आज का मौसम
24.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.44
सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष चतुर्थी 04:03 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 8 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 108, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

प्रधानमंत्री आज वंदे मातरम् पर करेंगे चर्चा

- राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना
- 150वीं वर्षगांठ पर बहस के लिए 10 घंटे का समय किया गया निर्धारित

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी।

एनसीएमसी कार्ड एक, यात्रियों को फायदे अनेक

- एनसीएमसी कार्ड में अयोध्या काशीधाम दिखेगा
- ओपेन लूप सिस्टम से जुड़ी सभी प्रणालियों में हो सकेगा उपयोग

नीरज मिश्र, लखनऊ

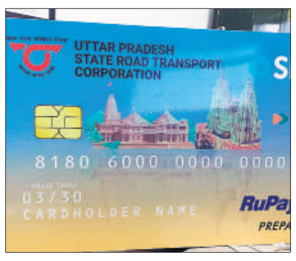

अमृत विचार: परिवहन निगम प्रबंधन का ड्रीम प्रोजेक्ट एनसीएमसी कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) जनवरी माह के अंत तक आ जाएगा।

परिवहन निगम प्रबंधन इसकी तैयारी पूरी कर चुका है। इस कार्ड का यात्री न केवल रोडवेज बसों में बल्कि मेट्रो व नगर बसों में भी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। सिर्फ यूपी ही नहीं देश में जहां भी ओपेन लूप प्रणाली से सार्वजनिक परिवहन जुड़ा है, यह कार्ड वहां भी काम करेगा। कार्ड का प्रारूप आ गया है। एसबीआई की मदद से यह कार्ड विभिन्न सेवाओं में 'रन' करेगा। कार्ड में अयोध्या के राममंदिर और बाबा काशी विश्वनाथ के मंदिरों की झलक दिखाई देगी।

कार्ड उपलब्ध कराएगा ये सहूलियतें

जिस सिस्टम पर चल रही होगी ओपेन लूप प्रणाली सभी में इस कार्ड का उपयोग हो सकेगा। इसके जरिए यात्री रोडवेज, नगर बसों, मेट्रो आदि में कैशलेस टिकट प्राप्त कर सफर कर सकेंगे। सिर्फ यही नहीं इसके माध्यम से दिल्ली मेट्रो समेत यूपी और देश के विभिन्न सार्वजनिक परिवहन वाहनों में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस कार्ड में यात्री अपनी आवश्यकतानुरूप पैसा भी भरवा सकेगा। अपनी जरूरत के मुताबिक पैसा रखकर इससे शॉपिंग भी की जा सकेगी।

रोडवेज बसों में यात्री कर सकेंगे इसका उपयोग

प्रदेश परिवहन निगम के पास अनुबंधित और स्वयं बसों का बेड़ा करीब 13,000 से अधिक है। इन सभी में यात्रा के दौरान इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। टिकट मशीनों में इसका इस्तेमाल किया जाएगा। चरणबद्ध तरीके से इसे लागू किया जाएगा। पहले चरण में लखनऊ और गाजियाबाद क्षेत्र में बतौर ट्रायल इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू कर दिया जाएगा।

"यात्रियों के लिए परिवहन निगम का यह कैशलेस कार्ड काफी लाभप्रद होगा। इसका उपयोग यात्री मेट्रो, नगर बस, रोडवेज समेत तमाम अन्य सेवाओं में कर सकेंगे। खास बात यह है कि देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के जिन प्रांतों में ओपेन लूप सिस्टम लागू है, वहां भी इस कार्ड की उपयोगिता होगी।
-**यजुवेंद्र कुमार**, प्रधान प्रबंधक, आईटी एवं पीपीपी

"परिवहन निगम प्रबंधन इस कार्ड को अंतिम रूप दे चुका है। प्रदेश सरकार जनवरी माह से यह तोहफा यात्रियों को उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से समय मांगा जा रहा है। इस एक कार्ड से यात्री अनेक फायदे ले सकेगा।
-**दयाशंकर सिंह**, परिवहन मंत्री उप्र.

ब्रीफ न्यूज

बाला जी मंदिर में लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सद्भावनानगर की फ्लोरिडोल कॉलोनी में स्थित मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में रविवार को तड़के चोर लाखों रुपये के सोने चांदी के आभूषण और नकदी चुराकर ले गया। चोरों ने बालाजी की प्रतिमा से करीब सवा किलो चांदी के दो छत्रों को उखाड़ लिया। इसके अलावा मंदिर के अंदर कार्यालय में रखी लोहे की अलमारी को तोड़कर करीब नौ तोले सोने का एक हार, सोने का एक छत्र, चांदी के विभिन्न आकारों के कई छत्र, कुछ नकदी और बालाजी के दरबार में रखे दान-पात्र से चढ़ावा राशि चुरा ली। कुल मिलाकर इस चोरी का अनुमानित मूल्य 20 से 25 लाख बताया जा रहा है।

डोडा में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के घने जंगल में रविवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ कर एक राइफल और गोला-बारूद बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने थाथरी के भल्लारा वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जंगल के अंदर एक ठिकाने से एक राइफल, उसकी दो मैगजीन और 20 राउंड बरामद किए गए।

गोवा के नाइट क्लब में आग, पांच पर्यटकों समेत 25 जिंदा जले

डांस फ्लोर पर चलाए जा रहे थे इलेक्ट्रिक पटाखे, 6 की हालत गंभीर

- डांस फ्लोर पर थे 100 से ज्यादा पर्यटक मरने वालों में 20 क्लब के कर्मचारी
- क्लब के महाप्रबंधक समेत चार गिरफ्तार सीएम ने गठित की जांच कमेटी

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब बर्च बाय रोमियो लेन में शनिवार आधी रात के बाद अचानक लगी आग से 25 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में 5 पर्यटक और 20 क्लब के कर्मचारी हैं। छह लोगों की हालत नाजुक है। घटना उस समय हुई जब नाइट क्लब पर्यटकों से भरा हुआ था और डांस फ्लोर पर 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। मरने वालों में चार लोग उत्तराखंड के शामिल हैं।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि अंदर इलेक्ट्रिक पटाखे फोड़े गए थे, जिससे आग लगी। क्लब के मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोदक, महाप्रबंधक विवेक सिंह, बार प्रबंधक राजीव सिंघानिया और द्वार प्रबंधक रियांशु ठाकुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

उत्तरी गोवा जिले में नाइट क्लब में जले हुए अवशेष मिले, जहां शनिवार आधीरात के बाद आग लग गई थी।

उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव डॉ. वी. कैंडावेलू और डीजीपी आलोक कुमार को दोषी सरकारी अधिकारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने नाइट क्लब अग्निकांड की जांच के लिए समिति गठित की है। ये समिति एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी।

यह नाइट क्लब राजधानी पणजी से लगभग 25 किलोमीटर दूर अरपोरा में स्थित है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल हैं। इसी बीच सीएम ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जिम्मेदारी तय की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आग क्लब की पहली मंजिल पर लगी थी और भीड़भाड़ होने एवं छोटे दरवाजों के कारण ग्राहक बाहर नहीं निकल सके।

राष्ट्रपति- प्रधानमंत्री ने अग्निकांड पर शोक जताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को पांच लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

आतिशबाजी को बताया कारण

एक पर्यटक ने दावा किया कि नृत्य प्रस्तुति के दौरान आतिशबाजी की गई और वही आग लगने की असली वजह है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया था कि आग क्लब की पहली मंजिल पर लगी थी, जहां पर्यटक नाच रहे थे। दिल्ली की एक पर्यटक रिया ने दावा किया कि जब नृत्य प्रस्तुति दी जा रही थी, तो हर तरफ आतिशबाजी हो रही थी। हैदराबाद की रहने वाली फातिमा शेख ने बताया कि आग की लपटें उठते ही अफरा-तफरी मच गई। वीकेंड की वजह से नाइट क्लब खचाखच भरा हुआ था और 'डांस फ्लोर' पर कम से कम 100 लोग थे।

प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी जारी

- लखनऊ, कानपुर इटावा, आगरा बाराबंकी व अयोध्या समेत कई जिलों में सुबह के समय छा सकता कोहरा सुबह या शाम चलने वाले वाहन चालक रहें सतर्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई शहरों में 10, 11 और 12 दिसंबर को घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। इस दौरान लखनऊ, कानपुर, इटावा, आगरा, बाराबंकी और अयोध्या समेत कई जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छा सकता है। इस बीच मौसम तेजी से करवट ले रहा है।

मौसम विभाग ने का अलर्ट है कि देश के 10 बड़े शहरों में घने कोहरे से सुबह के समय वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इनमें कई शहर यूपी के भी हैं। लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, टुंडला में घना कोहरा पड़ने जा रहा है। खासकर एक्सप्रेस-वे और हाई-वे पर सुबह या शाम को चलने वाले वाहन चालकों को सतर्क रहने की हिदायत जारी की गई है। पहाड़ी राज्यों में भी बर्फबारी का अलर्ट है, जिससे यूपी में शीतलहर बरकरार रहेगी।

बरेली में सामान्य से 3.5 डिग्री कम तापमान

हल्की हवा चलने की वजह से दो दिन से बरेली में ठंडक बढ़ गई है। रविवार की सुबह घने कोहरे से दिन की शुरुआत हुई। शहर में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री कम रहा। जो ठंडक बढ़ने का कारण रहा है। आंचलिक मौसम विज्ञान के अतुल कुमार के अनुसार न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

गले में फंसी टॉफी, दम घुटने से ढाई साल के बच्चे की मौत

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नहटौर क्षेत्र के ग्राम चक गोवर्धन में गले में टॉफी फंसने से ढाई साल के बच्चे की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। गांव के शमशाद का पुत्र शाफैज शनिवार दोपहर घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने टॉफी खा ली, जो गले में फंस गई। उस वक्त वहां कोई परिजन नहीं था। सांस रुकने से वह छटपटाते हुए बेहोश होकर गिर पड़ा। बच्चे के गिरने की आवाज पर परिजन उसे सीएचसी नहटौर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिंदगी की आस में परिजन उसे धामपुर के एक निजी अस्पताल भी ले गए, लेकिन वहां भी डॉक्टर ने निराशा जाहिर कर दी। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शमशाद ने बताया कि घर पर काफी कोशिश के बाद भी टॉफी नहीं निकाली जा सकी तो अस्पताल ले गए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष कुमार आर्य ने अभिभावकों से अपील की कि छोटे बच्चों को सख्त टॉफी, पॉपकॉर्न, च्यूइंग गम, मूंगफली, अंगूर तथा छोटे आकार वाले खाद्य पदार्थ बिना निगरानी के न दें।

मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे को उठा ले गया भेड़िया

कैसरगंज(बहराइच)। कैसरगंज थाना क्षेत्र में स्थित गोड़हिया नंबर 3 के मजरे मल्लाहनपुरवा में शनिवार देर रात एक बजे घर में घुसकर भेड़िया मां के आंचल में सो रहे चार माह के बच्चे सुभाष को उठा ले गया। वनविभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सर्च अभियान चला रहीं हैं।

परिवार और ग्रामीण बच्चे की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में भेड़ियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है। वहीं बहराइच वन प्रभाग के डीएफओ राम प्रकाश यादव का कहना है कि घटना के बाद से ही वन विभाग की टीमें सर्च अभियान चला रही हैं पर अभी कोई सफलता नहीं मिली है। बता दें कि वन्यजीवों के हमले में अब तक दस लोगों की मौत हो चुकी है और 32 लोग घायल हुए हैं।

1650 तक पहुंच गई इंडिगो की उड़ानें

- तेजी से सामान्य हो रहे हालात इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड पूरा किया

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने बताया कि विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे।

नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपये का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार को उड़ानों की संख्या 1,650 तक पहुंच गयी।

इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का गठन किया

मुंबई। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

विद्युत बिल राहत योजना में बढ़ा लाभ का दायरा

- 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी होंगे लाभान्वित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विद्युत बिल राहत योजना में उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ का दायरा और बढ़ा दिया गया है। ऐसे में अब 31 मार्च के बाद भुगतान करने वाले बकाएदार भी लाभान्वित होंगे। अधिकतम लोगों को राहत देने के मद्देनजर राज्य सरकार ने यह संवेदनशीलता दिखाई है।

दरअसल, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देशों के क्रम में अब 30 नवंबर 2025 तक भुगतान करने वाले ऐसे सभी उपभोक्ताओं को भी विद्युत बिल राहत योजना में शामिल कर लिया गया है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक बोझ में बड़ी कमी आएगी। पहले 31 मार्च के बाद आंशिक भुगतान कर चुके उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया था, जिससे अनेक उपभोक्ता योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे। जिलों के दौरे और विद्युत बिल राहत शिविरों के निरीक्षण के दौरान कई उपभोक्ताओं ने ऊर्जा मंत्री से आग्रह किया कि अप्रैल, मई, जून आदि महीनों में उन्होंने कुछ न कुछ भुगतान अवश्य किया है, फिर भी उनका काफी बकाया शेष है।

वन्यजीव

जंगल में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है

पर्यटकों को खूब भा रहे दुधवा-पीटीआर, हो रही बाघों की साइटिंग

संवाददाता, लखीमपुर/ पीलीभीत

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क और पीटीआर का नया पर्यटन सीजन शुरू होते ही बाघ प्रेमियों की किस्मत खूब चमक रही है। दुधवा पार्क के जंगल के हर कोने में इन दिनों पर्यटक न सिर्फ हाथी, गैंडे और बारहसिंघे देख रहे हैं, बल्कि खूबसूरत और ताकतवर बाघों की झलक भी बार-बार देखने को मिल रही है।

दुधवा पार्क की द. सोनारीपुर रेंज में दिखे बाघ।

अब तक दर्जनों बार दिखा बाघ : दुधवा टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, इस सीजन में अब तक दर्जनों बार बाघों, तेंदुओं और गैंडे जैसे दुर्लभ वन्यजीवों की साइटिंग हो चुकी है। वनकर्मी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पर्यटकों को रोमांचक अनुभव के साथ-साथ सुरक्षा का भी पूरा भरोसा मिल सके। दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए यह बाघ दर्शन किसी जंगल सफारी बोनस से कम नहीं था। नजदीक से देखे गए इस शेर-ए-दुधवा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे पर्यटकों में दुधवा घूमने का उत्साह और बढ़ गया है।

पीटीआर में शावकों संग अठखेलियां करती दिखी बाघिन

अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी सैलानियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रकृति को करीब से निहारने एवं बाघों के दीदार करने के लिए सैलानी पहुंच रहे हैं। शनिवार शाम शावकों के साथ अठखेलिया करती बाघिन के दीदार होने पर सैलानी खासे उत्साहित दिखे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र बीते 1 नवंबर से शुरू किया गया था। बीते माह में 4500 से अधिक सैलानी पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे थे। वहीं 30 दिन के अंदर 70 से अधिक विदेशी सैलानियों ने भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व में दस्तक दी थी। रविवार को दिनभर में 300 से अधिक सैलानी टाइगर रिजर्व पहुंचे। महोफ रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सहेंद्र यादव ने बताया कि रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सैलानियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

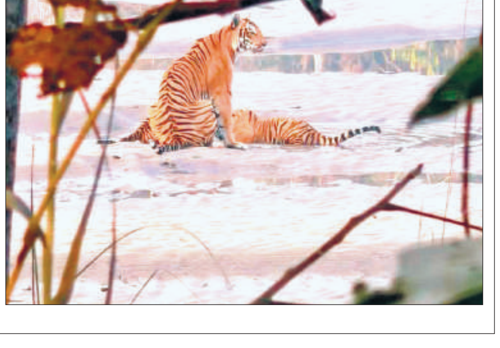

प्रदेश के परिवहन ढांचे में आएगा बड़ा बदलाव

सरकार का 'सुरक्षित सड़क मिशन' तेज, हाई रिस्क जिलों में इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क सुरक्षा को लेकर सरकार ने अब जमीनी बदलाव की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने अत्याधुनिक तकनीक आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारियों को हरी झंडी दे दी है। मुख्य सचिव की बैठक में कई महत्वपूर्ण पूंजीगत और राजस्व योजनाओं को मंजूरी मिल गई है।

इस कवायद से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी और ट्रैफिक अनुशासन में बड़े सुधार की उम्मीद की जा रही है। राजधानी सहित अन्य प्रमुख शहरों में ट्रैफिक मॉनिटरिंग को डिजिटल रूप देने के प्रयास तेज हैं। लखनऊ के महत्वपूर्ण चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए 4.96 करोड़ रुपये, जबकि मुरादाबाद और बलिया में 3.10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन कैमरों से न केवल नियम उल्लंघन की निगरानी होगी, बल्कि शहरों में रीयल-टाइम ट्रैफिक कंट्रोल, दुर्घटनाओं में त्वरित प्रतिक्रिया और अपराध रोकथाम में भी मदद मिलेगी।

नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान

सड़क हादसों पर नियंत्रण योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। इसी लक्ष्य से डीआरएससी मॉडल पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने के लिए 25 हाई रिस्क जिलों को 1-1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपये प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। इन उपकरणों के जरिए ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, रेड लाइट जंपिंग और गलत दिशा में वाहन चलाना जैसे नियम उल्लंघन पर स्वत: ई-चालान जारी होंगे।

इंटरसेप्टर वाहनों से बढ़ी सख्ती

परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में स्वीकृत 19 .95 करोड़ रुपये में से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद हो चुकी है। ये वाहन अब हाईवे और शहरों के प्रमुख मार्गों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, 18 के-इन-मोशन सेंसरों की स्थापना के लिए 14 .05 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं, जिससे ट्रकों की ओवरलोडिंग पर सटीक कार्रवाई होगी।

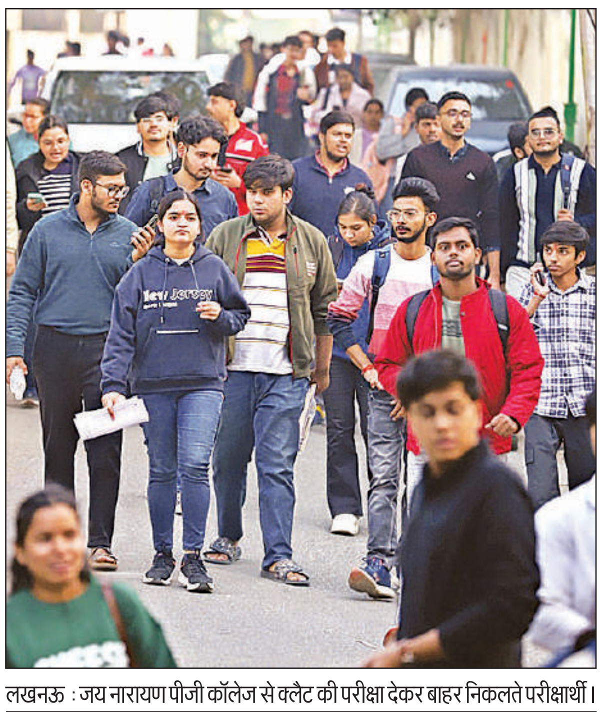

लखनऊ : जय नारायण पीजी कॉलेज से क्लैट की परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी।

11 जिलों में 17 केंद्रों पर हुई क्लैट परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विधि स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में शैक्षिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) का आयोजन देश भर में रविवार को किया गया। जबकि यूपी के लखनऊ समेत कुल 11 जिलों में इस परीक्षा का आयोजन किया। लखनऊ में कुल 6 परीक्षा केंद्रों पर क्लैट की परीक्षा सम्पन्न हुई। सर्वाधिक अभ्यर्थी डॉ. राममनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों में जाने के लिए लंबी लाइनें लगीं, जिसमें घंटों तक परीक्षार्थी प्रतीक्षा के बाद चेकिंग के बाद गए। परीक्षा का आयोजन कन्सोर्टियम ऑफ एनएलयू द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया है।

देशभर में कुल 173 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें 92,344 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। यूपी के 11 जिलों में 17 केंद्रों पर परीक्षा हुई, जिसमें 14,578 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। लखनऊ क्षेत्र में कुल 5365 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 5212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 153 अनुपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंक के मैनेजर व चपरासी पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो ने ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक के प्रबंधक व चपरासी के खिलाफ रिश्वत मांगने की रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में आजमगढ़ के गहाजी निवासी किसान ने शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाये जाने के बाद सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई अधिकारी के मुताबिक आजमगढ़ के गहाजी निवासी विशाल कुमार ने शिकायत की थी। जिसमें आरोप लगाया कि आजमगढ़ स्थित ग्रामीण यूपी बड़ौदा बैंक की दुर्वाषा शाखा से उन्होंने 2 .52 लाख रुपये का केसीसी सीमा का आवेदन किया था। इसे मंजूरी दे दी गई। इसकी पहली किस्त उनके खाते में आ गई। इसके बाद बैंक के शाखा प्रबंधक ने अपने चपरासी विश्राम के माध्यम से ऋण राशि के 10 प्रतिशत की दर से 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। पीड़ित ने इसकी शिकायत की तो जांच में सामने आया कि बैंक के शाखा प्रबंधक के चपरासी द्वारा मांगे जाने वाली रिश्वत की पुष्टि हुई।

प्रोग्रेसिव खेती के टिप्स देंगे मास्टर ट्रेनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार अब किसानों को आय का साधन और प्रोग्रेसिव खेती की टिप्स देने को मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने जा रही है। ये मास्टर ट्रेनर्स किसानों के बीच से ही विकसित किए जाएंगे। इसके लिए बकायदा अभियान चलेगा, जिसमें कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचार को अपनाकर मिट्टी की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए कम लागत में अधिक लाभ कमाने का हुनर सिखाया जाएगा। अभियान सोमवार से ही शुरू हो जाएगा, जिसके तहत मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी। बाद में जिलास्तरीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 9 से 10 दिसंबर के बीच चलेगा। इसी कड़ी में आगे भी कार्यक्रम चलेंगे। अभियानों के आयोजन के लिए पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र और प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया जा रहा है।

जिलाधिकारियों को पेंशनर्स देंगे ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर्स दिवस (17 दिसंबर) को प्रदेशभर के पेंशनर्स जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग की शर्तों में पेंशन पुनरीक्षण को कर्मचारियों के वेतन-भत्तों की तर्ज पर शामिल किए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी जाएगी। यह घोषणा संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश ने की है । समिति के संयोजक एनपी त्रिपाठी और सह संयोजक क्षमा नाथ दुबे ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 3 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना में आठवें वेतन आयोग के विचार-बिन्दुओं में पेंशनरों की पेंशन बढ़ोतरी से संबंधित मुद्दा शामिल नहीं है। चूंकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को केंद्र के समान आधार पर ही सुविधाएं स्वीकृत होती हैं, इसलिए आयोग में यह बिंदु शामिल न होने से पेंशनरों में स्वाभाविक रूप से असंतोष व्याप्त है।

यहियागंज गुरुद्वारे का होगा पर्यटन विकास

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग राजधानी स्थित ऐतिहासिक यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करने जा रहा है। गुरुद्वारे के धार्मिक महत्व, सामुदायिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए दो करोड़ रुपये से इसके कायाकल्प की योजना तैयार की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सिखों के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े इस गुरुद्वारे का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता में है।

अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर में सबसे अधिक फर्जी वोट : मुख्यमंत्री

एसआईआर में देरी पर जताई नाराजगी, संगठनात्मक बैठक से दूर रखे गए अधिकारी

अलीगढ़ में जिलाधिकारी कार्यालय के सभागार में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य पार्टी नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अलीगढ़ में एसआईआर (वृहद मतदाता पुनरीक्षण) की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक फर्जी वोट अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर जिलों में मिले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों में मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं दिख रही हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और अंतिम समय सीमा नजदीक होने के कारण किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री की यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई, जहां उन्होंने मंडलभर के भाजपा नेताओं और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की। खास बात यह रही कि बैठक पूरी तरह संगठन के लिए रखी गई थी और इसमें किसी भी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि इस अभियान को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विवाह जैसे व्यक्तिगत कार्यक्रम हों, तब भी एसआईआर का काम नहीं रुकना चाहिए। मुख्यमंत्री विशेष रूप से अलीगढ़ शहर और कोल विधानसभा क्षेत्रों में देरी को लेकर नाराज दिखे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा कि दोनों क्षेत्रों में बोगस वोटों की संख्या अधिक होने के कारण विशेष निगरानी जरूरत है।

बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री छेरत पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मंत्री और बरौली विधायक ठाकुर जयवीर सिंह के पुत्र के तिलक समारोह में शामिल होकर उन्हें आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे छेरत से ही कोटद्वार के लिए उड़ान भर गए।

चर्चा में रहा योगी का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वेलिंगडन क्रिकेट पवेलियन में उतरा। शहर में इस बात की खूब चर्चा रही कि हाल ही में जहां स्ट्रीट लाइटों से मुख्यमंत्री की तस्वीरें हटाए जाने पर विवाद हुआ था, वहीं उसी परिसर में मुख्यमंत्री का आगमन हुआ। विश्वविद्यालय क्षेत्र में विद्यार्थियों की मांगों को लेकर आंदोलन की पृष्ठभूमि में छात्र नेता मोहम्मद मोहसिन मेवाती को पुलिस ने पहले ही नजरबंद कर लिया था।

सहारनपुर में भी की एसआईआर की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सहारनपुर में अलीगढ़ की तर्ज पर संगठनात्मक व प्रशासनिक समीक्षा करते हुए एसआईआर (मतदाता पुनरीक्षण) कार्य की प्रगति को गंभीरता से परखा। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बंद-द्वार बैठक की, जिसमें किसी सरकारी अधिकारी को शामिल होने की अनुमति नहीं थी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एसआईआर अभियान में तेजी लाने और मतदाता सूची में बोगस प्रविष्टियों को प्राथमिकता से हटाने पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान जिले की कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना होगा।

यूपी की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने को महाराष्ट्र में मिलेगा गुरुमंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 29 जिलों से चुने प्रतिनिधि जाएंगे महाराष्ट्र, सीखेंगे पंचायतों में नई तकनीक से विकास
- प्रति ग्राम पंचायत लगेगी किसान पाठशाला, 80 से 100 किसान होंगे शामिल

अमृत विचार : उप्र. की पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने का गुरुमंत्र महाराष्ट्र से मिलेगा। राज्य के 23 जिलों से कुल 29 ऐसे प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जो महाराष्ट्र रवाना हो चुके हैं और वहां 11 दिसंबर तक पंचायतों में नई तकनीक के साथ विकास करने की बारीकियां सीखेंगे।

नवाचार मॉडल की बारीकियां सीखने के बाद ये प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश लौटेंगे और फिर प्रति ग्राम पंचायत किसान पाठशाला लगेगी। इस पाठशाला में 80 से 100 किसान प्रतिभाग करेंगे, जिनके बीच प्रतिनिधि सीखे गए मॉडल्स को उनके गांवों में लागू करने के उपाय और रास्ते सुझाएंगे।

महाराष्ट्र में ऐसे हजारों गांव हैं, जहां उनके सफल मॉडलों के कारण ग्रामीणों ने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। पंचायती राज विभाग की इस पहल का मूल उद्देश्य उत्तर प्रदेश की पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने का है।

महाराष्ट्र दौरे में यूपी के चुनिंदा विजिटर्स को उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां स्वच्छता प्रबंधन, अपने बूते आय के संसाधन बनाना, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल और सामुदायिक सहभागिता जैसी एडवांस कार्यसंस्कृति विकसित है। ऐसे में यूपी विजिटर्स वहां के ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल मॉडल्स को अपने क्षेत्रों में लागू कर सकेंगे।

> विश्वास है कि महाराष्ट्र का अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों और अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा। ऐसे में यूपी की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।
>
> – ओमप्रकाश राजभर, पंचायती राज मंत्री

> हमारे लोगों के लिए सीख, अनुभव और नेतृत्व विकास का अनोखा अवसर है। वहां से मिली जानकारी को वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों में लागू करेंगे और वहीं से एक नई विकास यात्रा आगे बढ़ेगी।
>
> -अमित कुमार सिंह, निदेशक, पंचायती राज विभाग

33 जिलों में 14 से चलेगा सघन पोलियो अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के 33 प्राथमिकता वाले जिलों में 14 से 22 दिसंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 1.33 करोड़ बच्चों को पोलियोरोधी खुराक दी जाएगी। अभियान के पहले दिन 44,726 बूथ स्थापित होंगे, जबकि इसके बाद 29,360 टीमें घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं, लखनऊ में 7.03 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है।

राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि उप्र. को पोलियो मुक्त हुए 15 वर्ष हो चुके हैं और राज्य में आखिरी पोलियो का मामला 21 अप्रैल 2010 को फिरोजाबाद में मिला था। उन्होंने कहा, पड़ोसी देशों में अब भी पोलियो के मामले पाए जाने के कारण सावधानी जरूरी है। दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 2,750 ट्रांजिट और 1,746 मोबाइल टीमें लगाई जाएंगी। नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता के तहत 30 टीकाकरण पोस्ट भी बनाए गए हैं।

इन जनपदों में चलेगा अभियान

आगरा, अंबेडकर नगर, अमेठी, अयोध्या, बदायूं, भदोही, बांदा, चंदौली, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, मऊ, मथुरा, मिर्जापुर, पीलीभीत, सोनभद्र, उन्नाव और वाराणसी।

मानवतावादी संविधान सही भावना से लागू हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस संचालन में हो रही अव्यवस्था समेत गरीबी, बेरोजगारी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीरता और रुपये की गिरती कीमत जैसी समस्याओं से देश परेशान है। सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब बाबा साहेब के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान को सही भावना से लागू किया जाए।

बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर डॉ.भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल और नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन में श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लाखों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि वे व्यावसायिक दृष्टिकोण छोड़कर विशुद्ध जनहित और जनकल्याण की नीयत से नीति व कानून बनाएं।

एसआईआर में गहनता से हो जांच : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान में लगे बीएलओ को अनुपस्थित, शिफ्टेड और मृत मतदाताओं का एक बार फिर से अपने स्तर पर गहन जांच कर लेने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में राजनीतिक दलों से नियुक्त बीएलए का भी सहयोग लेने के निर्देश हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में चल रहे एसआईआर के कार्यों में प्रगति तेज है। उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें।

मतदाता सूची की अनियमितताओं की हो जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में मतदाता गणना प्रपत्रों में हो रही अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई है। पार्टी की तरफ से उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में तत्काल जांच कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को निर्वाचन आयोग को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अमेठी, गौरीगंज विधानसभा में कुल 389 मतदेय स्थलों में से 110 केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को बीएलओ द्वारा थर्ड ऑप्शन में सबमिट कर दिया गया है, जबकि अधिकांश मतदाताओं ने 2003 की मतदाता सूची से संबंधित विवरण सही ढंग से भरकर जमा किया था। इतना ही नहीं, मतदेय स्थल संख्या 322 पर एक मतदाता का विवरण किसी अन्य मतदाता के नाम से प्रदर्शित हो रहा है।

इसी प्रकार गोंडा, करनैलगंज विधानसभा में भी 50 से 79 प्रतिशत तक मतदाताओं के गणना प्रपत्र थर्ड ऑप्शन में भेज दिए गए हैं। पार्टी का कहना है कि सही विवरण जमा करने के बाद भी इन मतदाताओं को अनावश्यक नोटिस देकर दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिससे भ्रम और परेशानी बढ़ रही है। प्रयागराज, कोरांव विधानसभा तथा प्रयागराज, शहर पश्चिमी में भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई हैं। जिसके कारण कई मतदाताओं के नाम सूची से गायब हो गए हैं। शामली, थानाभवन में वितरण कार्य अधूरा बताया गया है। कई मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिला और मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी इन मतदेय स्थलों की जानकारी बंद बताई गई है।

नियमों के विपरीत हस्ताक्षर कराने का आरोप

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मिर्जापुर, शहर विधानसभा के कुछ बीएलओ अपने क्षेत्र के बाहर लगभग पांच किलोमीटर दूर जाकर गणना प्रपत्र सबमिट कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी के बीएलए को बुलाकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं, जो नियमों के विपरीत है। सबसे गंभीर मामले बागपत में बताये गये हैं। यहां 1288 मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची से लापता हो गए हैं। इससे मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केके श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है और सभी जिलों में त्वरित जांच व आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

बढ़ते कदम | 1038 .27 मेगावॉट क्षमता से बढ़ी ऊर्जा आत्मनिर्भरता

यूपी में तीन लाख सोलर प्लांट लगाने का रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2074 करोड़ रुपये सब्सिडी से उपभोक्ताओं को मिली राहत

अमृत विचार : नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने बड़ा मुकाम हासिल करते हुए तीन लाख से अधिक सोलर प्लांट इंस्टॉल करने का रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का परिणाम है कि राज्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अब देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपी ने 3,00,654 सोलर इंस्टॉलेशन के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी छलांग लगाई है। इस उपलब्धि ने ग्रामीण से लेकर शहरी उपभोक्ताओं तक ऊर्जा के नए विकल्प और आर्थिक राहत दोनों पहुंचाई हैं।

प्रदेश में अब तक 983,915 आवेदनों में से तीन लाख से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे हो चुके हैं। राज्य की कुल सौर उत्पादन क्षमता बढ़कर 1038.27 मेगावॉट तक पहुंच गई है, जिससे लाखों परिवार स्वच्छ, किफायती और लगातार उपलब्ध रहने वाली ऊर्जा का लाभ उठा रहे हैं। योगी सरकार द्वारा अब तक 2074.53 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की जा चुकी है,

जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ काफी कम हुआ है और सोलर प्लांट लगाने की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। इस मामले में गुजरात और महाराष्ट्र ही यूपी से आगे हैं, जिससे उत्तर प्रदेश का स्थान देश के शीर्ष सौर ऊर्जा राज्यों में पक्का हो गया है।

पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग, समयबद्ध इंस्टॉलेशन और पारदर्शी प्रक्रियाओं पर जोर दिया है। पीएम सूर्यघर योजना और राज्य की नई सौर नीति ने बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचा तैयार किया, जिससे सौर ऊर्जा उद्योग के प्रति उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों का भरोसा बढ़ा है।

इस उपलब्धि का सबसे बड़ा असर ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। गांवों में बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आई है और कई परिवार अतिरिक्त ऊर्जा ग्रिड को बेचकर अपनी आय में भी बढ़ोतरी कर रहे हैं।

सीएचसी में खून की जांचों के लिए 25 करोड़ जारी, सेवाएं होंगी बेहतर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रियेजेंट और उपकरणों की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) में खून संबंधी जांचों के लिए आवश्यक रियेजेंट और अन्य संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इससे सरकारी अस्पतालों में पैथोलॉजी सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मरीजों को जांचों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

संयुक्त सचिव आनंद कुमार राय द्वारा बजट से संबंधित शासनादेश जारी किए जाने के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि प्रदेश के 975 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मरीजों को गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उपचार सुनिश्चित करने में पैथोलॉजी की अहम भूमिका होती है, जहां एक पैथोलॉजी में लगभग 150 से अधिक प्रकार की खून की जांचें उपलब्ध रहती हैं। यानी विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग जांच करायी जाती हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न जांचों के लिए प्रयोग किए जाने वाले करीब 150 प्रकार के रियेजेंट उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनकी खरीद अस्पताल प्रशासन को स्वयं करनी होती है। सरकार द्वारा जारी किए गए बजट से अब इन रियेजेंट और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीद सुचारु रूप से होती रहेगी, जिससे मरीजों को सभी रक्त जांचें बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी। इससे विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की जांच समय पर हो सकेगी तथा उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी।

न्यूज ब्रीफ

प्रोजेक्ट नई किरण में निपटे तीन मामले

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे अभियान मिशन शक्ति-5 के अंतर्गत रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन माती स्थित सभागार कक्ष में प्रोजेक्ट नई किरण की बैठक हुई। नई किरण में 33 मामले आए। इनमें सदस्यों द्वारा समझाने के बाद तीन परिवारों में आपसी सहमति के आधार पर समझौता कराया गया। पति-पत्नी खुशी-खुशी साथ रहने को तैयार हो गए। शेष प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गई। प्रोजेक्ट नई किरण के तहत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। इस कार्यक्रम में थानाध्यक्ष सुषमा सहित ज्योतिराज, जयमाला, शालू देवी, रीनू, जानकी देवी, रागिनी, राम प्रकाश, जियाऊल हक आदि रहे।

सड़क हादसों में दो घायल, हालत गंभीर

रसूलाबाद। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के बाद हैलट रेफर किया है। सिसाही रसूलाबाद निवासी सुरेश सिंह 70 बाइक द्वारा ककवन निवासी बेटी मनोरमा के यहां से वापस घर जा रहे थे। इस बीच पलिया बास खेड़ा के पास पशु से बाइक टकरा जाने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस आनन फानन इलाज के लिए सीएचसी ककवन ले गए जहां इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया गया। इसी प्रकार का कठिका मिंडाकुआं निवासी शिवम 30 पुत्र अनुराग भी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए। परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद हैलट रेफर किया गया।

पटाखे की चपेट में आकर बच्चा जख्मी

रसूलाबाद। विकास नगर निवासी एक बालक पटाखे से झुलस गया। परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। कस्बा के विकास नगर निवासी रविंद्र कुमार का बेटा विंध्याचल 8 वर्ष घर के पास खेल रहा था इसी दौरान वह पटाखे की चपेट में आकर झुलस गया। परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर प्रणयवीर ने इलाज किया।

महिला ने निगला जहर, बिगड़ी हालत

रसूलाबाद। अमरोहिया गांव निवासी एक विधवा ने मानसिक अवसाद से ग्रस्त होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज किया गया। अमरोहिया गांव निवासी स्वर्गीय कमलेश कठेरिया की पत्नी खुशबू 24 ने मानसिक अवसाद से ग्रस्त होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर प्रणयवीर ने भर्ती कर इलाज किया।

ग्राम प्रधान के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। मुनौरापुर के पूर्व ग्राम प्रधान ने वर्तमान ग्राम प्रधान व उनके साथियों के विरुद्ध गत 5 दिसंबर शाम दरवाजे आकर गाली गलौज करने और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुनौरापुर के पूर्व ग्राम प्रधान विनय कुमार ने पुलिस को बताया कि गत 5 दिसंबर रात 9 बजे गांव के प्रधान शैलेंद्र गौतम वह उनके भाई शिव गोपाल, वीरेंद्र व अरविंद उसके दरवाजे आए और उसे अपशब्द कहने लगे। विरोध करने पर उसे मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए तब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया है।

दिल का दौरा पड़ने से सेवानिवृत्त सैनिक की थम गईं सांसें, शोक

कानपुर देहातः रविवार सुबह 58 वर्षीय सेवानिवृत्त सैनिक का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। घटना से परिजनों व क्षेत्र में शोक की लहर है।

शिवदास।

शिवली थाना क्षेत्र के ग्राम चंपतपुर रावतपुर निवासी सूरज यादव पुत्र शिवदास ने पुलिस को बताया कि उसके पिता शिवदास पुत्र नारायण (58) थलसेना से 2000 में सेवानिवृत्त हुए थे। कुछ दिनों से लीवर की समस्या थी। कल्याणपुर के निजी अस्पताल में ईलाज कराकर शुक्रवार को वापस घर लौटे थे। रविवार सुबह जानवरों के लिए चारा डाल रहे थे तभी बेहोश होकर गिर पड़े। शिवली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। अस्पताल में मौजूद डॉक्टर सिंधुजा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर क्राइम इंस्पेक्टर शीलेंद्र यादव सीएचसी शिवली पहुंचे और जांच पड़ताल की। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराए जाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पत्नी प्रेमा देवी व पुत्री नीलम बिलखती रही। थाना प्रभारी प्रवीण यादव ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम से मना कर दिया था।

एडीएम ने किया रैन बसेरा का निरीक्षण

कानपुर देहात। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य ने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित रैन बसेरा/आश्रय गृह का स्थलीय निरीक्षण किया।

अपर जिलाधिकारी द्वारा रैन बसेरे में रुकने वाले लोगों की संख्या व उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी संबंधित से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रैन बसेरे में सभी आवश्यक सुविधाएं सतत सुनिश्चित रहे, यहां पर रुकने वाले लोगों का पंजिका में अंकन कराकर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, रुकने वाले लोगों से मधुर व्यवहार किया जाए। मौके पर तहसीलदार अकबरपुर व संबंधित अधिकारी,कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

1 हजार घरों की पानी सप्लाई अभी भी बाधित

संवाददाता, रनियां

- क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को बदलने का काम जारी
- रनियां कस्बे में पाइप लाइन फटने से हुई समस्या

अमृत विचारः रनियां कस्बे में पाइप लाइन फटने से शुक्रवार को ठप्प हुई पेयजल आपूर्ति तीसरे दिन रविवार की शाम तक भी बहाल नहीं हो पाई। हालांकि नगर पंचायत के प्लंबर मरम्मत कार्य में लगे रहे। श्याम सुंदर नगर में स्थित ढाई लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी से कस्बा वासियों को पेयजल आपूर्ति की जाती है।

पिछले काफी दिनों से मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से प्रेशर कम हो गया था और टेल तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इसी के मद्देनजर नगर पंचायत रनियां द्वारा बीते शुक्रवार को पेयजल आपूर्ति बंद करवा दी गई थी। आयुर्वेद अस्पताल के पास गहरा गड्ढा खोदा गया और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलने का काम शुरू किया गया। यहां लगभग बारह सौ घरों में आपूर्ति बंद होने से लगभग दस हजार की आबादी प्रभावित हो रही है।

यहां सुबह-शाम लगभग पांच लाख लीटर पानी की सप्लाई होती है लेकिन पिछले तीन दिनों से पानी का संकट खड़ा हो गया है। इस संबंध में ईओ मनीष राय ने बताया कि रविवार को प्लंबर मरम्मत कार्य में लगे हुए थे, फाल्ट बड़ा है और पानी भरा हुआ है इसके चलते कुछ दिक्कत आ रही है। जल्द ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलकर पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाएगी।

तीसरे दिन चला पाइप लाइन दुरुस्त करने का काम। अमृत विचार

पांच साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, एफआईआर दर्ज

लकड़ी बीनने के बहाने ले गया किशोर, बच्ची ने घर लौट कर दी जानकारी

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। तिश्ती चौकी क्षेत्र के एक गांव में 5 वर्षीय बालिका को गांव का ही एक किशोर लकड़ी बीनने के बहाने गांव के बाहर तालाब के पास ले गया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू की है।

चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासी अनुसूचित जाति की एक 5 वर्षीय बालिका रविवार दोपहर करीब 12 बजे अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी गांव में ही रहने वाला समुदाय विशेष का एक 14 वर्षीय किशोर उसे लकड़ी बीनने के बहाने गांव के बाहर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना से मासूम की हालत बिगड़ गई। बालिका किसी प्रकार रोती हुई अपनी मां के पास पहुंची और घटना की आपबीती बताई। पीड़िता की मां द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म, अनुसूचित अधिनियम, पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली।

प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पीड़िता को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी किशोर की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है।

पुलिस गिरफ्त में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी। अमृत विचार

शिवली के होटल में नाबालिग से दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

शिवली: एक युवक कानपुर नगर के बिधनू थाने के एक गांव से एक नाबालिग लड़की लेकर कानपुर देहात के शिवली कस्बे के ओयो होटल लेकर पहुंचा। यहां लड़की से शारीरिक संबंध बनाए। इधर सूचना पर पुलिस ने लड़की को बरामद कर लिया। लापरवाही बरतने व नियमों का उल्लंघन करने पर ओयो होटल के रिसेप्शनिस्ट को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि सूचना पर शिवली कल्याणपुर रोड पर स्थित गुरुकृपा ओयो होटल से नाबालिग को बरामद किया। आरोपी विपिन यादव को मौके से ही पकड़ा गया। वहीं रिसेप्शनिस्ट कासामऊ गांव के आयुष कटियार को भी पकड़ा गया।

रविवार को संपर्क करते संघ के कार्यकर्ता। अमृत विचार

व्यापक गृह संपर्क अभियानः घर घर पहुंच रहे संघ के कार्यकर्ता

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः देशहित में समाज की सज्जनशक्ति का जागरण करने के लिए आरएसएस के कार्यकर्ता प्रत्येक घर में प्रतिदिन संपर्क कर रहे हैं। सर्वव्यापक सामाजिक संपर्क के इस महाअभियान का उद्देश्य भारत माता का चित्र, पत्रक,स्टीकर और संघ शताब्दी वर्ष का साहित्य घर-घर पहुंचाना है।

यह बात रसूलाबाद के खंड कार्यवाहक ओमेंद्र ने बताई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयं संघ के कार्यकर्ता प्रत्येक घर में प्रतिदिन संपर्क कर रहे हैं। संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत रहने वाले 7 कार्यक्रमों की श्रृंखला का दूसरा कार्यक्रम व्यापक ग्रह संपर्क अभियान है। खण्ड कार्यवाह ने बताया कि संघ की संघर्षपूर्ण किंतु गौरवशाली यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर हर घर तक हमारा संपर्क हो रहा है। इस कार्यक्रम में खण्ड रसूलाबाद, कहिंजरी,असालतगंज , उसरी, पूरनपुरवा, सिमरामऊ सहित सभी मण्डलों में संघ के कार्यकर्ता टोली बनाकर प्रत्येक परिवार में संपर्क कर पंच परिवर्तन विषय पर चर्चा कर रहे है। इस अवसर पर विभिन्न मंडलों में खण्ड प्रचारक संजीव, खण्ड बौद्धिक शिक्षण प्रमुख आलोक, जिला सम्पर्क प्रमुख बृजेन्द्र,जिला सह कार्यवाह अनुरुद्ध,जिला सह प्रचार प्रमुख सदाशिव आदि रहे।

माध्यमिक शिक्षकों के प्रशिक्षण का समापन

कानपुर देहात। समग्र शिक्षा माध्यमिक द्वारा कॅरियर गाइडेंस फॉर गर्ल्स कार्यक्रम के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक बृजभूषण चौधरी के निर्देशन में राजकीय इंटर कॉलेज रनियां में जनपद के समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ।

इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक कुलदीप वर्मा ने कॅरियर की उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा करते हुए विद्यालय स्तर पर छात्रों के मध्य क्रियान्वयन पर बल दिया। यश फाउंडेशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के आशीष कुमार, आई ड्रीम करियर काउंसलर मुनीर आलम,जनपदीय नोडल अनुप्रिया गौतम, कौशल किशोर तिवारी व राजमोहन सिंह ने प्रशिक्षण देते हुए कॅरियर के विभिन्न आयामों की जानकारी साझा की। साथ ही प्रशिक्षुओं की जिज्ञासाओं का निराकरण किया तथा प्रमाण पत्र वितरण के उपरांत जिला समन्वयक सत्यनारायण कटियार ने प्रशिक्षण में प्रदेश स्तर व जनपद स्तर से आए प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षुओं का आभार व्यक्त किया।

दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट पति समेत ससुरालीजनों पर रिपोर्ट

संवाददाता, रसूलाबाद

- भगवंत कहिंजरी निवासी महिला ने रिपोर्ट
- टीकमपुर थाना फफूंद औरैया में है ससुराल

अमृत विचारः भगवंत कहिंजरी निवासी एक महिला ने अपने पति, सास, ससुर, देवर, ताई आदि के विरुद्ध अतिरिक्त दहेज की मांग करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कहा कि ससुरालीजन एक लाख रुपये न देने पर पंजाब में शारीरिक शोषण करते रहे, मारपीट की और घर से निकाल देने एवं इसके बाद उसके पिता के द्वारा समझाने बुझाने पर मायके भगवंतपुर कहिंजरी आकर गाली गलौज करने की धमकी दी।

भगवंतपुर कहिंजरी निवासी कामिनी देवी पुत्री प्रभाकर ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि टीकमपुर थाना फफूंद जिला औरैया निवासी प्रार्थी के पति नरेंद्र कुमार, ससुर राम प्रकाश, सास कमलेश, देवर शमशेर, देवरानी सपना, देवर सोनू,पवन आदि अतिरिक्त दहेज में 1 लाख रुपये की मांग पूरी न करने पर आए दिन उसका शारीरिक शोषण एवं मारपीट करते हैं।

पीड़िता के पिता द्वारा समझाने बुझाने पर गत 5 अगस्त 2025 को प्रार्थिनी के साथ पंजाब में गाली गलौज मारपीट की एवं एक लाख रुपये की व्यवस्था न कर पाने पर घर से बाहर निकाल देने की बात कही। तब वह किसी प्रकार अपने मायके भगवंतपुर कहिंजरी आई। बाद में 28 अक्टूबर 2025 को उसके मायके भगवन्तपुर कहिंजरी चौपाहिया वाहन से आकर उपरोक्त लोगों ने प्रार्थिनी के साथ गाली गलौज की। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया के मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना कहिंजरी थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा करेंगे।

पुलिस कर्मियों के लिए लगा होम्योपैथिक शिविर

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने दिक्कतों को लेकर ली सलाह
- अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने बांटे परामर्श के लिए कूपन

अमृत विचारः रविवार को पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए रिजर्व पुलिस लाइंस में विशेष वामा वेलनेस कैंप, होम्योपैथिक परामर्श एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काफी संख्या में पुलिस कर्मियों और अधिकारियों ने अलग-अलग परेशानियों को लेकर चिकित्सकों से परामर्श लिया।

उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन वामा सारथी तथा आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में रिजर्व पुलिस लाइंस कानपुर देहात परिसर के सभागार कक्ष में एक विशेष वामा वेलनेस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य फोकस पुलिस परिवार के सदस्यों को निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराना था। कैंप पुलिस बल के वर्तमान एवं सेवानिवृत्त सदस्यों तथा उनके परिजनों के समग्र स्वास्थ्य एवं कल्याण को समर्पित था। कैंप में आयुष विभाग द्वारा नियुक्त अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सकों की एक टीम ने प्रतिभागियों का विस्तृत परीक्षण किया।

होम्योपैथिक मेडिकल कैंप में डाक्टरों ने की जांच। अमृत विचार

उन्होंने सामान्य रोगों, पुरानी बीमारियों, तनाव प्रबंधन तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने सहित विभिन्न स्वास्थ्य चिंताओं पर विस्तृत परामर्श दिया। चिकित्सकीय सलाह के आधार पर, लाभार्थियों को उनकी समस्या के अनुरूप होम्योपैथिक औषधियां भी निःशुल्क प्रदान की गईं। साथ ही पुलिस परिवारीजनों के लिए अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ में विभिन्न रोगों के निःशुल्क परामर्श एवं स्वास्थ्य परीक्षण हेतु कूपन वितरित किए गए। वामा सारथी अध्यक्षा ने बताया कि यह पहल पुलिस परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा उनके कल्याण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धति का चयन दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ एवं न्यूनतम दुष्प्रभावों पर विशेष ध्यान देने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में वामा सारथी उपाध्यक्ष नेहा वर्मा सहित प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइंस व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे। साथ ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों, अधिकारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिवारों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी पुलिस परिवार के लिए इस प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

बारातशाला पर किया कब्जा शिकायत पर भड़का दबंग

संवाददाता, रसूलाबाद

- संपूर्ण समाधान में की गई मामले की शिकायत

अमृत विचारः मुनौरापुर ग्राम स्थित सरकारी बारातशाला में गांव के ही कुछ दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया। अतिक्रमण कारी परिवार सहित रहते हैं एवं बारातशाला में ही अपने मवेशी बांधते हैं। इसका जब ग्राम प्रधान ने विरोध किया तो उन लोगों ने उसे अपशब्द कहे और मारपीट पर आमादा हो गए। उसने इसकी शिकायत संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी से करके बारातशाला को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है।

मुनौरापुर ग्राम प्रधान शैलेंद्र गौतम ने जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके गांव में ग्रामीणों की सुविधा के लिए बारातशाला का निर्माण वर्ष 2000 में करवाया गया था जिस पर गांव के ही सुभाष चंद्र व नवाब सिंह ने जबरन कब्जा कर लिया और वहां रहने लगे। इसके साथ ही उन्होंने वहां अपने मवेशी भी पाल लिए। उसने जब इसका विरोध किया और उनसे बारातशाला खाली करने के लिए कहा तो उन लोगों ने उसे अपशब्द कहे और मारपीट पर आमादा हो गए।

उनके सहयोग में विनय कुमार और परशुराम ने भी उसे अपशब्द कहे। तब विवश होकर उसने इसकी शिकायत की है और बारातशाला को कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है। इसकी जांच करवा कर बारातशाला को दबंगों के कब्जे से मुक्त कराया जाएगा।

स्वास्थ्य | राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ आरोग्य मेले का आयोजन

सर्दी में जोड़ों के दर्द व जुकाम के मरीजों में इजाफा

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। सर्दी का मौसम शुरू होते ही अस्पतालों में जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ गई है। ठंडी हवाओं में रक्त संचार धीमा पड़ने से शरीर के जोड़ अधिक प्रभावित होते हैं। समय से इलाज न मिलने से दिक्कत बढ़ सकती है। तीन दिनों से जिले में ठंड का असर दिखाई दे रहा है। जिले के अस्पतालों में जोड़ों में दर्द की समस्या के मरीज तेजी से बढ़ने लगे हैं। खासतौर पर युवा और बुजुर्ग जोड़ों के दर्द और सीने में जकड़न की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। रविवार को राजपुर पीएचसी में आयोजित आरोग्य मेले में 65 मरीजों को अधिकार मरीज सर्दी खांसी से पीड़ित रहे।

इधर, रसधान पीएचसी में 56 मरीजों को उपचार दिया गया। दोपहर में डिप्टी सीएमओ डॉ डीके सिंह ने राजपुर, रसधान पीएचसी का निरीक्षण कर आरोग्य मेले की हकीकत परखी। डिप्टी सीएमओ ने बताया कि आरोग्य मेले में व्यवस्थाएं दुरुस्त मिली है।

आरोग्य मेले के दौरान राजपुर पीएचसी में मरीज देखते डाक्टर। अमृत विचार

राजपुर पीएचसी के आरोग्य मेले में औपचारिकता की दवाई : राजपुर संवाददाता के अनुसार रविवार को आयोजित होने वाले आरोग्य मेला में औपचारिकता निभाई जा रही हैं। राजपुर पीएचसी में विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं पहुंचे। यहां आयुष चिकित्सक नीलू कटियार व ट्रेनी डॉ हरदीप के भरोसे आरोग्य मेला लगा। आरोग्य मेले में 65 मरीजों को परामर्श और दवाइयां का दावा किया गया। मलेरिया की 5 , शुगर की 3 टायफाइड 2 व 1 गर्भवती महिला की एनसी जांच की गई। सर्दी में अधिंकाश मरीजों में रक्त नलिकाओं में खून जमने की समस्या बताई उसके बाद भी सीबीसी जांच नहीं की गई। जबकि पीएचसी में 20 प्रकार की निशुल्क जांचों का दावा किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों का कहना है राजपुर पीएचसी में महज रस्म अदायगी हुई। डिप्टी सीएमओ डॉ डीके सिंह ने बताया कि रविवार को पीएचसी प्रभारी डॉ सलिल सचान की मैथा ब्लॉक में पर्वेक्षणीय डयूटी थी। इसके चलते ट्रेनी डॉक्टर ने आरोग्य मेला ड्यूटी की थी।

पैसों के लेन-देन और चुनावी रंजिश को लेकर की मारपीट

रसूलाबादः अटिया रायपुर निवासी पूर्व प्रधान ने अंगदपुर और अपने गांव निवासी आठ लोगों के नामजद व तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा कायम कराया है। आरोप है कि अंगदपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में पीड़ित पर सरिया, कुल्हाड़ी, हॉकी व तमंचे से जानलेवा हमला व मारपीट की। इसके बाद पुत्र द्वारा उसको वापस लाते समय उसके साथ भी मारपीट की गई साथ ही उसका मोबाइल छीन लिया गया। बताया कि गत 4 दिसंबर को अंगदपुर स्थित शिव पैलेस गेस्ट हाउस के बाहर रुपये के लेनदेन एवं चुनावी रंजिश को लेकर अटिया रायपुर निवासी वीरू सिंह, अजीत सिंह, बृजपाल सिंह, भानू व अंगदपुर निवासी उमेश, रणवीर,अखिलेश, संतोष वर्मा एवं तीन अज्ञात लोगों ने जानलेवा हमला किया।

एसआईआर फॉर्म के कॉलम एक और दो में कराएं फीडिंग

संवाददाता, पुखरायां

- भोगनीपुर के सपा नेता नरेंद्र पाल सिंह यादव ने लोगों से की जागरूक रहने की अपील

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र पाल सिंह मनु ने विधानसभा भोगनीपुर के मतदाताओं से एसआईआर को लेकर जागरूक रहने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि बूथ के बीएलओ एवं सुपरवाइजर ने फॉर्म भरते समय अधिकतर बूथों के मतदाताओं के फॉर्म अपनी फीडिंग संख्या अधिकतम दिखाने के लिए या जल्दबाजी में त्रुटि पूर्ण भरे हैं। इसका दुष्प्रभाव हो सकता है।

आशंका है कि ऐसे मतदाता जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में है और 2003 में नहीं है तो मतदाता के संबंधी की 2003 की मतदाता सूची से न भरकर बीएलओ मैपिंग कहीं भी न दिखाकर सिर्फ नाइदर कैटेगरी भर सकता है। उचित कैटेगरी एक एवं दो में फीडिंग न कर कॉलम 3 को भरा है तो चुनाव आयोग द्वारा नोटिस जारी की जाएगी। इसके बाद जन्मतिथि और निवास को साबित करने के लिए दो से तीन डॉक्यूमेंट मांगे जाएंगे। खास बात यह है कि इसके लिए आधार कार्ड मान्य नहीं किया जाएगा।

नरेंद्र पाल सिंह यादव। अमृत विचार

कैटेगरी तीन में में फीडिंग किए गए मतदाताओं को सुधार कराकर कैटेगरी एक और कैटेगरी दो में लाया जा सकता है । उन्होंने कहा कि स्टेटस चेक करते समय यदि 2003 में नाम है तो स्वयं सत्यापन को अधिकृत हैं।

सपा नेता ने सभी से अपील की कि अभी जागरूक होकर अपने-अपने बीएलओ से बी एल ओ एप में जाकर कैटेगरी काउंट कराएं। पार्टी के सभी बूथ अध्यक्ष एवं बीएलए या स्वयं मतदाता अपने-अपने बूथ में सभी मतदाताओं को इसकी जानकारी अति शीघ्र दें जिससे 11 दिसंबर से पहले कैटेगरी परिवर्तित कराकर सही मैपिंग फीडिंग कराई जा सके। आपके इस सहयोग एवं सतर्कता से आपके बूथ के एक-एक वोट को बचाया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ई-रिक्शा ने साइकिल सवार किशोर को मारी टक्कर, गंभीर

हमीरपुर। साइकिल से जा रहे किशोर को बदनपुर मोड़ के समीप सामने से आए ई-रिक्शा ने टक्कर मार दी। घटना में किशोर की साइकिल चकनाचूर हो गई और सड़क पर गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। बिरखेरा गांव निवासी इंद्रपाल कुशवाहा का इकलौते पुत्र सूरज कुशवाहा (13) रविवार को सुबह करीब 10 बजे साइकिल से बड़ी बहन की ससुराल मौदहा के अरतरा गांव जा रहा था। सिसोलर मार्ग में बदनपुर मोड़ के समीप बदनपुर से सवारियां लेकर सुमेरपुर की ओर आ रहे तेज रफ्तार ई-रिक्शा चालक ने किशोर की साइकिल में सामने से टक्कर मार दी। इस घटना में किशोर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और साइकिल चकनाचूर हो गई। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

खाना खा रही वृद्धा पर बंदर ने किया हमला, जख्मी

हमीरपुर। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ले में अपने मकान की छत पर बैठकर दोपहर के समय खाना खा रही 65 वर्षीय एक वृद्धा के ऊपर अचानक एक कटखने बंदर ने हमला कर घायल कर दिया। सिकंदरपुरा इलाके के निवासी दर्पण केवरिया ने बताया कि उसकी माता जी गिरिजा खेवरिया (65) पत्नी बृजेश खेवरिया जो कि दोपहर के समय अपनी छत पर बैठकर खाना खा रही थी बताएं कि तभी इस दौरान एक कटखने बंदर ने उन पर हमला करते हुए उन्हें काट कर घायल कर दिया। जिसके बाद उनका सरकारी अस्पताल में इलाज कराया गया है।

छह किलो गांजा के साथ एक महिला गिरफ्तार

हमीरपुर। रविवार की सुबह एक महिला को छः किलो से अधिक गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली के उपनिरीक्षक अभिषेक त्रिवेदी और महिला उपनिरीक्षक कोमल अपनी टीम के साथ वांछित अभियुक्तों की तलाश और लंबित मुकदमों की विवेचना के संबंध में अरतरा तिराहे के निकट जा रहे थे। तभी मुखबिर ने सूचना दी एक महिला नाजायज सामान लेकर जा रही है। मुखबिर की सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने महिला को अरतरा रोड रेलवे क्रासिंग के निकट रोककर पूछताछ की तो महिला माया निषाद पुत्री फूलचंद के पास से छह किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया।

कामता प्रसाद राव बने संघ के अध्यक्ष

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश की सफाई मजदूर संघ की मौदहा शाखा की बैठक ओरी तालाब स्थित पार्क में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता दिलावर प्रसाद आजाद ने की, इस मौके पर सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया हुई। जिसमें कामता प्रसाद राव को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा रामविलास खोटे को महामंत्री, सम्राट बाल्मीकि को उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी और उपाध्यक्ष अनुसुइया को चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर विजय मधुपिया चुने गए। उप कोषाध्यक्ष रवि कुमार, दीपक कुमार को उपमंत्री, रतिराम वाघमारे व ब्रजकिशोर को प्रचार मंत्री, संगठन मंत्री के पद पर मुकेश कुमार व बादल का मनोनयन किया गया। विकास मधुपिया व संदीप कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया। सुरेश कुमार को ऑडिटर के रूप में चुना गया। अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का दायित्व पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा।

तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी, चालक की मौत

हमीरपुर। कस्बे के उरई रोड में रहने वाले एक रिसॉर्ट के मालिक आयुष राजपूत की दिल्ली जाते समय रास्ते में औरैया जनपद के बिधूना तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई है। कस्बे के उरई रोड निवासी आयुष राजपूत (30) पुत्र वीरेंद्र राजपूत अपनी कार से दिल्ली जा रहे थे। तभी रास्ते में औरैया जनपद के बिधूना तहसील क्षेत्र के अंतर्गत इटैली चौकी के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अचानक उसकी कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक ट्रक से जा टकराई। जिससे हुए हादसे में कार सवार आयुष राजपूत की मौके पर ही मौत हो गई तथा कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर कार चला रहे आयुष के शव को बाहर निकालकर शव पोस्टमार्टम को भेजा गया। जानकारी लगते ही युवक के परिवार में कोहराम मच गया।

दस साल की बच्ची से दुष्कर्म के बाद फांसी लगा की आत्महत्या

बिवांर थाना क्षेत्र के एक गांव की घटना, मौके पर पहुंची पुलिस ने की जांच पड़ताल

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार। थानाक्षेत्र के एक गांव में दस साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी ने घटना के कुछ समय बाद घर से दूर खेतों में एक धार्मिक स्थान के पास फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बच्ची के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी थी। बच्ची के परिजन और पुलिस भी रात में आरोपी की तलाश में घूमते रहे, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा। रविवार सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने उसे पेड़ में फांसी के फंदे पर लटके देखा। इस पर उन्होंने प्रधान और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की।

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस व फील्ड यूनिट टीम। अमृत विचार

थानाक्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना में तहरीर देते हुए बताया कि पड़ोस में भैंस के बच्चा होने पर भोज का कार्यक्रम था। जिसमें वह बच्चों सहित शामिल होने गई हुई थी। वहीं पड़ोसी युवक आलोक उर्फ सतीश प्रजापति पुत्र राम आसरे प्रजापति ने मेरी दस वर्षीय पुत्री को बहाने से अपने घर भेजा। पीछे से घर में जाकर पुत्री को जबरदस्ती खेतों की ओर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। काफी देर तक जब बच्ची नहीं आई तो उसकी तलाश की गई। फिर रात में ही पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस और परिजन बच्ची की तलाश में जुट गए। देर रात बच्ची गांव से दो किमी दूर बंबा पुलिया के पास रोते हुए मिली। मां ने बताया कि बच्ची ने उसे रोते हुए बताया कि आलोक ने अपने घर के जानवर बांधने वाले कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके शोर मचाने पर उसे मुंह दबाकर यहां लाए और छोड़कर फरार हो गया। यह बात सुन परिजन पुलिस के साथ आलोक की तलाश करते रहे।

रविवार की सुबह आलोक का शव गांव से दो किमी दूर एक धार्मिक स्थान पर पेड़ से लटका मिला। आलोक ने इस धार्मिक स्थल पर चढ़ने वाली हरे रंग की चादर की पट्टियां जोड़कर फांसी लगाई थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सूचना पर मौके पर मौदहा सीओ राजकुमार पांडेय, नायब तहसीलदार सत्य प्रकाश वर्मा, थाना प्रभारी नंदराम प्रजापति मौके पर पहुंचे। साथी फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किए हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है।

ककवन ब्लॉक की गौशालाओं में गहराया भूसे का संकट

अभय प्रताप सिंह, बिल्हौर

ई-टेंडर व्यवस्था पर उठे सवाल

■ प्रकरण में ई-टेंडर व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। गौशाला संचालकों का कहना है कि जिले के बाहर की फर्म को ई-टेंडर के माध्यम से ठेका दिए जाने के कारण यह हुआ। स्थानीय स्तर पर सप्लाई करने वाले फर्मों को क्षेत्र की भौगोलिक और प्रशासनिक जानकारी होती है, जिससे ऐसी परेशानियां नहीं होती हैं।

अमृत विचार। ककवन ब्लॉक की आधा दर्जन से अधिक गौशालाओं में गोवंशों के लिए भूसा आपूर्ति का संकट खड़ा हो गया है। ई-टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से भूसा सप्लाई का अप्रैल माह में ठेका लेने वाली फर्म बीते 14 नवंबर से लगातार गायब है, जिसके चलते गौशाला संचालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भूसा सप्लाई का टेंडर सुधाकर अवस्थी महिला गृह उद्योग बाराबंकी के द्वारा लिया गया था। लेकिन पिछले लगभग 20 दिन से गौशालाओं में भूसा सप्लाई का काम पूरी तरह से बाधित है।

ककवन ब्लॉक की लगभग आधा दर्जन गौशालाओं में भूसा सप्लाई के लिए ई-टेंडर के माध्यम से अप्रैल में एक फर्म को ठेका दिया गया था। इस फर्म ने 14 नवंबर के बाद से किसी भी गौशाला में भूसा भेजना पूरी तरह बंद कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, खंड विकास अधिकारी ने 26 नवंबर को संबंधित फर्म को सप्लाई तत्काल शुरू करने के सख्त निर्देश जारी किए थे लेकिन फर्म ने अभी तक भूसा की सप्लाई शुरू नहीं की है। इसके चलते गोवंशों के चारे की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। भूसा सप्लाई बंद होने से गौशालाओं में चारा खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस संकट को अपने स्तर पर संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

गौशाला में भूसा न होने की स्थिति में, स्थानीय ग्राम प्रधान फौरी राहत के तौर पर अपने स्तर पर भूसा खरीद कर गोवंशों को खिला रहे हैं।

समाज में अच्छे बनना है तो अहंकार का त्याग करें: आत्मानंद गिरि

सुमेरपुर (हमीरपुर)। श्री गायत्री तपोभूमि प्रांगण में चल रही राम कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंचदशनाम जूना अखाड़ा छत्तीसगढ़ के महामंडलेश्वर स्वामी आत्मानंद गिरि महाराज ने कहा कि जब तक रामकथा की चक्की में नहीं पिसोगे तब तक जीवन में निखार नहीं आ सकता है ।

राम कथा के दूसरे दिन कथा व्यास ने कहा कि अगर समाज में अच्छे बनना है तो अहंकार का परित्याग करके झुकना सीखना होगा तभी समाज में अहमियत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस संसार पर जिस पर विश्वास नहीं हो उसकी चर्चा नहीं करनी चाहिए बल्कि उसकी परीक्षा लेनी चाहिए। परिणाम स्वतः सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि मन बड़ा चंचल होता है इसलिए मनमानी करता है। मनुष्य को मन पर नियंत्रण रखना चाहिए और यह तभी संभव होगा जब आप राम के चरित्र एवं आदर्शों को अंगीकार करोगे। कथा व्यास ने कहा कि बनना और होना दोनों में बहुत अंतर है उन्होंने असली और नकली के अंतर को बहुत अच्छे ढंग से बताया।

सद्भावना परमार्थ समिति ने बांटीं 500 रजाइयां

घाटमपुर। सद्भावना परमार्थ सेवा समिति द्वारा 21वां रजाई वितरण कार्यक्रम माता कूष्मांडा देवी परिसर घाटमपुर में संपन्न हुआ। इस दौरान विकलांग, असहाय वगरीब लोगों को रजाई का वितरण किया गया।

घाटमपुर में सदभावना परमार्थ समिति द्वारा 21 वें रजाई वितरण कार्यक्रम में आज 500 रजाई वितरित की गईं । इस दौरान लगभग 1500 लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया । इस दौरान मुख्य रूप से प्रदीप मिश्रा अध्यक्ष ,संतोष मिश्रा , ,रामकुमार सिंह ,रोहित सिंह एडी ,राकेश सिंह ,पुनीत दीक्षित ,रमेशचंद्र गुप्ता ,गोविंद सचान,देवेन्द्र सिंह ,किरण परमार, आख्या मिश्रा,मधु ,सुनीता सचान,राकेश तिवारी,आयुष मिश्रा ,संजय अग्निहोत्री ,देवेन्द्र सिंह परमार,रौनक पांडे ,आदर्श द्विवेदी, योगेश सचान ,उमेश सचान, टिटू चौधरी सहित तमाम सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

गरीबों को वितरित की गई रजाई, इस मौके पर समिति के सदस्य भी मौजूद रहे।

घाटमपुर अकादमी ने ब्लू स्टार अकादमी को 134 रन से हराया

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार । घाटमपुर के जनता महाविद्यालय क्रिकेट ग्राउंड में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यहां पर हुए मैच में घाटमपुर क्रिकेट अकादमी ने ब्लू स्टार क्रिकेट अकादमी को 134 रन से हरा कर मैच जीत लिया।

महाविद्यालय क्रिकेट ग्राउंड में घाटमपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवर में 241 रन बनाए। घाटमपुर की तरफ से अनिकेत शर्मा ने 53 रन, सुयश ने 35 रन, सोहम ने 23 रन और आर्यन ने 23 रन का योगदान दिया। वहीं ब्लू स्टार की तरफ से तनिष्क ने 3 विकेट और ऋषभ ने 3 विकेट तथा तनुज ने 2 विकेट लिए। बाद में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लू स्टार एकेडमी सभी विकेट खोकर 107 बना सकी। ब्लू स्टार की तरफ ऋषभ ने 35 रन और तनिष्क ने 17 रन बनाए, जबकि घाटमपुर की तरफ से ऋषि ने 3 विकेट ,आरुष ने 2 विकेट और सक्षम ने 2 विकेट लिए। बेस्ट बैट्समैन का अवॉर्ड अनिकेत शर्मा और बेस्ट बॉलर का अवार्ड तनिष्क तिवारी किया दिया गया।

मैच जीतने के बाद प्रसन्न मुद्रा में विजेता टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

वहीं मैन ऑफ द मैच सक्षम को शौलू भाई और आशीष मास्टर के द्वारा दिया गया।

मैच के दौरान ब्लू स्टार के कोच राका और घाटमपुर क्रिकेट अकादमी के कोच भूप किशोर विश्वकर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान क्रिकेट मैच का आनंद लेने के लिये सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

केजीएन मौदहा ने दिल्ली को 6 विकेट से हराकर जीती ट्रॉफी

हमीरपुर। कस्बे के रहमानिया खेल ग्राउंड में चल रहे मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय खेल महोत्सव के दूसरे फेज में शुरू हुए क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को फाइनल मुकाबला केजीएन मौदहा और दिल्ली के बीच 20-20 ओवरों का खेला गया। जिसमें केजीएन मौदहा ने दिल्ली को 6 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया।

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी।

टूर्नामेंट की शुरुआत मुख्य अतिथि फिरोज कानपुर ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए और केजीएन मौदहा को 185 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केजीएन मौदहा ने चार विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया और 6 विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ दी मैच प्रियांशु रहे। जबकि मैन आफ दी सीरीज अभय चुने गए। जिन्हें मुख्य अतिथि ने ट्रॉफी सहित विजेता टीम को 80 हजार एवं उपविजेता को 60 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अंपायर की भूमिका डॉ.आसिफ परवेज व अजीज मिंटू ने निभाई। जबकि स्कोरिंग समीर व कमेंट्री अब्दुल कादिर ने की। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष बीतू बादशाह, मोहम्मद अहमद (गुड्डू भाई) मौजूद रहे।

विहिप, बजरंग दल ने निकाली शौर्य यात्रा

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार को कस्बे में अयोध्या में राम मंदिर को लेकर शौर्य यात्रा निकाली गई। इस दौरान मंदिर निर्माण में कार्यकर्ताओं के समर्पण व उनके बलिदान को याद किया गया। यात्रा के दौरान मौजूद लोग जय श्री राम के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

शौर्य यात्रा निकालते बजरंग दल व विहिप के पदाधिकारी और कार्यकर्ता।

कस्बे के हनुमान मंदिर से शुरू हुई शौर्य यात्रा में कार्यकर्ता हाथों में केसरिया ध्वज लिए जय श्री राम का उद्घोष कर रहे थे। शौर्य यात्रा जीटी रोड से होते हुए बेला रोड क्रॉसिंग तक गई। इस दौरान आयोजित नुक्कड़ सभा में विहिप के जिला उपाध्यक्ष मनीष दीक्षित ने कहा कि राम मंदिर निर्माण में कार्यकर्ताओं के समर्पण, संघर्ष व बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि यह केवल एक मंदिर ही नहीं, बल्कि अथक संघर्ष ,अनगिनत शौर्य पूर्ण बलिदानों व अटूट आस्था का परिणाम है। शौर्य यात्रा के दौरान किसी तरह की समस्या उत्पन्न न हो इसके पुलिस प्रशासन यात्रा के साथ ही मौजूद रहा। इस मौके पर विपिन शुक्ला, शशिकांत बाजपेई, नितिन तिवारी, सुमित, सम्राट ,विशाल, श्याम जी, अनुभव शिवा, शोभित ,अंकित व नितिन तिवारी समेत तमाम प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पिता-पुत्रों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र अतरार गांव निवासी संपत पत्नी दिनेश कुमार ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि रंजिश के चलते गांव के नीरज ने अपने भाई पिता के साथ मिलकर पति के साथ मारपीट की। तीनों जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

पति के साथ आई महिला ने दोनों भाई नीरज व मिट्ठू के साथ उनके पिता परदेशी कुमार के खिलाफ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने महिला सहित पति को छानी सीएचसी में ले जाकर डॉक्टरी परीक्षण कराकर उपचार कराया है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि महिला की तहरीर पर दोनों भाई व पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

टैंकर चालकों से सस्ते दामों में पेट्रोल डीजल खरीद कर लोगों को बेचते थे

संवाददाता, बिल्हौर

- लालपुर में शनिवार को चार लोग डीजल-पेट्रोल बेचते पकड़े गये थे
- रविवार को सभी पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट

अमृत विचार। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के लालपुर गांव में शनिवार की देर रात क्राइम ब्रांच की टीम ने छापामार कर चोरी का डीजल और पेट्रोल बेचते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया था, साथ ही हजारों लीटर पेट्रोल-डीजल व दो टैंकर भी बरामद किये थे।

लालपुर गांव में काफी समय से तेल का अवैध कारोबार संचालित हो रहा था। लेकिन स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं थी। इसलिए इस कारोबार को लेकर स्थानीय पुलिस पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। वहीं क्राइम ब्रांच टीम की अगुवाई कर रहे तेज तर्रार आईपीएस सुमित रामटेके ने छापा मार कर पूरे मामले का भंडाफोड़ कर दिया। बीते दिनों कानपुर के पनकी थाना क्षेत्र में भी कुछ लोग चोरी के तेल की बिक्री में संलिप्त पाए गए थे। वहीं से मिले सूत्रों के अनुसार पुलिस ने मौके पर छापा मारा और चार लोगों को मौके से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। रविवार को उप निरीक्षक अमित सिंह के द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर चारों आरोपितों के विरुद्ध कई गंभीर धाराओं में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मौके से दो टैंकर भी कब्जे में लिए गए हैं। आरोपितों में विनोद कुमार शुक्ला निवासी नानामऊ, अशोक कुमार निवासी तिर्वा जनपद कन्नौज, रामेंद्र सिंह निवासी कल्याणपुर छिबरामऊ , पप्पू, निवासी भोजीपुरा शामिल हैं। ये सभी मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी का ईंधन बेचने का काम करते थे। वहीं क्राइम ब्रांच एसपी सुमित रामटेके ने बताया कि गैंग के और सदस्यों की धर पकड़ के लिये जनपद में कई जगहों पर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

आयोजन | अमिलिहा गांव स्थित विन्यास पब्लिक स्कूल में रविवार को वार्षिकोत्सव फीस्ट 2025 का हुआ आयोजन

'विवित्सा' में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने दिखाया जलवा

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार । क्षेत्र के अमिलिहा गांव स्थित विन्यास पब्लिक स्कूल में रविवार को फीस्ट 2025 'विवित्सा' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रस्तुत शैक्षिक प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने भी खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विन्यास पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव फीस्ट 2025 'विवित्सा' का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक वरुण कटियार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात शुरू हुए कार्यक्रमों में बच्चों द्वारा प्रदर्शित शैक्षिक प्रदर्शनी में मैग्नेट ट्रेन, सिंधु घाटी की सभ्यता की झलक, सिंड्रेला की कहानी व सोलर

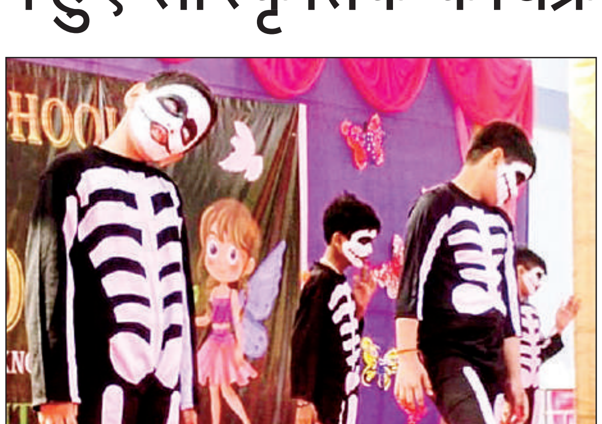
नृत्य पेश करते बच्चे। अमृत विचार

कार्यक्रम पेश करते नन्हें-मुन्ने बच्चे। अमृत विचार

सिस्टम आदि के बनाए गए मॉडल आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं बच्चों द्वारा बनाये गए एटीएम ने विद्यार्थियों की दूरदर्शिता की झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए भी तरह-तरह के आकर्षण खेलों का आयोजन किया गया। अव्वल रहे अभिभावकों को प्रबंध तंत्र की ओर से पुरस्कृत किया गया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विविध परिधानों में स्टेज पर उतरे नन्हें बच्चों ने लोगों का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों व झूलों का बच्चों व उनके अभिभावकों ने जमकर लुत्फ उठाया। विद्यालय प्रबंधक वरुण कटियार ने सभी छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विद्यालय प्रधानाचार्य शायलावली ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए यहां आए सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

रामलीला में ताड़का वध का हुआ मंचन

हमीरपुर। इचौली मढ़ली माई मन्दिर प्रांगण में रविवार के दिन में शतचंडी यज्ञ स्थल के समीप रामलीला का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों ने ताड़का वध और जानकी जन्म की लीला का मंचन किया।

मंचन में दिखाया गया कि सुबाहु और मारीच ने रावण के कहने पर ऋषि-मुनियों के यज्ञ में विघ्न डाला। इस पर ऋषि विश्वामित्र ने यज्ञ की रक्षा के लिए राजा दशरथ से राम और लक्ष्मण की मदद मांगी। प्रारंभ में राजा दशरथ ने असमर्थता जताई। ऋषि वशिष्ठ के समझाने पर उन्होंने राम-लक्ष्मण को भेजने की सहमति दी। कार्यक्रम में राम और लक्ष्मण द्वारा ताड़का वध का मंचन किया गया। साथ ही राजा जनक के यहां सीता के जन्म की लीला भी प्रस्तुत की गई। चित्रकूट राघव रामलीला नाट्य कला मंच के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीत नृत्य एवं कला का प्रदर्शन किया। जिसको सभी ने सराहना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आज का मौसम

रात दिन के तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ रात ,सुबह शाम कड़ाके की ठंड जारी रहेगी ।

25.0⁰	13.0⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 44	सूर्यास्त 05 : 17

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

डिजिटल अरेस्ट के 300 मामले, सीबीआई करेगी जांच

तेजी से बढ़ते डिजिटल अरेस्ट स्कैप के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश, शहर में भी सैकड़ों मामले, एक साल में 15 करोड़ का फ्राड किया ठगों ने

अमृत विचार EXCLUSIVE

शिव प्रकाश मिश्रा, कानपुर

अमृत विचार। डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती की है। देश भर के सभी मामलों की जांच सीबीआई से कराने के आदेश दिए हैं। ऐसे में अब कानपुर जिले के 300 मामलों की जांच भी सीबीआई के पास जाएगी। अभी इनकी जांच साइबर सेल कर रही है। इस संबंध में जल्द ही अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। जांच में सीबीआई को विशेष अधिकार भी दिए गए हैं।

साइबर अपराध में इस्तेमाल बैंक खातों का पता चलने पर बैंकरों की जांच करने के लिए सीबीआई को पूरी आजादी होगी। साइबर सेल के अनुसार शातिर डिजिटल अरेस्ट से आसान शिकार बनाते हैं और मोटी कमाई खातों में ट्रांसफर करवा रहे हैं। सीबीआई, एटीएस-एसटीएफ, डीजी व इनकम टैक्स का खुद अधिकारी बताकर साइबर अपराधियों ने एक साल में करीब 80 लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया, जबकि पांच सालों के 300 मामलों के आंकड़े चौकाने वाले हैं। एक साल में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में लोगों को डरा-धमकाकर व जेल जाने का भय दिखाकर करीब 15 करोड़ रुपये खातों में भेजे गए।

डिजिटल अरेस्ट के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। कई साल के आंकड़े देखें तो 2021 में कानपुर में 29 लोग डिजिस्ट अरेस्ट का शिकार हुए। 2025 में यह आंकड़ा तीन गुना है, 80 से अधिक लोग डिजिटल अरेस्ट हुए और 15 करोड़ से अधिक रकम का फ्राड हुआ। आंकड़ों के अनुसार बीते साल जनवरी 2024 से जून तक 6 करोड़ से अधिक की ठगी डिजिस्ट अरेस्ट से हुई। इसके बाद जुलाई 2024 से दिसंबर तक यह आंकड़ा 7 करोड़ के पास हुआ। जनवरी 2025 से अगस्त तक 11 करोड़ 32 लाख रुपये की ठगी साइबर सेल में दर्ज हुई है। इस साल डिजिटल अरेस्ट से सबसे बड़ी रकम शहर के एक नामचीन एनआरआई डॉक्टर से ली गई। दो करोड़ 70 लाख रुपये डॉक्टर से खातों में ट्रांसफर कराए गए। 72 वर्षीय एनआरआई डॉक्टर अपने भतीजे के साथ नवाबगंज में रहते हैं। उनसे ठगी की रकम शहर के निजी बैंक की छह शाखाओं में डलवाई गई थी।

1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करें।

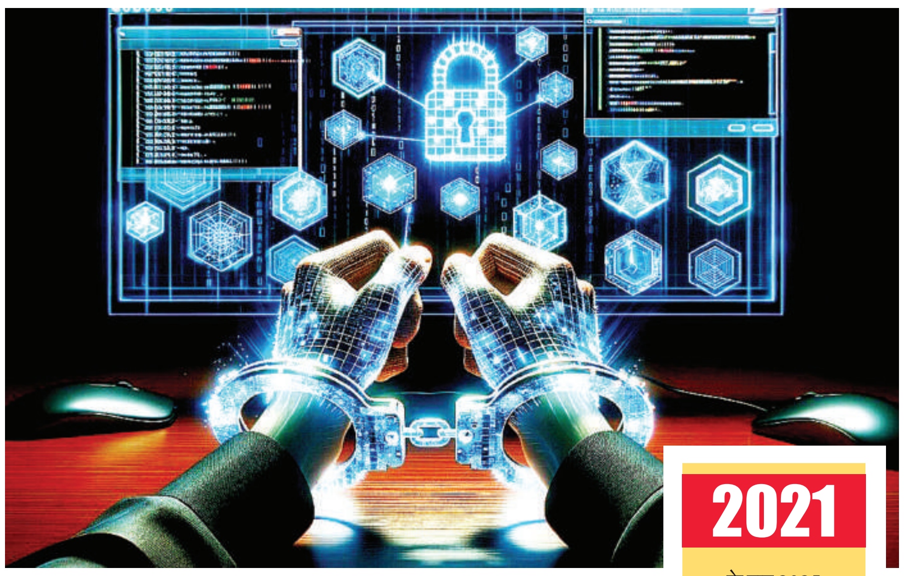

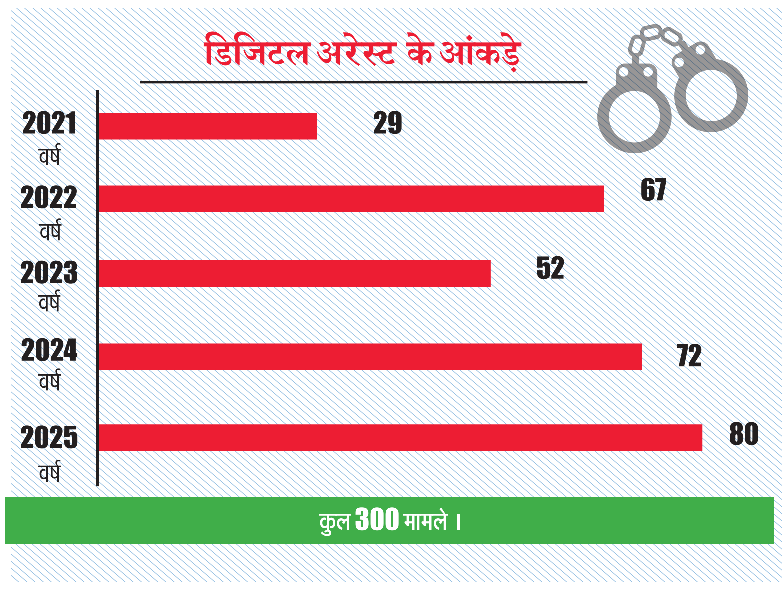

2021 के बाद 2025 में आंकड़ा तीन गुना बढ़ा, साइबर शातिरों का आसान शिकार बना हाउस अरेस्ट

2025 में डिजिटल अरेस्ट के जरिये 15 करोड़ से अधिक रकम का फ्राड हुआ

न्याय जल्द मिलने की जगी उम्मीद

- सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमृत विचार ने पांच दिनों में तीन सौ लोगों से बातचीत की। उनसे अलग- अलग प्रश्न पूछे गए। इनमें से 210 लोगों ने कहा कि इससे पीड़ितों को जल्द न्याय मिलेगा। जबकि 65 लोगों ने कहा कि पूरे देश के मामलों की जांच होने में सीबीआई को बहुत ही अधिक समय लगेगा। कोर्ट को समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए।

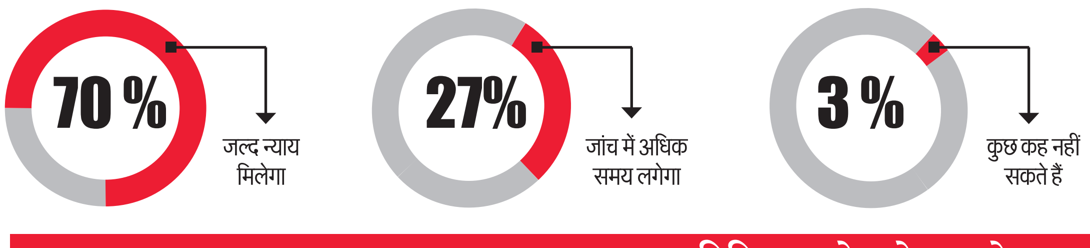

सावधानी बरतें, शातिरों को ऐसे समझें

- साइबर अपराधी खुद को कस्टम, इनकम टैक्स, सेंट्रल जांच एजेंसी जैसे विभागों का अफसर बताकर बात करता है। कई बार पहले फोन आता है और बताया जाता है कि सर बात करेंगे। जाहिर है ऐसे में व्यक्ति सर कहकर शुरूआत करता है। उसके बाद उस पर हथकंडे अपनाए जाते हैं। फिर कहा जाता है कि जल्द गिरफ्तारी हो सकती है, जेल जाना पड़ेगा। ऐसे में शातिरों का मकसद सिर्फ डराना होता है, जिससे आसान तरीके से खाते खाली करवा सके। ऐसे में समझ जाएं की कोई साइबर फ्राड है। लिहाजा डरें नहीं, जवाब दें। क्षेत्र के थाने व पुलिस अधिकारियों से मिलकर पूरी बात बताएं। उससे पहले किसी भी तरह का डाटा, खाता या ओटीपी साझा न करें।

डिजिटल अरेस्ट के मामले

19 दिन डिजिटल अरेस्ट कर 42.50 लाख ठगे

केस 01

- बर्रा के जूही कला स्थित एक अपार्टमेंट में रहने वाले पॉवर ग्रिड से सेवानिवृत्त इंजीनियर राजेंद्र प्रसाद को साइबर शातिरों ने 19 दिन डिजिटल अरेस्ट कर 42 .50 लाख रुपये की ठगी की। सात अगस्त को उनके मोबाइल पर अनजान व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई में तैनात आईपीएस अधिकारी बताया। कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके मुंबई के केनरा बैंक में फर्जी खाता खोला गया, जिसका उपयोग जेट एयरलाइंस के संस्थापक के मनी लॉड्रिंग मामले में हुआ है। फिर डराया, धमकाया। सुप्रीम कोर्ट में मामला होने की बात कह जेल जाने की घुड़की दी। उनके सभी खातों में जमा रकम बताए खातों में ट्रांसफर करवाई। जांच प्रक्रिया पूरी होने पर 72 घंटे में अंदर पैसा खातों में वापस करने की बात भी कही। डर के कारण इंजीनियर 11 से 21 अगस्त के बीच पांच बार में कुल 42 .50 लाख रुपये मुंबई के विभिन्न खातों में आरटीजीएस किए।

शिक्षिका के तीन खातों से 90 लाख ट्रांसफर कराए

केस 02

- केशवपुरम निवासी महिला शिक्षक कंचन भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुईं। उनका बेटा माणिक शुक्ला कोटा में डॉक्टर की पढ़ाई कर रहा है। कंचन ने साइबर सेल में शिकायत कर बताया कि उनके पास कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को इनकम टैक्स का अधिकारी बताया। कहा आपके अकाउंट में ब्लैक मनी है। इसके बाद शिक्षिका को धमकाया, फोन पर रहते हुए किसी अन्य से बात न करने की हिदायत दी। शिक्षिका शातिर के प्रभाव में आ गई और वैसा ही किया। कंचन के अनुसार डिजिटल अरेस्ट में करीब साढ़े तीन घंटे तक कॉल चली। मोबाइल डिस्चार्ज होने पर चार्ज करके बात करने को कहा। शातिरों ने धमका कर तीन खातों में 32 बार में 90 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। फिर फ्राड का अहसास होने पर कल्याणपुर थाने में शिकायत की।

एनआरआई डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 2.70 करोड़ ठगे

केस 03

- स्वरूपनगर निवासी एनआरआई चिकित्सक डॉ. वीके नरूला अपने भतीजे सुयश के पास रहते हैं। 2024 में ही वह विदेश से लौटकर आए हैं। भतीजे सुयश ने बताया कि रविवार का दिन था जब उनके चाचा के पास एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। साइबर शातिर ने चाचा पर कई आरोप लगाकर उन्हें तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। मोबाइल डिस्चार्ज होने पर कहा कि फिर बात होगी। उन्होंने बताया कि करीब 29 बार उनके मोबाइल पर शातिरों की कॉल आई। शातिर को उनके विदेश से लौटने की भी जानकारी थी। चाचा निजी काम से मुंबई गए थे, वहां से लौटने पर उन्होंने डिजिटल अरेस्ट की बात बताई। कहा उनके तीन खातों में जमा दो करोड़ 70 लाख रुपये शातिर ठगों ने खातों में ट्रांसफर कराए हैं।

इस तरह खुद को सुरक्षित करें

- किसी भी तरह की कॉल आने पर या व्हाट्सएप पर किसी को भी अपना आधार नंबर, बैंक जानकारी, ओटीपी आदि कतई साझा न करें।
- किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश और व्हाट्सएप मैसेज को गंभीरता से लें, उस पर तत्काल जानकारी साझा करने से बचें। पुलिस से शिकायत करें।
- यदि आप किसी डिजिटल अरेस्ट ठगी का शिकार होते हैं, तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध के रिपोर्टिंग पोर्टल व साइबर सेल में शिकायत करें।
- शातिरों की कॉल डिटेल, ट्रांजेक्शन डिटेल और मैसेज आदि को संभालकर सुरक्षित रखें। कोशिश करें कि ट्रांजेक्शन की नौबत न आए।

सिटी ब्रीफ

महाअधिवेशन को लेकर चर्चा

कानपुर। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन की रविवार को बैठक हुई। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा मौजूद रहे। बैठक में 21 दिसंबर को आनंदी वाटर पार्क लखनऊ में होने वाले महाअधिवेशन की चर्चा की गई। जिसमें सरकार को सर्राफों की ओर से 9 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके अलावा महिला विंग का भी गठन किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से अनीता सोनी, जय वर्मा, कंचन वर्मा, सुनीता कुशवाहा, आरती सिंह, गीता सोनी सहित अन्य मौजूद रहे।

आजाद चेतना किस्म को मान्यता

कानपुर। सीएसए में विकसित तोरिया की प्रजाति आजाद चेतना (टीकेएम 14_2) को पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब एवं दिल्ली में मान्यता मिल गई है। अभिजनक डॉ महक सिंह ने बताया कि केंद्रीय बीज समिति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित आजाद चेतना प्रजाति को पांच राज्य के लिए नोटिफिकेशन जारी कर अधिसूचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस प्रजाति का विकास वर्ष 2022 में किया गया था। निदेशक शोध डॉ आरके यादव ने बताया कि तोरिया की आजाद चेतना किस्म अल्पावधि (90 से 95 दिन) की प्रजाति है। यह प्रजाति अल्टरनेरिया ब्लाइट एवं व्हाइट रस्ट रोग के प्रतिरोधक क्षमता है। इसकी औसत उपज 12 .4 कुंतल प्रति हेक्टेयर है तथा सह फसली खेती के लिए अधिक उपयुक्त है।

लापरवाही पर 27 बीएलओ को नोटिस

कानपुर। सभी बीएलओ को एईआरओ और सुपरवाइजर स्तर से कई बार निर्देश दिए गए थे इसके बावजूद मैपिंग प्रगति 90 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ी। नवीन सभागार में पिछले तीन दिनों से लगातार आयोजित बैठकों में भी इनको कार्य गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए, लेकिन सुधार नहीं दिखा जिसपरआर्यनगर विधानसभा क्षेत्र में 27 बीएलओ को नोटिस थमा दी गई हैं। इनसे कार्य की धीमी प्रगति पर जवाब मांगा गया है और लक्ष्य के अनुरूप काम न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

इलेक्ट्रॉल पीने से बच्चे की मौत, मां-भाई की हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकादेव में इलेक्ट्रॉल पीने से चार वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि मां और एक वर्षीय चचेरे भाई की हालत गंभीर होने होने से प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि पुलिस जहरीला पदार्थ खाने के कारण मौत होने की बात कह रही है। पुलिस ने इलेक्ट्रॉल का सैंपल को जांच के लिए भेजा है।

कृष्णा।

पोस्टमार्टम हाउस पर गुमसुम परिजन। अमृत विचार

शास्त्रीनगर निवासी आशू राजपूत दोना पत्तल बनाने के कारखाने में काम करते हैं। परिवार में पत्नी मोनी और चार वर्षीय बेटा कृष्णा था। आशू के अनुसार दो दिन से पत्नी को उल्टी और दस्त की शिकायत थी। उन्होंने डॉक्टर से दवा लाकर दी। शनिवार को ड्यूटी जाने से पहले उन्होंने पत्नी को घर के समीप स्थित एक परचून की दुकान से इलेक्ट्रॉल लाकर दिया था। फिर वह काम पर चले गए। कुछ देर बाद पत्नी का फोन आया और उसने बताया कि इलेक्ट्रॉल बहुत कड़वा था। इस पर उन्होंने पत्नी को और पीने से मना कर दिया। उसने बताया कि बेटे और एक वर्षीय भतीजे गगन के जिद करने पर उन्हें भी इलेक्ट्रॉल पिलाया है। इसके बाद तीनों की तबीयत बिगड़ने लगी। इस पर तत्काल घर पहुंच कर तीनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बेटे की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि पत्नी और भतीजे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम से मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने पर बिसरा सुरक्षित किया गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। इलेक्ट्रॉल का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है।

मोबाइल के खाली डिब्बे देखते रहे दुकानदार। अमृत विचार

थाने से 100 कदम दूर 50 लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पांच नकाबपोश चोरों ने की वारदात, चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

अमृत विचार। गोविंदनगर में चावला चौराहा के पास थाने से 100 कदम दूर चोर रविवार तड़के मोबाइल दुकान का शटर उठाकर 50 लाख रुपये कीमत का मोबाइल चोरी कर ले गए। कर्मचारी सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर उठा देखकर सन्न रह गए। दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो पांच संदिग्ध दिखे। शातिरों ने 45 मिनट में चोरी की।

दस ब्लॉक निवासी नीरज बलेचा की चावला चौराहा से 20 कदम दूरी पर मेन रोड पर कृष्णा कम्युनिकेशन के नाम से मोबाइल दुकान है। नीरज कानपुर मोबाइल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। नीरज ने बताया कि शनिवार देर शाम दुकान बंद कर घर गए थे। रविवार सुबह कर्मचारी दुकान खोलने पहुंचा तो शटर के ताले टूटे और उठा पाया। कर्मी की सूचना पर वह दुकान पहुंचे, अंदर पहुंचने पर समान बिखरा मिला। इस पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, गोविंदनगर का फोर्स मौके पर पहुंचा। पुलिस ने दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पाया कि सुबह 4.56 पर पांच संदिग्ध नकाबपोश दुकान के बाहर खड़े नजर आए। इसके बाद एक व्यक्ति ने कंबल को शटर के सामने फैलाया, उसकी आड़ में चार लोगों ने शटर के ताले तोड़े फिर उनमें से टोपी लगाए एक युवक अंदर घुसा। उसने दुकान में रखे कीमती मोबाइल बैग में भरे। 5.47 बजे दुकान के आसपास घूम रहे चार युवक फिर आए और उसे शटर से निकाला व चले गए। नीरज ने बताया कि चोरी गए मोबाइलों की कीमत 50 लाख के करीब है।

सुविधा

घाटमपुर, हमीरपुर और महोबा में बनाई जाएगी रैंप, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भेजी गई डिजाइन

रमईपुर से कबरई तक बनेगा 112 किमी लंबा एलिवेटेड हाईवे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर–हमीरपुर–कबरई ग्रीन फील्ड समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह से एलिवेटेड होगा। रमईपुर से कबरई तक प्रस्तावित इस एलिवेटेड रोड की लंबाई 112 किलोमीटर होगी। घाटमपुर, हमीरपुर और महोबा में रैंप बनाई जाएगी ताकि लोग चढ़- उतर सकें। इस परियोजना की डिजाइन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजी गई है। उम्मीद है कि इसी माह इसे स्वीकृति मिल जाएगी। इसके साथ ही टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। कोशिश है कि नए वित्तीय वर्ष के शुरुआती माह में ही कंपनी काम शुरू कर दे। ताकि समय से प्रोजेक्ट पूरा हो सके। इसके बन जाने से भोपाल तक आवागमन आसानी से हो सकेगा।

सिंगल पिलर पर बनेगा: एलिवेटेड रोड को सिंगल पिलर पर बनाया जाएगा। फिलहाल यह रोड चार लेन की होगी लेकिन भविष्य में इसे छह लेन भी किया जा सकेगा। ऐसे में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) इसके स्ट्रक्चर को छह लेन का बनाएगा। यह भोपाल से छतरपुर होते हुए कबरई आ रहे फोर लेन राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगा। साथ ही इसे बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से भी जोड़ा जाएगा। इसके बन जाने से के बाद तो आसानी से पांच से छह घंटे में कानपुर से भोपाल की दूरी तय हो जाएगी। इस परियोजना पर करीब चार हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे भारत माला परियोजना के तहत बनाया जाएगा। कानपुर नगर, कानपुर देहात, हमीरपुर और महोबा जिले की भूमि का अधिग्रहण इस परियोजना के लिए होगा। इसकी प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

इसलिए जरूरी है चौड़ीकरण

वर्तमान हाईवे दो लेन है। इस वजह से न सिर्फ बिधनू, रमईपुर, घाटमपुर, सजेती, हमीरपुर यमुना पुल पर कई बार 15 से 20 घंटे तक जाम लगता है बल्कि हादसे भी खूब होते हैं।

इसलिए नया हाईवे बनाने का निर्णय लिया गया था। एनएचएआई वर्तमान हाईवे को भी अपने पास रखेगी। ताकि इसका उपयोग भी हो सके। यह हाईवे रमईपुर में रिंग रोड के पास मगरासा गांव से शुरू होगा। इसके बन जाने के बाद तो उद्यमी अपने माल आसानी से मुंबई भी ले जा सकेंगे।

- 1139 हेक्टेयर भूमि का उपयोग होगा
- 500 हेक्टेयर भूमि हमीरपुर के 35 गांवों की है
- 252 हेक्टेयर भूमि महोबा के नौ गांवों की अधिग्रहीत होगी
- 387 हेक्टेयर भूमि नगर व देहात के 49 गांवों की ली जाएगी

कानपुर से भोपाल ही नहीं मुंबई तक जाना अब आसान हो जाएगा। केंद्र सरकार ने कानपुर और आसपास के जिलों के लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर आदि जिलों के लोग भी आसानी से भोपाल, मुंबई आदि शहरों को जा सकेंगे।

– रमेश अवस्थी, सांसद

इस हाईवे को फोर लेन बनाने का मेरा सपना पूरा होने जा रहा है। यह परियोजना कानपुर ही नहीं आसपास के जिलों के लिए आर्थिक विकास का भी मार्ग प्रशस्त करेगी। जल्द ही निर्माण शुरू होगा।

– देवेंद्र सिंह भोले, सांसद

सिटी ब्रीफ

जाजमऊ में डीसीएम से शराब की 60 पेटी चोरी

कानपुर। जाजमऊ के गौशाला में चोरों ने खड़ी डीसीएम का तिरपाल काटकर उससे अंग्रेजी शराब की 60 पेटी पार कर दी। मूलरूप से बांदा निवासी दीपक राणा डीसीएम चालक हैं। वह जाजमऊ के गौशाला में किराए के मकान में रहता है। दीपक ने बताया कि शनिवार को लखनऊ से अंग्रजी शराब की 454 पेटी लेकर कानपुर पहुंचा। रात होने के चलते होटल से खाना लाए और खाना खाने के बाद ट्रक में सो गया। रविवार सुबह 4 .30 बजे जब वह जागे तो तिरपाल कटा हुआ था। जब उसने वाहन में रखी पेटियां चेक कीं तो उसमें से करीब 60 पेटी शराब गायब थी। दीपक ने पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जाएगी।

पुआल प्रबंधन का किया प्रदर्शन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन का प्रदर्शन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को पूसा डीकंपोजर से पुआल की खाद बनाने के लिए प्रेरित किया। बताया कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा नई दिल्ली द्वारा विकसित पूसा डिकंपोजर के प्रयोग से पराली कम समय में गल करके खाद का रूप ले लेती है।

समरथ को नहीं दोष गोसाईं, निर्बल को दो ठोंक गोसाईं

भाजपा के बड़े नेताओं के बीच विवाद, गुटबाजी, पुलिस तो कभी प्रशासन से भी टकराव सुर्खियां बनीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं

अमृत विचार खास

शैलेश अवस्थी, कानपुर

अमृत विचार। पिछले छह महीने के भीतर कानपुर में भाजपा नेताओं के बीच सरेआम जुबानी जंग और विवाद के कई मामले सुर्खियां बने, खूब बयानबाजी हुई, लेकिन सभी मामले दाखिल-दफ्तर हो गए। चाल-चरित्र और चेहरा वाली अनुशासन में सख्त पार्टी में किसी विवाद में कार्रवाई नहीं हुई। बयान जारी किए गए कि ये होगा-वो होगा पर हुआ कुछ नहीं।

कुछ मामले तो भाजपा नेताओं के पुलिस और प्रशासन से टकराव के भी हैं, लेकिन सब ठंडे बस्ते में डाल दिए गए। दरअसल विवाद के मामले मंत्री, सांसद, विधायकों और महापौर से जुड़े हैं, तो स्थानीय नेता हटो-बचो की नीति पर चल रहे हैं। नेतृत्व भी मामले पेंडिंग में रख खामोश है और कार्यकर्ता दबी जुबान से सिर्फ यही कहते हैं, समरथ को नहीं दोष गोसाईं..। सियासी चर्चा है कि बड़े नेताओं से जुड़े मामले हैं, इसी कारण इन्हें फिलहाल किनारे कर दिया गया है। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष कहते हैं सब संज्ञान में है। कुछ मामले पार्टी परिवार के बीच के हैं तो कुछ पेंडिंग हैं। ये सब ऐसी पार्टी में हो रहा है जो दिनभर कार्यकर्ताओं को अनुशासन की सीख देती रहती है।

महापौर ने पीडब्ल्यूडी की सड़क को घटिया बताया था।

सांसद भोले और अनिल शुक्ल वारसी में हुई थी तनातनी।

मंगल भवन का अमंगल

केस 01

बृजेंद्र स्वरूप पार्क मैदान में नवनिर्मित मंगल भवन को लेकर महापौर प्रमिला पांडे और सांसद रमेश अवस्थी के बीच जुबानी जंग और विवाद की रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंची, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अवस्थी ही नहीं सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने भी मंगल भवन निर्माण में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और जांच की मांग की, लेकिन यह मामला भी पेंडिंग है। आरोप गड़बड़ी और भ्रष्टाचार का है लेकिन किसी के कान पर जूं नहीं रेंग रही।

अनीता गुप्ता का अपमान भूल गई पार्टी

केस 02

महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने बर्रा थाने का निरीक्षण किया तो संयुक्त पुलिस आयुक्त वीके सिंह ने उन्हें हिदायती चिट्ठी लिखकर सचेत किया कि थाना निरीक्षण उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। आइंदा ऐसा करने से बचा जाए। इस पर तूफान खड़ा हो गया। इसे अनीता ने अपमान मानते हुए आयोग की अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की। पुलिस आयुक्त बीच में पड़े और इस मामले को गलतफहमी बताया और फिर सब ठंडा हो गया।

अभियंता ने महापौर को नसीहत दे डाली

केस 03

बीते 6 नवंबर को महापौर प्रमिला पांडे ने जरीब चौकी–डिप्टी पड़ाव के बीच सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उसे खराब बताया और पीडब्लूडी के अभियंता को आड़े हाथों लिया था। तब अभियंता ने पलटवार करते हुए महापौर का नाम लिए बगैर सड़क को दुरुस्त बताते हुए कहा कि यह विभाग और सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिश है। इसेस महापौर भड़क गईं। मेयर ने सीएम से शिकायत और सड़क की जांच आईआईटी से करवाने की बात कही थी।

- सभी की रिपोर्ट हाईकमान तक पहुंची पर हुआ कुछ नहीं, कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर है, लेकिन सब खामोशी से देख-सुन रहे हैं
- बड़े नेताओं के मामले होने के कारण हाईकमान चुप्पी साध जाता इसलिए ऐसे मामलों की संख्या बढ़ती जाती और होती किरकिरी

सीएमओ के पक्ष में लामबंदी

केस 04

- डीएम ने अस्पतालों के निरीक्षण और कानपुर के स्वास्थ्य विभाग की खामियों पर सीएमओ पर कार्रवाई के लिए शासन को लिखा। इसके उलट विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विधायक सुरेंद्र मैथानी ने सीएमओ को अच्छा काम करने वाला बताकर कार्रवाई न करने की सिफारिश की थी, पर इसे दरकिनार करते हुए सीएमओ पर एक्शन हो गया, हालांकि बाद में उन्हें अदालत से राहत मिली और वो शहर में ही तैनात हैं।

भोले और वारसी की लड़ाई, पटी नहीं खाई

केस 05

- कानपुर देहात में दिशा की बैठक के दौरान सांसद देवेंद्र सिंह भोले और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया कि आस्तीनें चढ़ा ली गईं। जमकर तू–तड़ाक हुई और मारपीट की नौबत आ गई। बैठक बीच में ही खत्म करनी पड़ी। इसके पहले वारसी और उनकी पत्नी अकबरपुर थानाप्रभारी पर कार्रवाई को लेकर थाने में ही धरने पर बैठ गई थीं। खूब उल्टा–सीधा बका था। मामला पार्टी हाईकमान तक पहुंचा, लेकिन यह फाइल भी अलमारी में बंद हो गई।

विधायक जी का 10 प्रतिशत कमीशन

केस 06

- किदवईनगर विधायक महेश त्रिवेदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में खुलेआम कह दिया कि विधायकों को तो निधि के काम का 10 प्रतिशत कमीशन मिल जाता है लेकिन कार्यकर्ताओं को कुछ नहीं मिलता। उनका यह वीडियो खूब वायरल हुआ। विपक्षी नेताओं ने भी इस पर तंज कसे और भाजपा हाईकमान ने भी इसे संज्ञान लिया। कहा कि जांच के बाद कार्रवाई होगी पर कुछ नहीं हुआ।

पत्नी के बिना जी नहीं सकता, उसके पास जा रहा हूं...

कानपुर। मैं अपनी पत्नी प्राची से मिलने जा रहा हूं, उसके बिना अब और नहीं जी सकता। सुसाइड नोट में लिखकर युवक ने गुजैनी रेलवे क्रासिंग पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। घरवालों के अनुसार पहले नवजात बच्चा फिर पत्नी की मौत से वह दुखी था।

गोविंदनगर के गुजैनी निवासी केसर सिंह का 35 वर्षीय बेटा भानु सिंह लोहिया में हेल्पर था। रविवार उसने गुजैनी क्रासिंग पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। पिता व भाई सूरज सिंह ने बताया कि तीन साल पहले ही उसकी प्राची से शादी हुई थी। बीती 26 नवंबर को उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि करीब चार माह पहले प्राची के नवजात बच्चे की जान चली गई थी। उसके बाद से वह अवसाद में चली गई थी। धीरे-धीरे उसका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और नवंबर माह में उसकी भी मौत हो गई थी। लगातार दो मौतों से भानु टूट गया था। गुमसुम रहने लगा था। वह पत्नी और बच्चे की मौत से उबर नहीं पाया। परिजनों ने बताया कि मौत से पहले उसने सुसाइड नोट लिखा था। जिसमें लिखा कि मैं अपनी पत्नी से मिलने जा रहा हूं, उसकी मौत मैं बर्दाश्त नहीं कर पा रहा हूं।

शादी के 4 माह बाद पीया तेजाब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घरेलू कलह से दुखी होकर युवक ने उठाया था कदम
- भिड़े परिजन, पत्नी को नहीं देखने दी बेटे की शक्ल

अमृत विचार। शादी के चार माह बाद ही घरेलू कलह में युवक ने तेजाब पी लिया था। जिसका पीजीआई, समेत कई अस्पतालों में इलाज चला, शनिवार रात दस माह बाद उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंची पत्नी को ससुरालियों ने बेटे की शक्ल नहीं देखने दी। इस पर दोनों पक्षों में जमकर विवाद हुआ। पुलिस ने उन्हें समझकर शांत कराया।

सागर सोनकर।

पोस्टमार्टम हाउस पर भिड़े परिजन। अमृत विचार

कल्याणपुर के नानकारी नई बस्ती निवासी राकेश सोनकर का 32 वर्षीय बेटा सागर ऑटो पार्ट्स का काम करता था। दिल्ली से पार्ट्स लाकर शहर में दुकानदारों को बेचता था। पिता ने बताया कि 16 नवंबर 2024 को सागर की शादी रनियां के किसरवल की रहने वाली नीतू से हुई थी। शादी के बाद ही घरेलू कलह चालू हो गई थी और आएदिन बेटे का पत्नी से विवाद होता था। परेशान होकर बेटे ने शादी के चार माह बाद ही होली पर पत्नी से विवाद के बाद तेजाब पी लिया था। उसकी हालत गंभीर होने पर प्राइवेट हॉस्पिटल और फिर हैलट में भर्ती कराया। डॉक्टरों के जवाब देने पर लखनऊ पीजीआई ले गए, जहां से एक्स में भर्ती कराया। दो माह पहले वहां भी डॉक्टरों ने मना कर दिया था। शनिवार रात बेटे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कलह के बाद नीतू अपने मायके चली गई थी और पति को देखने भी नहीं आई। उसका हालचाल तक नहीं पूछा। दस माह बाद रविवार शाम वह पोस्टमार्टम हाउस पहुंची और सागर को देखने की इच्छा जताई तो परिजनों ने विरोध किया।

इस पर दोनों पक्षों में जमकर विवाद हुआ। धक्कामुक्की के बाद मारपीट की नौबत आने पर मौजूद पुलिस व अन्य परिजनों ने उन्हें शांत कराया। हालांकि परिजनों ने नीतू को सागर का चेहरा नहीं देखने दिया। कंचनदेवी ने कहा कि बड़े अरमान से बेटे की शादी की थी, क्या पता कि वह तेजाब पी लेगा, दस माह तक दर्द का जीवन जीएगा। हमारा तो परिवार बर्बाद हो गया।

इंडिगो के दबाव में मोदी सरकार ऐतिहासिक संकट है: अजय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का आरोप है कि मोदी सरकार इंडिगो एयरलाइंस के दबाव में है। देश में कभी इतना बड़ा संकट नहीं आया। देश के विभिन्न एयरपोर्ट पर लाखों यात्री परेशान हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। जब उनसे ये प्रश्न किया गया कि श्री जायसवाल को श्रद्धांजलि देने कांग्रेस का कोई बड़ा नेता नहीं आया तो प्रदेश अध्यक्ष का कहना था कि प्रदेश अध्यक्ष में सारी ताकत समाहित होती हैं। प्रदेश से राष्ट्रीयस्तर तक हम उनके प्रतिनिधि हैं। मैं यहां उपस्थित हूं। सबकी ओर से मैंने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रविवार को पोखरपुर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष शोक प्रकट करने आये थे। उन्होंने श्रीप्रकाश की फोटो पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंडिगो संकट पर सरकार पर हमला बोला। कहा कि इसका मतलब है कि मोदी सरकार फेल है। पूरे एयरलाइंस के इतिहास में इतना बड़ा संकट कभी नहीं आया है। डीजीसीए केंद्र सरकार के अधीन है। मोदी सरकार को इंडिगो ने झुकने को मजबूर कर दिया है। कोई अस्थि विसर्जन नहीं कर पाया तो कोई शादी।

श्रीप्रकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि देते कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

मृत बीएलओ के परिजन को नौकरी दें

- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीएलओ पर इतना दबाव डाला जा रहा है कि वे मानसिक तनाव में हैं और कई बीएलओ की मौत हो चुकी है। मृत बीएलओ के परिजन को एक नौकरी और एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए।

प्रेम-प्रसंग में दसवीं की छात्रा ने फांसी लगा दी जान

कानपुर। चकेरी में प्रेम-प्रसंग का पता चलने पर परिजनों ने दसवीं की छात्रा को डांटा तो नाराज होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह कमरे में अकेली थी। जब मां कमरे में पहुंची तो बेटी को फंदे से लटका देखकर चीख पड़ी।

अंबेडकरनगर सब्जी मंडी निवासी साहब लाल सिलाई का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में पत्नी सरोज, बेटा अजय व 16 वर्षीय बेटी नेहा कुमारी थी।

रविवार सुबह वह दुकान पर थे और बेटा काम पर गया था। इसी बीच सरोज नहाने गई तभी खुद को कमरे में अकेला पाकर बेटी ने पंखे के कुंडे से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली।

परिजनों के अनुसार बेटी का किसी लड़के से प्रेम प्रसंग था। जिसका पता चलने पर उसे मां ने डाटा था। उसी नाराजगी में उसने यह कदम उठाया है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की नींव: पंकज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने रविवार को केशव नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में एसएसआईआर अभियान की समीक्षा की। कहा कि एसआईआर लोकतंत्र को पारदर्शी ,शुद्ध और पवित्र मतदाता सूची बनाने का अभियान है। विपक्षी पार्टियां पीएम नरेंद्र मोदी का विरोध करते- करते देश का ही विरोध करने लगते हैं। विपक्षी दलों के नेता नगरीय क्षेत्र की मतदाता सूची में वोटर बने तो ग्राम पंचायत, जिला पंचायत का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे और न ही वोट डाल सकेंगे। ऐसा बोलकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं । जबकि निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे एसआईआर में केवल विधानसभा और लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची तैयार हो रही है। जब कि पंचायत चुनाव की मतदाता सूची राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार की जा रही है। इसलिए शहरवासी शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची में दोनों में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतंत्र का जनजागरण है। एसएसआईआर केवल प्रशासनिक गतिविधियां नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को प्रमाणिक और भरोसमंद बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और निरंतर मॉनिटरिंग से यह अभियान जन-भागीदारी का आंदोलन बन जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, उत्तर - जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, दक्षिण अध्यक्ष शिवराम सिंह, महापौर प्रमिला पांडेय,विधायक महेश त्रिवेदी, रघुनंदन भदौरिया, अनूप अवस्थी, गणेश शुक्ला, राम बहादुर यादव रहे।

पंकज सिंह का स्वागत करते प्रकाश पाल व शिवराम सिंह।

टेनरी की आग बुझाते दमकल कर्मी। अमृत विचार

करबला में इमाम हुसैन ने शहादत देकर इंसानियत को बचा लिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गरीबों को कंबल बांटे, बेवाओं को सिलाई मशीनें वितरित कीं

अमृत विचार। नवासे-रसूल के पदचिन्हों पर चलकर दुनिया में अटूट एकता कायम हो सकती है। करबला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन ने अपनी शहादत देकर इंसानियत को बचा लिया। मस्कट (ओमान) से आए मौलाना कल्बे अब्बास रिजवी इजतिहादी ने ये बात कही।

रविवार को हुसैनी फेडरेशन द्वारा आईएमए हाल में 51 वें हुसैन दिवस का आयोजन किया गया जिसमें ईराक समेत कई देशों के उलमा ने विचार रखे। मौलाना सैयद सिबतैन नूरी कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान से दुनिया को अमन का पैगाम दिया। मौलाना शाहिद मीसम ने कहा कि इस्लाम हमेशा आतंकवाद के खिलाफ रहा है। मौलाना अजहर अब्बास ने कुरान की तिलावत की। जलसे का उद्घाटन मौलाना सैयद सिब्तैन नूरी ने किया। उन्होंने कहा कि पैगम्बर-ए-इस्लाम के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने मानवता को बचाने और दुनिया में शान्ति स्थापित करने के लिए अपने 72 साथियों के साथ लाखों इंसानियत के दुश्मनों का मुकाबला करते हुए महान कुर्बानी पेश की। करबला ईराक से आए मौलाना अली नकी जैदी ने अपने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी रहती दुनिया तक याद की जाएगी। हाजी वासिक वारसी अध्यक्ष देवा शरीफ वेलफेयर ट्रस्ट एवं पास्टर डायमण्ड यूसुफ चेयरमैन ऑल इंडिया माइनॉरिटी बोर्ड ने भी बारगाह-ए-हुसैनी में नजराना पेश किया। मुख्य अतिथि मौलाना बाकर मेंहदी ने विचार रखे। संचालन डॉ. नैयर जलालपुरी ने किया। इस अवसर पर हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में अधिक अंक हासिल करने वाले 12 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कई गरीबों को कंबल व बेवाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई। शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष यासुब अब्बास, जावेद शरीफ, नदीम अब्बास, हुसैनी फेडरेशन के चेयरमैन हाजी सैय्यद कबीर जैदी, मुजीबुल हसन,मोहम्मद जामिन रिजवी, रईसुल हसन रिजवी, डॉक्टर जुल्फिकार अली रिजवी, मुशीर आब्दी, मास्टर असगर, इसरार हुसैन, अफसर हुसैन आदि मौजूद रहे।

हुसैन दिवस में मौजूद वक्ता। अमृत विचार

जाजमऊ में यूनिवर्सल टेनरी में भीषण आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आसपास घनी आबादी होने से अफरातफरी, लोग घरों से बाहर निकले
- टेनरी के प्रथम तल पर घटना बड़ी संख्या में लेदर सामग्री जलकर खाक

अमृत विचार। जाजमऊ स्थित पुरानी चुंगी पर यूनिवर्सल टेनरी में आग लग गई। इससे एक युवक झुलस गया। आसपास घनी आबादी होने की वजह से लोग घरों से परिवार के साथ जान बचाकर बाहर निकल आए। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग बुझाने में एक युवक बुरी तरह झुलस गया है जिसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

चमनगंज निवासी मोहम्मद शारिक की जाजमऊ में यूनिवर्सल टेनरी है। रविवार दोपहर करीब 1.15 बजे टेनरी में आग लगी। टेनरी के प्रथम तल पर स्प्रे विंग में लेदर पर स्प्रे के दौरान शार्ट सर्किट हो गया। पास में ही रखे केमिकल के कारण देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। टेनरी के कर्मचारियों ने पहले सबमर्सिबल पंप चालू किया और आग पर पाइप से पानी डालते रहे लेकिन आग बढ़ती ही गई। घटना की जानकारी मिलते ही सबसे पहले जाजमऊ पुलिस मौके पर पहुंची और फिर फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा की अगुवाई में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाई। टेनरी में फायर सिस्टम लगे थे या नहीं, इसकी जांच हो रही है।

डिजिटल युग की चुनौतियों में माताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

कानपुर। गोविंद नगर सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को सप्त शक्ति संगम का आयोजन किया गया। सप्तशक्ति क्षेत्र संयोजिका निधि द्विवेदी ने कहा कि मातृ शक्ति परिवार की आधारशिला के साथ ही संस्कार, शिक्षा और सामाजिक दिशा प्रदान करने वाली चेतना शक्ति है। सप्त शक्ति का उद्देश्य महिलाओं के भीतर आत्मगौरव और कर्तव्य बोध को जागरूक कर पंच परिवर्तन कर (जिसमें स्व-बोध, पारिवारिक प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य जैसे मूल बिंदु शामिल हैं) उसके विचारों को परिवार से समाज तक ले जाना है। डिजिटल युग की चुनौतियों में माताओं की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है।

उत्पादों का मेला

80 स्टॉलों पर विभिन्न राज्यों के उत्पादों का हुआ प्रदर्शन

गांधी बुनकर मेला शुरू, 10 राज्यों के लगे स्टॉल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विकास आयुक्त हथकरघा, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित व आयुक्त एवं निदेशक, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग की ओर से नेशनल हैण्डलूम एक्सपो आयोजित हुई। मोतीझील में रविवार को 'गांधी बुनकर मेला' की शुरुआत हुई। यह मेला 16 दिसंबर तक चलेगा। मेले में 10 राज्यों के 80 से अधिक स्टॉल लगाए गए। इनमें विभिन्न राज्यों की पहचान से जुड़े उत्पादों के प्रति रुझान रहा।

मेले की शुरुआत मंत्री राकेश सचान ने की। इस दौरान उन्होंने मेले में लगे स्टॉल का निरीक्षण भी किया। एक्सपो में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे वाराणसी, मऊ, आजमगढ़ की साड़ियां, सलवार सूट, बाराबंकी का स्टोल, दुपट्टा, सीतापुर, कानपुर की दरी, मुरादाबाद, झांसी, मेरठ आदि जिलों के हथकरघा उत्पाद बिक्री के लिए लाए गए। इसके अलावा प्रदेश के बाहर जम्मू एवं कश्मीर की पश्मीना शॉल, फिरन, शूट उत्तराखण्ड एवं हिमाचल के वुलेन उत्पाद, तमिलनाडु आन्ध्र प्रदेश की मशहूर साउथ सिल्क साड़ियां, पश्चिम बंगाल की कांथा तथा जामदानी साड़ी एवं राजस्थान की बंधनी, लहरिया एवं अन्य हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिकी की जा रही है।

मेले में मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मेले में हमारी प्राचीनतम संस्कृति एवं परंपरा से जुड़ा है। कार्यक्रम में सुरेश गुप्ता, अशोक मिश्रा, देवेन्द्र गुप्ता, बाल कृष्ण देवड़ा, महेश दीक्षित, सुनील मिश्रा, वरूण गुप्ता, गुलाब सचान, योगेन्द्र पाल सहित अन्य मौजूद रहे।

उत्पाद देखते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

आयुध निर्माणियों का निगमीकरण नहीं स्वीकार

कानपुर। कटहरी बाग कैंट स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय मुख्यालय में महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक हुई, जिसमें देशभर से सभी रक्षा इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में आयुध निर्माणियों के कर्मचारियों के भविष्य पर चर्चा की गई। केंद्र सरकार द्वारा आयुध निर्माणियों के निगमीकरण का कड़े शब्दों में विरोध किया। सभी विभागों के निगमीकरण को देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बताया। महासंघ के अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि महासंघ किसी भी प्रकार से कर्मचारियों के अवशोषण के विरुद्ध है। एचएन तिवारी, विनोद तिवारी, जीडी शर्मा, समीर बाजपेई, राकेश कुमार, सिद्धनाथ तिवारी, आशुतोष तिवारी, नितिन पांडेय समेत आदि लोग रहे।

खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। विधानसभा महाराजपुर में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। रविवार को युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेशभर में आयोजित हो रही स्पर्धा महाराजपुर विधानसभा में शुरुआत हुई। स्पर्धा में कुल 11 खेल शामिल हैं जिनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, कुश्ती, भारोत्तोलन, रस्साकशी, शतरंज, जूडो, फुटबॉल और बैडमिंटन की जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर श्रेणी में पुरुष तथा महिला खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

कानपुर की संगत ने गुरुद्वारों के दर्शन किये

कानपुर : कानपुर के 80 सदस्यों की संगत ने तख्त श्री आनंदपुर साहिब समेत विभिन्न गुरुद्वारों के दर्शन किये और गुरुद्वारा कोठे साहिब, पिंड श्री वलहा साहिब, दमदमा साहिब, आश्रम संत श्री दर्शन सिंह जाकर शबद कीर्तन किए। गुरुद्वारा बाबा श्री बाबा नामदेव के प्रधान सेवक नीतू सिंह की अगुवाई में गुरुद्वारा शीशगंज समेत विभिन्न गुरुद्वारों में पहुंची। जहां श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शीश का संस्कार किया गया था। ज्ञानी त्रिलोचन सिंह, अशोक सदवानी, काके वीर, शिव अरोड़ा, राजकुमार लालडिनानी, श्रीचंद इसरानी, सरबप्रीत सिंह, सुरेश छाबड़ा, मनोज कुकरेजा, मनप्रीत सिंह, परमजीत सिंह आदि मौजूद थे।

तीन लाख बच्चों को इंसुलिन पंप देने में बुलेट ट्रेन से कम खर्च

राष्ट्रीय स्तर के टाई अप स्पैड टाइप-1 डायबिटीज सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डॉक्टर्स की सरकार से अपील-इंसुलिन की सुविधा सभी प्रदेशों में निशुल्क हो
- गोवा पहला प्रदेश है, जहां डायबिटीज ग्रस्त रोगियों को मुफ्त इंसुलिन मिल रही
- भारत में 10 लाख बच्चों को टाइप-1 डायबिटीज की समस्या है

अमृत विचार। भारत में गोवा पहला प्रदेश है, जिसने डायबिटीज ग्रस्त रोगियों को मुफ्त इंसुलिन उपलब्ध कराने की पहल की है। राजस्थान में भी सरकारी अस्पतालों में डायबिटीज रोगियों को इंसुलिन सहित कई दवा और जांचें निशुल्क हो रही हैं। इसके अलावा कुछ रिपोर्टों के अनुसार केरल में भी डायबिटीज ग्रस्त बच्चों के लिए मुफ्त इंसुलिन प्रदान की जा रही हैं, लेकिन देश के सभी प्रदेशों में इसकी सुविधा नहीं होने से टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय स्तर के टाईअप स्पैड, टाइप-1 डायबिटीज सम्मेलन में शामिल विशेषज्ञों की सरकार से अपील है कि इंसुलिन की सुविधा सभी प्रदेशों में निशुल्क हो।

सीएसजेएमयू में स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में रविवार को टाइप-1 डायबिटीज की नेशनल संस्था टीआईयूपी और सोसाइटी फोर प्रीवेंशन एंड एवेयरनेस ऑफ डायबिटीज ने राष्ट्रीय स्तर के टाई-अप स्पैड, टाइप-1 डायबिटीज सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमे देशभर के विशेषज्ञ शामिल हुए और उन्होंने अपने व्याख्यान रखे। शुरुआत हैप्पीनेस इन टाइप-1 डायबिटीज से हुई। यूनाइटेड किंगडम के शेफील्ड से आए विशेषज्ञ प्रो.साइमन हेलर ने जोर दिया कि हर टाइप-1 मरीज के लिए एक संरचित शिक्षा कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक है। सम्मेलन में शामिल विशेषज्ञों ने बताया कि इंसुलिन की सुविधा सभी जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क मिले, इसके संबंध में मंत्रालय में वार्ता की गई है। यह भी अवगत कराया है कि भारत में 10 लाख बच्चों को टाइप-1 डायबिटीज की समस्या है। सरकार अगर तीन लाख से अधिक बच्चों को इंसुलिन पंप की सुविधा उपलब्ध कराए तो एक बुलेट ट्रेन से भी कम का खर्च आएगा। बच्चों को इंसुलिन की समस्या नहीं होगी। दवाओं में अधिक रुपये खर्च नहीं करने पड़ेगे। जांचें भी सीमित दामों में या निशुल्क हो सकेगी। क्योंकि विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां पर टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त रोगियों की संख्या अधिक है। इसकी रोकथाम, सही डायग्नोस और सटीक इलाज बेहद जरूरी है। टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त बच्चों की मॉनिटरिंग करना जरूरी है। बताया कि टाइप-1डायबिटीज का इलाज बीटा सेल ट्रांसप्लांट, स्टेम सेल थेरेपी व कुछ नए इंजेक्शन शामिल है। यह इंजेक्शन इंसुलिन की डोज को कर करने काम करते हैं।

डॉ.जीडी रामचंदानी। अमृत विचार

पांच साल में बढ़े हैं टाइप-1 डायबिटीज के रोगी

- राजस्थान, कोटा से आए डॉ.जीडी रामचंदानी ने बताया कि इन पांच सालों में टाइप-1 डायबिटीज के रोगी बढ़े हैं, इनमे माध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के बच्चे अधिक है। यह ऑटो इम्यून बीमारी है, इसके पीछे कोविड भी कारण हो सकता है। क्योंकि कोविड के बाद से ऑटो इम्यून बीमारी की ग्राफ स्तर बढ़ा है। राजस्थान में सरकार द्वारा मिशन मधुहारी के तहत बच्चों को निशुल्क इंसुलिन, ग्लूकोमीटर, दवा व सीरिंज निशुल्क है। पूरे प्रदेश में यह सुविधा हो सके, इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सह केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से इस संबंध में वार्ता हुई है। टाइप-1 डायबिटीज बच्चों के लिए इंसुलिन जीवनदान का काम करती है, इसके कोई नुकसान नहीं होते हैं।

टाइप-1 को आरबीएसके योजना में शामिल करने की मांग

- डॉ.जीडी रामचंदानी ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित गैर-संचारी रोग (नॉन कम्युनिकेबल डिजीजी) में डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़े और क्रोनिक रेस्पिरेटरी बीमारी, जो लंबी अवधि की बीमारियों में शामिल हैं, जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलतीं। वहीं, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत 32 बीमारियों का इलाज निशुल्क होता है, लेकिन इसमें टाइप-1 डायबिटीज शामिल नहीं है। टाइप-1 डायबिटीज को आरबीएसके में शामिल कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही उच्चाधिकारियों और मंत्रियों से भी मुलाकात हुई है।

इंसुलिन पंप डिवाइस की जानकारी देते डॉ.तरुण मिश्रा, साथ में डॉ.संगीता शुक्ला व डिवाइस लिए कर्मी। अमृत विचार

इंसुलिन पंप डिवाइस से हर बार इंजेक्शन लगाने की जरूरत नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त बच्चों के इलाज में इंसुलिन पंप डिवाइस काफी लाभदायक साबित हो रहा है। प्रदेश में अभी 10 हजार बच्चे इस डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे हैं और कानपुर में 125 टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त बच्चे इसकी मदद ले रहे हैं। इससे हर बार इंसुलिन इंजेक्शन लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है। बार-बार इंजेक्शन न लगाने से इंफेक्शन का भी खतरा नहीं है। यह एक मैकेनिकल डिवाइस है, जो डिवाइस और सेंसर के साथ जुड़कर रीडिंग स्क्रीन में दिखाकर सचेत करने का भी काम करती है। हर पांच मिनट में आवश्कता अनुसार इंसुलिन प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़, रायपुर से आए डॉ.तरुण मिश्रा ने बताया कि इंसुलिन पंप डिवाइस टाइप-1 डाबिटीज ग्रस्त रोगियों को कई इंजेक्शनों के बजाय लगातार इंसुलिन की छोटी खुराक (बेसल) और भोजन के लिए अतिरिक्त इंसुलिन (बोल्स) देती है। रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है, निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग के साथ मिलकर काम करता है और स्वचालित रूप से इंसुलिन को समायोजित करता है। इसे एक मोबाइल फोन के आकार का और वाटरप्रूफ बनाया गया है। यह हर समय शरीर में इंसुलिन की एक छोटी व लगातार मात्रा भेजता है, जिससे रक्त शर्करा का स्तर स्थिर रहता है। यह कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग के साथ मिलकर काम करता है, जो ग्लूकोज के स्तरों को मापता हैं और स्वचालित रूप से इंसुलिन की खुराक को समायोजित करता हैं।

बेल्ट, जेब या कपड़ों के अंदर पेट में लगाया जा सकता: डॉ.सौरभ मिश्रा ने बताया कि इंसुलिन पंप डिवाइस छोटा, बैटरी से चलने वाला उपकरण है, जिसे बेल्ट, जेब या कपड़ों के अंदर पेट में लगाया जा सकता है। यह इंसुलिन इंजेक्शन का एक सुविधाजनक विकल्प है। वाटरप्रूफ होने पर इसका उपयोग पानी में भी कर सकते हैं। डिवाइस में एक छोटी ट्यूब है, जिसके माध्यम से शरीर में इंसुलिन पहुंचाता है और हर बार इंजेक्शन लगाने की जरूरत नहीं होती है।

इस डिवाइस के लिए डॉ.रिषी शुक्ला से स्वरूप नगर और शुक्लागंज में डॉ.सौरभ मिश्रा से संपर्क किया जा सकता है। इस डिवाइस की मदद से बार-बार इंसुलिन लेकर चलना नहीं होगा, यह ऑटोमेटिक चेन को मेनटेन करती है और बार-बार शुगर मापने की जरूरत को कम या खत्म करती है।

डॉ.ऋषि शुक्ला, डॉ.दीपक याज्ञनिक, डॉ.गणेश व अन्य। अमृत विचार

शरीर में शुगर व इंसुलिन की जरूरत पर बजेगा अलार्म

- डॉ.सौरभ मिश्रा ने बताया कि बच्चे के शरीर में अगर शुगर का स्तर अधिक घटता या बढ़ता है, इंसुलिन कम होने से पहले या डिवाइस की बैटरी खत्म होने से पहले ही अलार्म बजेगा, जिससे संबंधित बच्चा पहले ही सचेत हो जाएगा और वह शुगर के स्तर को मेनटेन कर सकता है। इंसुलिन ले सकता है। इसके अलावा वह कितनी कार्बोहाइड्रेट ले रहा है समेत आदि की भी जानकारी भी होगी। इस डिवाइस की कीमत ढाई लाख रुपये से लेकर साढ़े छह लाख रुपये तक है। वहीं, चार साल तक इसके रिप्लेसमेंट की वारंटी है। लेकिन अगर मशीन खराब होती है तो दोबारा नई खरीदनी होगी। वहीं, डिवाइस कार्बोहाइड्रेट की जरूरत भी बताएगी।

टाइप-1 महिलाएं सुरक्षित मातृत्व की ओर बढ़ रहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आरएसएसडीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अनुज महेश्वरी ने पिछले 20 वर्षों में टाइप-1 डायबिटीज के प्रबंधन में आए बड़े परिवर्तनों पर चर्चा की। शहर की डॉ.यूथिका बाजपेयी ने बताया कि टाइप-1 डायबिटीज ग्रस्त महिलाएं सुरक्षित गर्भधारण व स्वस्थ मातृत्व की ओर बढ़ रही हैं। सिडनी से आए डॉ.सिसिल आइंगमैन ने बच्चों की मानसिक व भावनात्मक स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया। गुड़गांव से आए डॉ.गणेश जेवालिकर ने इंसुलिन पंप की तकनीक व उपयोगिता बताई। अहमदाबाद के डॉ.मनोज अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में लिवर से जुड़े रोग टाइप-1 मरीजों में नई तरह से बढ़ रहे हैं। केजीएमयू की डॉ.अर्पिता ने टाइप-1 डायबिटीज व हड्डियों के स्वास्थ्य पर जानकारी दी।

कभी भी नहीं छिपानी चाहिए अपनी बीमारी : टाइप-1 युवाओं को विवाह के समय जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उसपर एक संवेदनशील व प्रभावी सत्र हुआ, जिनके पैनल में संचालक डॉ.ऋषि शुक्ला, अलीगढ़ से डॉ.हामिद अशरफ, दिल्ली से डॉ.अंजू विरमानी, डॉ.पायल शाह व डॉ.संगीता शुक्ला शामिल रही, जिसमे सर्व सम्मति से निष्कर्ष निकला कि युवा टाइप-1 व्यक्तियों को आत्मनिर्भर होना चाहिए और कभी भी अपनी बीमारी को छिपाना नहीं चाहिए। बरेली के डॉ.दीपक दास व अमृतसर से डॉ.रोहित कपूर ने एआई की मदद से इंसुलिन डोज निर्धारण की जानकारी दी।

ये शोध हुए प्रस्तुत

- डॉ.संगीता शुक्ला ने बताया कि सम्मेलन में शुगर दवाओं की डोज का ऐप के माध्यम से कैसे एडजस्ट किया जाए, इसपर डॉ.अलापन ने प्रस्तुति दी। सत्र की अध्यक्षता डॉ.पीएसएन मेनन और डॉ.लीना प्रियंवदा ने की। एआई और टाइप-1 पर डॉ.वीके चौधरी और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकार्डिंग पर डॉ.सिद्धार्थ मंदानी ने जानकारी दी। अंत में इंसुलिन पंप की कार्यशाला हुई।

ये लोग रहे मुख्य रूप से मौजूद

- चेयरमैन डॉ.ऋषि शुक्ला, डॉ.दीपक यागनिक, डॉ.संगीता शुक्ला, डॉ.भास्कर गांगुली, डॉ.सौरभ मिश्रा, डॉ.मनीषा गुप्ता, डॉ.विभा यादव, सुमित गुप्ता, अशोक तनेजा, सीताराम खत्री, प्रवीण सचदेवा, हरि सिंह कुशवाहा, मीना श्रीवास्तव, सुधा श्रीवास्तव, रंजना सक्सेना, इंदु पांडेय, तरविंदर, गुलशन चावला, एसके श्रीवास्तव, ओम प्रकाश बदलानी और भोला नाथ रहे।

सम्मेलन मे महिला डॉक्टर्स ने समाजसेवी विजय कपूर को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अमृत विचार

रोबोटिक सर्जरी कैंसर के इलाज में है कारगर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन में स्त्री रोग विशेषज्ञों ने दी जानकारी

अमृत विचार। गर्भाशय, ओवरी और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के इलाज में रोबोटिक और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी का बहुत महत्वपूर्ण रोल है, क्योंकि ये पारंपरिक सर्जरी की तुलना में छोटे चीरे, कम रक्तस्राव, कम दर्द, अस्पताल में कम समय और तेज रिकवरी प्रदान करती हैं। जिससे मरीजों की जिंदगी की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसकी मदद से जटिल से जटिल सर्जरी को करने में आसानी होती है। यह जानकारी राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन में स्त्री रोग विशेषज्ञों ने दी।

आर्य नगर स्थित गैंजेस क्लब में रविवार को उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ गाइनैकॉलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया की 12वीं वार्षिक राज्य स्तरीय वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमे सम्मेलन की संरक्षक डॉ.मीरा अग्निहोत्री और यूपीएससी एजीओआई की अध्यक्ष डॉ. किरन पांडे ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्त्री रोग कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान, आधुनिक वैज्ञानिक व सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपचार को बढ़ावा देना रहा। दिल्ली से आईं एजीओआई की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रूपिंदर सेखोंन ने अंडाशय के कैसर व सामान्य गाठों के बारे में बताया। उड़ीसा से आईं एजीओआई की राष्ट्रीय सचिव डॉ. भाग्य लक्ष्मी ने गर्भाशय के कैंसर से संबंधित जानकारियां दीं। लखनऊ से आई डॉ. निशा सिंह, डॉ. सबूही कुरैशी, डॉ.अंजूरानी ने स्त्री रोग कैंसर की नई जांचों, उपचार और लेप्रोस्कोप विधि पर चर्चा की। सचिव डॉ. शैली अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में एंडोमेट्रियल कैंसर, ओवेरियन कैंसर की रोकथाम व स्क्रीनिंग, सर्जरी में आधुनिक तकनीकें और फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन पर चर्चा की। डॉ. बंदना शर्मा और पेपर पोस्टर कोर्डिनेटर डॉ. प्रतिमा वर्मा ने बताया कि 30-35 कैंसर संबंधित शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

लगातार गैस हो सकती ओवरी कैंसर का संकेत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लगातार गैस, पेट फूलने, सूजन और पेट दर्द की समस्या महिलाओं में है तो सचेत होने की जरूरत है, क्योंकि यह अंडाशय (ओवरी) कैंसर के शुरुआती और महत्वपूर्ण लक्षण भी हो सकते है, जिसे अक्सर लोग सामान्य अपच समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि यह लक्षण लंबे समय तक रहें, भूख न लगे, जल्दी पेट भर जाए या वजन कम हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है, क्योंकि यह ओवरी कैंसर का संकेत हो सकते है।

ऐसे में समय रहते जांच जरूर करानी चाहिए। यह जानकारी उड़ीसा से आईं एजीओआई की राष्ट्रीय सचिव डॉ. भाग्य लक्ष्मी ने दी। उन्होंने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम मुश्किल है, लेकिन सर्वाइकल कैंसर को रोका जा सकता है। इसकी वैक्सीन मार्केट में है, लेकिन जिसको नौ वर्ष की उम्र से 20 वर्ष तक लगाया जा सकता है।

डॉ. भाग्य लक्ष्मी।

डॉ.श्वेता गिरी व डॉ.पविका लाल। अमृत विचार

दिल्ली से आईं डॉ.श्वेता गिरी ने बताया कि जीवनशैली में बदलाव, मोटापा, एक्टिविटी कम होने, दूषित खानपान व जंक फूड आदि से महिलाओं में गांठ, ट्यूमर व कैंसर की समस्या बढ़ी है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की डॉ.पविका ने बताया कि समय रहते जांच व इलाज से संबंधित मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। कैंसर से बचाव के लिए लोगों में जागरूकता होना जरूरी है। दिल्ली से आई डॉ.सरिता श्याम सुंदर व लखनऊ केजीएमयू से डॉ.सुरुचि अग्रवाल ने कोलोस्कोपिक सर्जरी की।

दिल्ली-बेंगलुरु की फ्लाइट आई, मुंबई की कैंसिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा किराया वापसी ही रास्ता
- इंडिगो एयरलाइंस की कानपुर-मुंबई फ्लाइट पहली बार निरस्त

अमृत विचार। रविवार को कानपुर एयरपोर्ट पर बेंगलुरु और दिल्ली की फ्लाइट आ गयी लेकिन मुंबई की फ्लाइट पहली बार निरस्त हुई है। फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिलने पर यात्रियों ने हंगामा किया।

कानपुर दिल्ली के मध्य उड़ान भरने वाली फ्लाइट ने तीन दिन के बाद कानपुर में लैंड किया तो यात्रियों ने राहत की सांस ली। रविवार को मुंबई से आने वाली फ्लाइट से अपने मेहमानों का रिसीव करने पहुंचे नौबस्ता निवासी मोहम्मद उजैर काफी मायूस दिखे। उनकी बहन का परिवार मुंबई में रहता है और 13 दिसंबर को उनकी बेटी की शादी है जिसमें शिरकत करने के लिए मुंबई से उनके बहन के परिवार को आना था लेकिन पता चला कि मुंबई की फ्लाइट कैंसिल हो गई है।

मुंबई के लिए टिकट बुक कराए दर्जनों यात्री परेशान रहे। इंडिगो एयरलाइंस का कोई भी अधिकारी यात्रियों को सही बात बताने को मौजूद नहीं था।

नई पहल | आमजन में शहर के प्रति सकारात्मक भावना को जाग्रत करना है उद्देश्य

शहर को नई पहचान देने के लिए वॉक, मॉडल सिटी बनाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नानाराव पार्क फूलबाग से ग्रीनपार्क तक रैली में जुटे लोग
- 2026 तक कानपुर के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया

अमृत विचार। कानपुर को नई पहचान एवं नया स्वरूप देने के लिए नानाराव पार्क फूलबाग से ग्रीनपार्क तक कानपुर वॉक के नाम से रैली निकाली गयी जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। कहा गया कि कानपुर असीमित संभावनाओं वाला शहर है और इसे मॉडल सिटी के रूप में स्थापित करने का स्पष्ट विजन आवश्यक है।

रविवार को कानपुर सुपर 100 के तत्वावधान में आयोजित कानपुर वॉक का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, बीजेपी कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल तथा कानपुर सुपर 100 के संस्थापक डॉ. सुधांशु राय द्वारा किया गया। डीएम ने कहा कि कानपुर की पहचान को नई दिशा देने के लिए यह एक सराहनीय पहल है, जिसमें शहर के विविध क्षेत्रों के स्थापित व्यक्तित्व एक मंच पर आए हैं। डॉ. सुधांशु राय ने बताया कि इस समूह में 100 विशेषज्ञ शामिल हैं तथा हमारा लक्ष्य 2026 तक कानपुर के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर शहर को सौंपना है। इसी उद्देश्य से आगामी समय में कानपुर कॉन्क्लेव का आयोजन भी प्रस्तावित है।

कानपुर वॉक के संयोजक अनिल गुप्ता ने बताया कि यह वॉक कानपुर सुपर 100 के शुभारंभ का कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य आमजन में अपने शहर के प्रति सकारात्मक भावना को जागृत करना है। डॉ. उमेश पालीवाल ने कहा कि कानपुर को एक समाजोन्मुख सोच देना ही समूह का प्रथम लक्ष्य है। संचालन बिरजू एवं मुस्कुराए कानपुर की सचिव दीपिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर चैतन्य अरुण पुरी महाराज, रिटायर्ड आईपीएस रतन श्रीवास्तव, विमल झाझरिया, बलराम नरूला, डॉ. शरद बाजपेई, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा, रिटायर्ड कर्नल जाहिद सिद्दीकी, रिटायर्ड मेजर योगेंद्र कटियार, डॉ. इंद्रमोहन रोहतगी, विशेष शुक्ला, संजय मेहरोत्रा, अनिल गुप्ता, राजेश ग्रोवर, डॉ. रजत आदित्य दीक्षित, व्यापारी अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा, संजीव पाठक, डॉ. एस.के. मिश्रा, डॉ. राज तिलक, पार्षद अरुण गर्ग, आरके सफ्फड़ आदि थे।

नानाराव पार्क में कानपुर वॉक में पहुंचे लोग। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

आया मसीह दुनिया में पापियों को बचाने

कानपुर। न्यू लाइफ चर्च काकादेव में गीत गाये गये कि आया मसीह दुनिया में, तू पापियों को बचाने को। परमेश्वर की महिमा गुणनवाद किया गया और जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर विशेष प्रार्थना सभा की गई। रविवार को चर्च में क्वायर ने यीशु मसीह की शान में गीत प्रस्तुत किये। मुख्य पादरी डायमंड यूसुफ ने कहा कि कहा कि प्रभु यीशु मसीह ने मानव को पापों से मुक्ति दिलाने के लिए इस दुनिया में जन्म लिया। राहुल जेम्स, दिलीप कुमार, पादरी विनय कुमार, विमलेश गुप्ता, मोहित पीटर, संदीप सुदर्शन, अंजना दास, डॉली श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

बैसाखी में लगी लाइट

कानपुर। डॉ आंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एबीवीआरसी (अटल बिहारी वाजपेई शोध केंद्र) में बैसाखी में लाइट लगा कर एक नवाचार किया है। इसका पेटेंट भी हो चुका है। अब एलिम्को के साथ इसके उत्पादन की प्रयास किया जा रहा है। इसका लाभ उन सभी दिव्यांग जनों को मिलेगा जो बैसाखी से चलते हैं। उनके दोनों हाथ में बैसाखी होने पर यदि कहीं पर लाइट चली जाती है अंधेरा हो जाता है वहां पर उनको रास्ता देखने में मदद करेगा। इसमें लगी लाइट चार्जेबल है एवं मोबाइल के चार्जर से चार्ज हो जाती है। एक बार पूर्ण रूप से चार्ज हो जाने पर 4 घंटे तक चलती है। इसमें और भी इंप्रूवमेंट के कार्य किया जा रहे हैं।

स्वदेशी अपनाएं, बेटियों को सशक्त बनाएं

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज का प्रवचन

कलश यात्रा में शामिल महिला श्रद्धालु। अमृत विचार

महायज्ञ में शामिल जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रनंद सरस्वती और संत। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में दिन कलश यात्रा निकाली गई। महामंडलेश्वर स्वामी श्रीकृष्ण दास समेत अन्य संतों ने भी महायज्ञ में हिस्सा लिया। पीठ के संस्थापक आचार्य अमरेश मिश्र व डॉ. शकुंतला मिश्र ने शंकराचार्य का पूजन किया। काशी सुमेरु पीठाधीश्वर ने कहा कि हमें अपनी संतान को गुरुकुल में शिक्षा दिलानी चाहिए ताकि वह हमारी संस्कृति और सभ्यता को जानें और उसी के अनुरूप आचरण करें। जेएनयू जैसे कॉलेजों में नहीं जहां पर भारत तेरे टुकड़े होंगे का नारा लगता हो।

उन्होंने बेटियों को संस्कारित बनाने पर बल दिया और अप्रत्यक्ष रूप से लव जिहाद पर भी प्रहार किया। कहा कि बेटियों के हाथ में अगर हम किताब के साथ ही सब्जी काटने के लिए चाकू देंगे तो फिर उन्हें कोई टुकड़े- टुकड़े करके बाक्स में नहीं भर पाएगा। यज्ञ हमारी आस्था है और आत्मा भी। असंगठित समाज को एकसूत्र में जोड़ने का कोई माध्यम है तो वह यज्ञ है। उन्होंने कहा कि आज जब हम अमेरिका के प्रोडक्ट खरीदते हैं तो जो धन अमेरिका के पास जाता है उसका बड़ा भाग पाकिस्तान के पास आर्थिक के नाम पर आता है। वही धन पाकिस्तान हमारे नागरिकों का खून बहाने के लिए उपयोग करता है। इसके लिए वह आतंकवादी भेजता है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने भारत में बने उत्पादों का उपयोग करेंगे ताकि भारत का धन भारत में ही रहे। यज्ञ के द्वारा ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ। प्रत्येक व्यक्ति को यज्ञ करना चाहिए। जब अयोध्या में महाराज दशरथ ने एक पुत्र के लिए यज्ञ कराया तो एक के साथ चार पुत्र का जन्म हुआ। यज्ञ करने वाले मनुष्य की कामनाएं पूरी होती हैं इसमें किसी तरह का संशय नहीं है।

इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य केए दुबे पद्मेश, गंगा प्रहरी पं. रामजी त्रिपाठी, स्वामी जितेंद्रिया, स्वामी अरुणपुरी चैतन्य, स्वामी उदितानंद ब्रह्मचारी, पनकी मंदिर के महंत स्वामी श्रीकृष्ण दास, पूर्व महापौर कैप्टन जगतवीर सिंह द्रोण, युग दधीचि देहदान अभियान के प्रमुख मनोज सेंगर, माधवी सेंगर ने कलश यात्रा में प्रतिभाग किया।

प्रभु आपकी कृपा से मेरा सब काम हो रहा

- कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु प्रभु आपकी कृपा से मेरा सब काम हो रहा है करते हो आप कान्हा मेरा नाम हो रहा है ., राधे राधे बोले रे मन राधे राधे बोल भजन पर झूम उठे। भजनों की ऐसी रसधारा बही की हर कोई झूम उठा।

- शकुंतला शक्तिपीठ विकास नगर में आयोजित महायज्ञ में निकाली गई कलश यात्रा

भाजपा से कैसे मुकाबला करोगे, क्या फार्मूला है

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को तेज तर्रार युवा ऐसे प्रवक्ताओं की तलाश है जो टीवी पर भाजपा नेताओं का मुकाबला कर सकें। इसी क्रम में तिलक हाल में लखनऊ से आए कांग्रेसी नेताओं ने विभिन्न जिलों के नेताओं का इंटरव्यू लिया। ये इंटरव्यू शाम तक चला।

रविवार को आल इंडिया कांग्रेस कमेटी उत्तर प्रदेश के तीन सदस्यीय टीम प्रवक्ता अंशू अवस्थी, प्रेम नारायण पाल, गौरव जैन तिलक हाल पहुंचे। यहां कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, झांसी, उरई, फतेहपुर समेत विभिन्न जिलों से आये नेताओं का इंटरव्यू लिया। कांग्रेस कुछ तेज तर्रार युवाओं को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर लाना चाहती है। इस इंटरव्यू में कुछ ही ऐसे थे जिन्होंने सही उत्तर दिए और चयन टीम ने उनका नाम हाईकमान को भेजने का फैसला लिया। इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता, संदीप शुक्ला, विकास अवस्थी आदि मौजूद रहे।

कुछ प्रश्न जो पूछे गए

प्रश्न : टीवी पर भाजपा नेताओं का कैसे मुकाबला करोगे

उत्तर : भाजपा हमेशा डिबेट में हिंदू मुस्लिम पर आ जाती है लेकिन हम राष्ट्रवाद को बढ़ावा देंगे।

प्रश्न : राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी का नारा क्यों दिया?

उत्तर : भाजपा विपक्षी पार्टियों के वोट कटवाने के लिए हर हथकंडे अपना रही है। बिहार के बाद अब ये काम यूपी में भी हो सकता है, ऐसे में इसको रोकना होगा।

तिलक हाल में इंटरव्यू लेते कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

अभ्यर्थियों के लिए अच्छी स्कोरिंग पाने का अवसर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में रविवार को क्लैट परीक्षा आयोजित हुई। 965 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। विशेषज्ञों ने बताया कि परीक्षा का स्तर आसान था, लेकिन कुछ कठिन सवाल भी थे। अभ्यर्थियों को समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना पड़ा। बताया कि 105 सही प्रयास करने वाले छात्रों को प्रमुख एनएलयू में दाखिला मिल सकता है। टॉपरैंकर्स (लीगलएज) के कानपुर इकाई के संस्था निदेशक नीरज कुमार ने बताया कि अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों को लेकर इस साल का पेपर अपेक्षाकृत सरल था। अधिकांश प्रश्न साहित्यिक शैली में थे। अधिकांश गद्यांश साहित्यिक प्रकृति के थे, जैसे इतिहास एवं उपन्यासों पर आधारित अंश। समाचार-आधारित विषयों की तुलना में साहित्यिक और विश्लेषणात्मक शैली अधिक हावी रही। गद्यांश मध्यम जटिलता के थे, परंतु भाषा सरल और पढ़ने योग्य थी। शब्द-संपदा पर आधारित प्रश्न इस बार अधिक दिखाई दिए और कई प्रश्नों में संदर्भानुसार अर्थ निकालने की आवश्यकता थी। कुल मिलाकर, यह खंड सरल से मध्यम स्तर का रहा और सावधानीपूर्वक पढ़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए अच्छी स्कोरिंग का अवसर प्रदान करता था। लॉजिकल रीजनिंग इस वर्ष का सबसे कठिन और निर्णायक खंड रहा। परीक्षा में करेंट अफेयर्स खंड सबसे आसान और सबसे अधिक अंक दिलाने वाला रहा। सवाल सीधे, तथ्य आधारित और पिछले वर्षों के मुकाबले कहीं अधिक स्पष्ट थे। क्वांटिटेटिव टेक्निक आसान लेकिन गणनात्मक रहा। अधिकांश प्रश्न रेशियो, परसेंटेज और बुनियादी अर्थमैटिक पर आधारित थे। डेटा साफ़ था और प्रश्न सीधे थे किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं थी। हल्की-फुल्की गणनाएं समय ले सकती थीं।

परीक्षा देकर निकलते युवा। अमृत विचार

संस्कृत के पेपर ने छकाया, विज्ञान ने रुलाया

- रविवार को लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रथम पाली में प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक परीक्षा हुई जिसका विषय विज्ञान था जिसमें कई परीक्षा विज्ञान के पेपर को हल करने में परेशान हुए। इसी प्रकार सायं 3 से 5 बजे तक संस्कृत के पेपर ने भी परीक्षार्थियों को खूब छकाया।

ट्रेनों के एसी कोच तक जबरन घुसे परीक्षार्थी

- **कानपुर।** रविवार को लोक सेवा आयोग की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों ने कई ट्रेनों में एसी कोच तक कब्जा कर लिया जिन्हें उतारने के लिए जीआरपी और आरपीएफ को मशक्कत करना पड़ा। इस दौरान यात्रियों को भारी दिक्कतों को सामना करना पड़ा। सीट पर बैठने को लेकर परीक्षार्थियों और यात्रियों के बीच झड़प भी हुई। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों को समझा बुझाकर उतार लिया गया। उधर झकरकटी बस अड्डा के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी ने बताया कि देर शाम रायबरेली, झांसी, उरई, हमीरपुर, खागा, फतेहपुर, प्रयागराज समेत कई जिलों के परीक्षार्थियों की भीड़ बस अड्डा पर पहुंची लेकिन बस अड्डे पर पर्याप्त मात्रा में बसें थीं जिनसे उन्हें गंतव्य स्थान के लिए रवाना कर दिया गया।

भक्तों उत्सव दादी जी का आया...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री राणी सती दादी परिवार मंगल समिति की ओर से रविवार को पदयात्रा निकाली गई। कई स्थानों पर भक्तों ने फूल बरसाकर यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान भजनों पर भक्तों ने झूमते हुए दादी जी का आह्वान किया।

यह यात्रा 11 किलोमीटर तक निकली। सिरकी मोहाल दादी मन्दिर से शुरू हुई यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। दादी जी का 26वां मंगल महोत्सव 12.13. 14 दिसम्बर को वृन्दावन लॉन नानाराव पार्क के सामने आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान उत्सव में आने का निमंत्रण भी दिया गया। श्री दादी जी राजस्थानी बग्घी में सवार होकर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए विराजमान रही। पद यात्रा बिरहाना रोड, फूलबाग, बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट, चुन्नीगंज, बेनाझाबर, मोतीझील, गोल चौराहा होते हुए श्री दादी मन्दिर गुटैया धाम रावतपुर पहुंची। भजन गायक श्रीराम पाण्डेय ने भजनों से सभी दादी भक्तों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। 'भक्तों उत्सव दादी जी का आया है, कानपुर दरबार दादी ने लगाया है' जैसे भजनों ने आकर्षण भर दिया। पदयात्रा में अखिल खेतान, मनोज कुमार अग्रवाल, श्रीनाथ जालान, पदम जालान, ज्ञानेन्द्र विश्नोई सहित अन्य मौजूद रहे।

यात्रा में भजन गाते चले भक्त। अमृत विचार

- श्री राणी सती दादी परिवार मंगल समिति की पदयात्रा

बच्चों ने कार्यक्रम पेश किए। अमृत विचार

एनएलके मारी बाजी

कानपुर। श्री नन्द लाल खन्ना विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज, विष्णुपुरी में एनएलके ग्रुप ऑफ स्कूलस के इंटर ब्रांच वाक कला प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में एनएलके इंटर कॉलेज अशोक नगर, एनएलके अकादमी, वैडी हाईस्कूल के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता जूनियर तथा सीनियर वर्ग में हुई। जूनियर वर्ग मे अवंतिका पाण्डेय, नेहा मिश्रा, आस्था सिंह तथा सीनियर वर्ग मे श्रेष्ठा सैनी, अदिति शर्मा तथा काव्या विजय रहीं। निर्णायक मंडल में डॉ अनुपम शुक्ला, देवप्रिया दास रहीं। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर एनएलके एकेडमी, दूसरे स्थान पर वेंडी हाईस्कूल व तीसरे स्थान पर एनएलके अशोक नगर रहा।

खाटू वाले श्याम बाबा, तेरा ही सहारा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री श्याम जी महिमा प्रचार मण्डल की ओर से रविवार कोमाल रोड स्थित श्री श्याम महोत्सव स्थल, नानाराव पार्क में श्री श्याम महोत्सव आयोजित हुआ।

दो दिवसीय इस महोत्सव के पहले दिन महोत्सव की शुरूआत मण्डल के 11 यजमानों द्वारा बाबा श्याम की ज्योति प्रज्वलन के साथ की गयी। इसके बाद मंडल के सदस्यों द्वारा गणेश वन्दना एवं बाबा के कीर्तनों का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसके बाद कानपुर के तीन प्रमुख मण्डलों के सदस्यों के द्वारा कीर्तन हाजिरी लगाई गयी। जयपुर से आये हुए भजन गायक संजय पारीख ने अपने भजनों द्वारा बाबा श्याम को रिझाया। 'तेरी बात करते करते.. मेरी बात बन रही है' व 'खाटू वाले श्याम बाबा, तेरा ही सहारा, तेरे सिवा दुनिया में कोई न हमारा' जैसे भजनों ने माहौल भव्य कर दिया। इसके बाद कानपुर के प्रसिद्ध भजन गायक कुमार संदीप व किरन गुप्ता ने भजन सुनाएं। महोत्सव के उत्सव संयोजक नन्द किशोर सोनी, सुरेन्द्र केडिया, नीरज गुप्ता, प्रदीप सक्सेना, अनीश अग्रवाल, विष्णु गुप्ता शिव अवस्थी, नवीन अग्रवाल, अंकुर कानोडिया सहित अन्य मौजूद रहे।

भजन गाते कलाकार। अमृत विचार

सिटी डायरी

छात्राओं ने गीत पेश किया। अमृत विचार

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। आरएस पब्लिक स्कूल व लिटिल स्टार प्रीस्कूल का रविवार को लाजपत भवन में वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी व बाल योगी अरुणपुरी चैतन्य जी महाराज मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के संरक्षक कौशल किशोर दीक्षित ने की। विद्यालय के चेयरमैन वीके मिश्रा भी मौजूद रहे। समारोह में स्कूली बच्चों ने विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विधायक महेश त्रिवेदी व पनकी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर कृष्णदास भी मौजूद रहे।

समारोह में छात्राओं ने नृत्य किया। अमृत विचार

गीता के श्लोकों का उच्चारण

कानपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर में रविवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल सर्वोदय नगर का वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ। जश्न 2025 नई सोच नई उमंग थीम पर हुए आयोजन में स्कूली बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि एडीशनल डीसीपी पुलिस कमिश्नरेट अंजली विश्वकर्मा रहीं। विद्यालय की प्रोवाइस चेयरपर्सन बंदना मिश्रा, विद्यालय के संस्थापक आलोक मिश्रा, मैनेजिंग कमेटी के सदस्य देवव्रत मिश्रा, दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर की प्रधानाचार्या शिल्पा मनीष एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल, सर्वोदय नगर की हेड मिस्ट्रेस मंजू पसान मौजूद रहीं। कक्षा 3 से कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों ने श्रीमदभगवद् गीता के श्लोकों का शुद्ध उच्चारण के साथ सस्वर वाचन प्रस्तुत किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर के छात्र छात्राओं ने शिव स्तुति प्रस्तुत की।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते डॉक्टर्स। अमृत विचार

पारस हेल्थ सिटी क्लिनिक में उमड़ी लोगों की भीड़

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित पारस हेल्थ सिटी क्लिनिक में रविवार को पारस हॉस्पिटल कानपुर ने निशुल्क कैंप का आयोजन किया, जिसमे कार्डियोलॉजी, इंटरनल मेडिसिन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, फिजिशियन, न्यूरोसर्जरी और अन्य विशेषज्ञों ने 250 लोगों को देखा। पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर रजत बजाज ने कहा कि क्लिनिक ने फॉलो-अप विजिट पर विजिटर्स के लिए दूसरी परामर्श शुल्क पर 50 फीसदी छूट की घोषणा की। क्लिनिक आयुष्मान, सीजीएचएस और प्रमुख टीपीए व योजनाओं के माध्यम से कैशलेस मेडिकल सेवाएं भी प्रदान करता है। इस दौरान न्यूरोसर्जन डॉ. प्रशांक गोयल, नितिन सरस्वत, डॉ.हिमांशू, डॉ.प्रशांत गोयल, उपेंद्र रहे।

नसीहत

पड़ोसी से अच्छे संबंध रखो, उनके दुख-दर्द में शामिल हो

फिजूलखर्ची रोक निकाह को बनाएं आसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दिखावे के लिए तमाम लोग कर्ज लेकर फिजूलखर्ची करके शादी ब्याह धूमधाम से करते हैं। कुछ टाइम बीत जाने के बाद कर्ज की अदायगी के लिए ऐसे लोगों के हाथ तंग हो जाते क्योंकि कमाई इतनी होती नहीं जितना समारोह में खर्च कर दिया। ऐसे में बीवी से तनाव और तलाक तक की नौबत आ जाती है। इसलिए अल्लाह के रसूल पैगंबर मोहम्मद साहब के बताए रास्ते रास्ते पर अमल करें। फिजूलखर्ची रोकें और निकाह को आसान बनाएं।

रविवार को मदरसा अशरफुल मदारिस गद्दियाना में आल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल द्वारा जश्ने गरीब नवाज मनाया गया जिसमें ये बात गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम एवं कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना हाशिम अशरफी ने कहीं। मौलाना ने कहा कि वायु प्रदूषण बढ़ने की वजह से लाखों लोगों की जान को खतरा पैदा हो गया है। सर्दी में टायर, प्लास्टिक, बिजली के तार, कूड़ा जलाने से बचें। इस अवसर पर हाजी सैयद खुर्शीद आलम, जमील खैराबादी, हाजी वसीम खान, हाफिज अब्दुर्रहीम बहराइची, मुफ्ती कासिम मिस्बाही, अब्दुल करीम,शहजाद अहमद, मास्टर शहाबुद्दीन, दिलशाद कानपुरी, मौलाना जाहिर अहमद, हाफिज बहारुद्दीन अशरफी मोहम्मद वासिफ अशरफी, हाजी अरबी हसन,ताजुद्दीन, सुब्बा अली, वासिफ अशरफी आदि थे।

गद्दियाना में जश्ने गरीब नवाज को संबोधित करते मौलाना हाशिम अशरफी। अमृत विचार

19 दिसंबर से गरीब नवाज हफ्ता मनाया जाएगा

- गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम मौलाना हाशिम अशरफी ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी गरीब नवाज हफ्ता 19 दिसंबर से मनाया जाएगा जिसमें शहर के विभिन्न स्थानों पर प्रोग्राम होंगे। जश्ने गरीब नवाज नाम से जलसे होंगे। ख्वाजा गरीब नवाज की तालीम मोहब्बत, सब्र मानवता, अहिंसा, भाईचारा, अखलाक आम करेंगे। शहरभर में लंगर किया जाएगा। मरीजों को फल वितरित होगा अपील है कि बेसहारा की मदद के लिए लोग आगे आएं।

- मदरसा अशरफुल मदारिस में मनाया जश्ने गरीब नवाज

युवाओं की त्रुटियां बताकर सुधारेंगे

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 20 दिसंबर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसमें युवाओं की ओर से किए गए आवेदनों की त्रुटियां तलाशी जाएंगी और उन्हें दुरुस्त कराया जाएगा। आवेदनों में त्रुटियां होने की वजह से युवाओं को रोजगार के ऑफर नहीं मिल पाते हैं।

सेवायोजन विभाग की ओर से वार्षिक समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि हर महीने तीन से चार युवाओं के आवेदनों में त्रुटियां सामने आती हैं। इन त्रुटियों में गलत ईमेल आईडी, पुराने मोबाइल नंबर सहित अन्य शामिल होती है। विभाग की ओर से त्रुटियां दुरुस्त किए जाने के लिए अधिकारियों का एक पैनल भी बनाया जा रहा है। यह पैनल सभी आवेदनों की जांच कर जनवरी तक सभी त्रुटियों को एकत्रित कर आवेदकों तक इसकी सूचनाएं पहुंचाएगी। सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि त्रुटियों को ठीक कराने के लिए युवाओं को एक सप्ताह का समय दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की बस रोकर छात्र को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव, अमृत विचार। अजगैन कोतवाली क्षेत्र में नव निर्मित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी परिसर में हुई मारपीट की घटना अभी थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को यूनिवर्सिटी की बस रोक कर कुछ लोगों ने एक छात्र से मारपीट की। सुरक्षा प्रबंधक की तहरीर पर वाहन नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। यूनिवर्सिटी के सुरक्षा प्रबंधक सचिन सिंह ने अजगैन कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ दिन पूर्व यूनिवर्सिटी में प्रतियोगिता के दौरान छात्रों के दो गुटों में विवाद हो गया था। छात्रों को समझा कर शांत कराया गया था। बताया कि बीते शुक्रवार की शाम करीब 5 बजे यूनिवर्सिटी की बस छात्रों को लेकर कानपुर की ओर जा रही थी। तभी नवाबगंज कस्बे के बाईपास के पास एक काली महिंद्रा थार से 7-8 अज्ञात युवक उतरे बस को रोक कर उसमें जबरन चढ़ गए। उन्होंने बस सवार छात्र अंश कनौजिया से मारपीट करने शुरू कर दी। कोआर्डिनेटर व अन्य छात्रों के विरोध करने पर वे धमकी देकर भाग निकले। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए अजगैन थाने में प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध त्वरित और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। आरोपियों को पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में घायल अधेड़ ने तोड़ा दम

उन्नाव, अमृत विचार। औरास थाना क्षेत्र के शरीफाबाद निवासी चंदन चौरसिया (55) पुत्र कुशहर शनिवार शाम पड़ोसी गांव धनइयां खेड़ा स्थित अपनी पान की भीठ की देखभाल पैदल लौट रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हुआ था। सीएचसी औरास से उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ भेजा गया। जहाँ देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस पर लखनऊ की पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराया। रविवार देर शाम शव घर पहुंचने पर परिजनो में कोहराम मच गया।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

शुक्लागंज। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली गंगाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को 950 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि एसआई मोहम्मद मुस्ताक हमराहियों के साथ गश्त पर थे, तभी प्रखर जी महाराज स्कूल मोड़ के पास के पास पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखा। जहां पुलिस ने उसे रोककर उसकी तलाशी ली। इस दौरान पुलिस ने उसके पास से 950 ग्राम अवैध गांजा बराम किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राहुल गौतम निवासी दालमंडी थाना फीलखाना, जनपद कानपुर नगर बताया। जिस पर पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट भेजा है।

क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए क्रिकेट टीम रवाना

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पी के मिश्रा ने बताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन जालौन द्वारा उरई में आयोजित अंडर 23 राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीम रविवार शाम उरई रवाना हुई। टीम में नवरतन कुमार को कप्तान बनाया गया। इसके अलावा फैजान खान, रितेश कुमार, देवांश वर्मा, शिवांश वर्मा, रोहित राजपूत, अरमान, शिव राठौर, प्रत्यूष त्रिपाठी, अविनाश कुमार, आयुष, सूरज त्रिपाठी, उमा शंकर कश्यप को शामिल किया गया है। साकिर हुसैन को टीम मैनेजर की भूमिका दी गई है। टीम का पहला मैच 8 दिसंबर को आगरा से, 9 दिसंबर को फिरोजाबाद से तथा 10 दिसंबर को जालौन से होगा। टीम को जिला क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय राठी, उपाध्यक्ष राज कुमार यज्ञसेनी, जिला खेल सचिव नवीन सिन्हा, ओम मिश्रा, राकेश कुमार अस्थाना, शिव शंकर तिवारी, विनोद अवस्थी ने शुभकामनाओं सहित रवाना किया।

स्वास्थ्य मेले में 106 मरीजों का हुआ परीक्षण

शुक्लागंज, अमृत विचार। रविवार को न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जहां नगर व आस पास रहने वाले मरीज पहुंचे। इस दौरान मेले में मौजूद डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण किया और उन्हें दवाइयां दी। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण कर दवा बांटी। इसके अलावा डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. अर्चना गुप्ता, विमल किशोर सिंह ने भी मरीजों को परामर्श देने के साथ ही दवाइयां बांटी। वहीं अन्य डॉक्टरों ने आये मरीजों का परीक्षण किया।

राहगीरों के लिये खतरा बनकर लटक रहे विद्युत तार

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, जिम्मेदार अधिकारी बने हैं अनजान, बारिश या तेज हवा चलने पर बढ़ जाती है तार टूटने की आशंका

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बिना गार्डिंग के विद्युत तारों का मकड़जाल फैल हुआ है। जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। यह सब देखने के बाद भी विभागीय जिम्मेदार इस ओर आंखे बंद किये हैं। यह समस्या खासकर सदर बाजार, धवन रोड, छोटा चौराहा, गांधी नगर तिराहा आदि स्थानों पर अधिक खतरनाक है। यहां विद्युत तार बिना गार्डिंग के सड़क के एक ओर से दूसरी ओर बिछाए गए हैं। कई जगह तो ये तार इतने नीचे लटक गए हैं कि आसानी से इन्हें छूआ भी जा सकता है। वाहन भी इनसे टकरा सकते हैं। भीड़ भरे क्षेत्र में तारों का यह जाल सुरक्षा मानकों का खुला उल्लंघन है। बारिश होने या तेज हवा चलने पर तार टूटने की आशंका बढ़ जाती है। जिससे नीचे खड़े लोगों को जान का खतरा हो सकता है या शॉर्टसर्किट होने से आग भी लग सकती है।

शहर के मुख्य मार्ग पर लटकते विद्युत तार व नीचे से निकलते वाहन। अमृत विचार

बड़ा चौराहा के दुकानदार हिमांशु ने बताया कि धवन रोड पर तो तारों की यह हालत है कि अगर यह टूट जाएं तो यह जानलेवा हो सकता है। विभागीय अधिकारी इसे गंभीरता से न लेकर किसी हादसे का इंतजार कर रहे हैं। बड़ा चौराहा निवासी अमित ने बताया कि सदर बाजार व धवन रोड में रोज हज़ारों लोग खरीदारी करने आते हैं। अगर दिन में तार टूट गया तो भगदड़ मच सकती है और लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। मांग हुई है कि विभाग तुरंत इन तारों की गार्डिंग कर इस मकड़जाल को ठीक कराए।

धवन रोड बाजार में फैल विद्युत तारों का मकड़जाल। अमृत विचार

यह हैं नियम

सड़क किनारे या सड़क को क्रॉस करने वाली लाइनों की गॉर्डिंग जरूरी होती है। इससे अगर कभी तार टूटे तो गार्डिंग में ही टिका रहे और सड़क पर न गिरे। बिना गार्डिंग के विद्युत लाइन सुरक्षित नहीं मानी जाती है। तार डालने के साथ ही उनकी गार्डिंग करने की शर्त भी टेंडर में होती हैं।

धवन रोड पर फैला है मकड़जाल

शहर के सबसे व्यस्त बाजार धवन रोड में रोज हजारों लोग आते हैं। यहां विद्युत तारों का मकड़जाल व दुकानदारों द्वारा डाली गई कटिया कभी भी बड़ी घटना का कारण बन सकती हैं। जानकारी होने के बाद भी जिम्मेदार कार्रवाई करने की बजाय हादसा होने का इंतजार कर रहे हैं।

पीएचसी की दीवारों का प्लास्टर उखड़ा

शुक्लागंज। राजधानी मार्ग स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन जर्जर होने लगा है। करीब आठ वर्ष पूर्व हुए नवीनीकरण कार्य की पोल अब खुलने लगी है।

वर्ष 2017 में कायाकल्प योजना के तहत करीब ढाई लाख रुपये की लागत से पीएचसी भवन का सौंदर्यीकरण व मरम्मत कार्य कराया गया था। लेकिन लंबे समय तक उचित देखरेख न होने और निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठने से भवन फिर से जर्जर होने लगा है। बारिश के मौसम में कुछ कमरों में सीलन की समस्या भी बढ़ जाती है, जिससे मरीजों और स्टाफ को असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थिति को देखते हुए पीएचसी प्रभारी राजेश चंद्रा ने मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र भेजकर प्लास्टर उखड़ने और दीवारों में आई दरारों की मरम्मत कराने की मांग की है।

गुम हुए 101 मोबाइल फोन ढूंढकर कराए वापस

वापस मिले मोबाइल दिखाते लोग। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। उन्नाव पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से गुम हुए 101 मोबाइल फोन बरामद कर लोगों वापस लौटाए। एसपी व अन्य पुलिस अफसरों के हाथ से खोए मोबाइल मिलने पर लोगों की आंखे चमक उठी। एएसपी के मुताबिक बरामद किए गए मोबाइल फोनो की कीमत 20 लाख से अधिक है।

एसपी जय प्रकाश सिंह ने टेलीकॉम व कम्यूनिकेशन मंत्रालय द्वारा विकसित सीईआईआर पोर्टल संचालित कराने के लिए सभीं थाना, कोतवालियों में टीम बनाकर मोबाइल फोनो की गुमशुदगी के प्रार्थना पत्रों को पोर्टल में लोड कर उन्हें बरामद करने के आदेश दिए थे। इसी के तहत एएसपी अखिलेश सिंह व प्रेमचंद की देखरेख में सर्विलांस सेल की मदद से खोए मोबाइल फोनो का पता लगा कर उनके हैंडलरों को सुपर्द किए जाने का अभियान मुस्कान शुरू किया गया। इसी के चलते विभिन्न थानों व कोतवालियों के कंप्यूटर ऑपरेटरों के प्रयास से अलग-अलग स्थानों से 101 खोए मोबाइल फोन बरामद हुए। जिनकी अनुमानित कीमत 20 लाख के करीब है। एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, सीओ सिटी दीपक यादव की मौजूदगी में एसपी ने बरामद हुए मोबाइल फोन उनके हैंडलरों को सुपर्द किए तो उनमें खुशी की लहर दौड़ गई।

विशाल शिव शोभायात्रा को लेकर समित ने की तैयारी बैठक

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। विशाल शिव शोभायात्रा समिति की प्रथम बैठक रविवार को सोहनलाल धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य आगामी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाली विशाल शिव शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर हुई।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे आचार्य पंडित करुणा शंकर तिवारी ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन निरंतर सत्कर्म के प्रयोग की विधि है। उन्होंने राम को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक अस्मिता का वैज्ञानिक अनुसंधान करने वाला तथा मानव को देवत्व के गुणों से जोड़ने का अप्रतिम माध्यम बताया। समिति के संयोजक चन्द्र प्रकाश गुप्ता ने सभी शिवभक्तों और राष्ट्रभक्तों से आह्वान किया कि वे आगामी 15 फरवरी को विशाल शिव शोभायात्रा में सम्मिलित होकर एकता, शक्ति और भक्ति का परिचय दें। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन स्वधर्म की राह पर चलकर ही सरल बन सकता है। समिति के सहसंयोजक विनोद शर्मा ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए हिंदुओं की एकता को समय की मांग बताया। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि हिंदू जातियों में बंटे होने के कारण कमजोर हुए हैं।

सोहनलाल धर्मशाला में बैठक करते विशाल शिव शोभायात्रा समिति के पदाधिकारी।

बैठक का संचालन करते हुए सहसंयोजक अरूण प्रकाश सिंह ने बताया कि समिति की अगली बैठक 18 जनवरी रविवार को श्री सिद्धनाथ मंदिर में आयोजित की जाएगी। बैठक में सुरेश पाण्डेय, कमलेश शुक्ला, श्रीकान्त शुक्ला, राकेश सिंह, हरिनाम यादव, मोहिनी शंकर पांडेय, देवर्षि उमाकान्त, नीतू तिवारी, रेखा शुक्ला, बुद्धीलाल चौरसिया, नरेश कुशवाहा, विकास बाबू मिश्रा, सचिन, नरेश कुशवाहा, मदन मोहन शुक्ला, वेद तिवारी, सुरेश मिश्रा, राजीव निगम, देवेन्द्र बाजपेई, पदम सिंह, महेश प्रजापति, रामसिंह, लालजी निगम, जामिनी, दिव्या आदि मौजूद रहे।

याद किए गए पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के पुरोधा डॉ. रामाशीष

कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि देते पेंशन बहाली मंच के पदाधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। अटेवा पेंशन बचाओ मंच (ऑल टीचर्स एंड एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन) जनपद शाखा उन्नाव के तत्वावधान में बाबा साहब अंबेडकर पार्क में पेंशन आंदोलन के शहीद डॉ. रामाशीष की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रामाशीष की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद कैंडल जलाकर उनकी स्मृति को नमन किया गया। महामंत्री राजकरन ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के दौरान जब मंच की ओर से आंदोलन चलाया जा रहा था, तभी पुलिस के लाठीचार्ज में डॉ. रामाशीष शहीद हो गए थे। विचार गोष्ठी में जिला प्रवक्ता सौरभ राज भारती, बालकृष्ण अवस्थी, लालाराम, उमेश मौर्य, महेंद्र कुशवाहा, शिवशाही, पुलकित ने अपने विचार व्यक्त किए।

नवीन गंगापुल पर कार-ऑटो भिड़ंत में पांच घायल

शुक्लागंज। रविवार भोरपहर नवीन गंगापुल पर कार और ऑटो की आमने-सामने हुई भिड़ंत में दो महिलाओं समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिश्रा कॉलोनी स्थित सैय्यद कंपाउंड गोताखोर निवासी शाकिब अपनी पत्नी सैय्यद बुशरा, साली मुस्कान, छह वर्षीय बेटी तस्मिया और दोस्त शिवा के साथ पोनी रोड झंडा चौराहा स्थित एक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। रविवार भोर लगभग चार बजे वे सभी मुस्कान को कानपुर स्थित उसके घर छोड़ने के लिए ऑटो से नवीन गंगा पुल की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पुल पर चढ़ते समय सामने से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर में शिवा का पैर फ्रैक्चर हो गया जबकि सैय्यद बुशरा के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। मुस्कान, तस्मिया और शाकिब भी घायल हुए हैं। पुलिस ने मौके से एटा जिले के जीसकपुर निवासी कार चालक सुरजीत को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित पक्ष ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

नॉर्मल स्कूल मैदान में 14 से होगी श्रीमद्भागवत कथा

श्रीमद्भागवत कथा की जानकारी देते डॉ.संजय मिश्रा। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 14 दिसंबर से शहर के नार्मल स्कूल मैदान में किया जाएगा। देश के विख्यात कथावाचक पंडित रामशरण शास्त्री को आमंत्रित किया गया है।

शहर के मोती नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में रविवार को सनातन परिवार सत्संग सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसके अलावा कथा की पत्रिका का भी विमोचन किया गया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि शहर के नार्मल स्कूल मैदान रोजाना शाम दो बजे से छह बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने सभी भक्तों से कथा में पहुंचने की अपील की। कार्यक्रम प्रमुख पवन निगम ने बताया कि कलयुग में कथा श्रवण मात्र से ही प्राणी का उद्धार हो सकता है, ऐसी सनातन में मान्यता है। इसलिए सात दिन इस कथा में प्रतिभाग कर पुण्य के भागी बनें।

संरक्षक संजय राठी ने बताया कि आयोजन स्थल पर पार्किंग, पेयजल व अन्य व्यवस्थाएं कराई गई है। उन्होंने परिवार सहित सभी को कथा श्रवण की बात कही। इस दौरान गुरुद्वारा समिति अध्यक्ष अरविंदर सिंह, संजय राठी प्रेम सिंह सेंगर, नीरज श्रीवास्तव, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, पवन निगम, डॉ. प्रभात सिन्हा, डॉ. विनय शंकर दीक्षित, प्रशांत मिश्रा, अखिलेश अवस्थी, प्रभात सिन्हा, अशोक रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

हार्ट अटैक से हुई थी गुड़िया की मौत

उन्नाव। देर रात सदर कोतवाली क्षेत्र के खजुरिया बाग में अकेली रह रही महिला का शव मिला था। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों पोस्ट डाल कर मौत को संदिग्ध बताया। इस पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हार्ट अटैक से उसकी मौत होने की पुष्टि हुई। उसके फेफड़े भी खराब मिले। बता दे कि शनिवार देर शाम सदर कोतवाली क्षेत्र के कल्याणी खजुरिया बाग निवासी गाड़िया (50) पत्नी स्व. रजय पाल का शव उसके घर में पड़ा मिला था। उसकी मौत को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह चर्चा हुई। इस पर कोतवाली प्रभारी ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा था। पोस्टमार्टम हाउस में मिले बेटे ने बताया कि करीब 20 साल पहले पति की मौत के बाद मां मानसिक संतुलन भी बिगड़ गया था। वह शहर में इधर उधर घूमती थी। मांग कर जो भी मिल जाता था। वह खा लेती उसके तीन बेटे व एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। बेटे कोतवाली क्षेत्र के पैतृक गांव भग्गा खेड़ा में रह कर मजदूरी करते है। बड़ा बेटा अशोक अक्सर मां को गांव ले जाने का प्रयास करता था लेकिन वह नहीं जाती थी। बेटे ने बताया चार दिन पहले ही वह मां को दवा देकर गया था। रविवार को हुए पोस्टमार्टम में उसकी मौत हार्ट अटैक से होने की पुष्टि हुई। वह गंभीर बीमार थी। फेफड़े भी संक्रमण से खराब हो गए थे।

सिटी डायरी

भगवा ध्वजों और शस्त्रों के साथ निकाली गई विराट शौर्य यात्रा

शौर्य यात्रा निकालते विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के लोग।

उन्नाव। हिंदुत्व की ऐतिहासिक विजय और धर्म रक्षा में बलिदान देने वाले कारसेवकों की स्मृति में, विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, इकाई द्वारा रविवार को शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। 6 दिसंबर को शौर्य दिवस के रूप में मनाते हुए, यह यात्रा हिंदू समाज में जागरण और गौरव का संचार करने के उद्देश्य से निकाली गई। लखनऊ बाईपास से यात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शौर्य यात्रा भगवा ध्वजों, पारंपरिक शस्त्रों, बैंड बाजा और डीजे के साथ एक आयोजित की गई, जिसने पूरे शहर का ध्यान आकर्षित किया। यात्रा का समापन बड़े चौराहे पर हुआ। इस शौर्य यात्रा का संचालन बजरंग दल के जिला संयोजक नितिन शुक्ला ने किया। इस आयोजन में अवध प्रांत के सह मंत्री अविनाश, विहिप जिला अध्यक्ष संजय शुक्ला, जिला कार्यअध्यक्ष रघुवंश मणि त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

कथा वाचिका को सम्मानित करते पदाधिकारी।

अमृतमयी राम कथा में नारद मोह प्रसंग का विस्तार, श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

शुक्लागंज। मां गंगा सेवा समिति एवं श्री राम नाम लेखन समिति के संयुक्त तत्वावधान में पोनी रोड बम बम चौराहा पर आयोजित अमृतमयी राम कथा के तीसरे दिन रविवार को भक्तिमय वातावरण रहा। कथा वाचिका कनक पांडे ने बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं को नारद मोह प्रसंग का सरस बखान किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार नारद जी ने मोहग्रस्त होकर भगवान विष्णु को श्राप दिया था। आयोजन में श्रीकांत पांडे, घनश्याम सिंह, राजीव मिश्रा, अमित पांडे, हरिओम पांडे, विश्वनाथ दुबे, शिवनायक पांडे, कैलाश प्रजापति, रामकृष्ण गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कंबल देती डॉ. रेखा सिंह।

इनर व्हील क्लब ने अभ्युदय सेवा संस्थान को भेंट किए कंबल

उन्नाव। अभ्युदय सेवा संस्थान द्वारा संचालित मुस्कान घर की ओर से सर्दियों में जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण करने की मुहिम एक दशक से जारी है। इसी क्रम में इनर व्हील क्लब ऑफ उन्नाव ने संस्थान को कंबल भेंट किए, ताकि भीषण सर्दी में वंचितों को राहत मिल सके। अभ्युदय सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने बताया कि उनका संगठन लोगों के विश्वास और उम्मीद के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा, एक तरफ दानदाताओं का यह विश्वास है कि उनके वस्त्र सही जरूरतमंदों तक पहुंचेंगे, वहीं दूसरी ओर वंचितों की वस्त्र पाने की उम्मीद होती है।

तुलसी यात्रा की तैयारियों को लेकर हुई चर्चा

उन्नाव। नर सेवा नारायण सेवा समिति 25 दिसंबर को तुलसी यात्रा निकलेगी। यात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को संगठन कार्यालय पर पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा की गई। संगठन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारियों के साथ प्रचार सामग्री, बस्तियों में आम जन से जनसंपर्क का आह्वान किया गया। संस्था के संस्थापक विमल द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं से अपनी बस्तियों, मोहल्लों में प्रतिदिन जनसंपर्क बढ़ाने को कहा। विमल द्विवेदी ने कहा अधिक से अधिक संख्या में लोगों को यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान महासचिव विनय द्विवेदी, जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, एके दीक्षित, विनय शंकर दीक्षित, योगेंद्र तिवारी, राकेश राजपूत, विकास तिवारी, चंद्रमौली मिश्रा, दीप चंद्र, कुलदीप वर्मा, परिमल मिश्रा, केतन अवस्थी, सुजीत सिंह आदि रहे।

तुलसी यात्रा को लेकर बैठक करते नर सेवा नारायण सेवा समिति के पदाधिकारी।

मुहिम

विधायक ने जागरूकता कैंप व 'घर-घर कुंडी खटकाओ' अभियान में लिया भाग

एसआईआर में कार्यकर्ता दिखाएं विशेष रुचि

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। रविवार को एसआईआर अभियान के तहत गंगाघाट मंडल में मिश्रा कॉलोनी के गांधी चौक पर विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप लगाया गया। कैंप में सदर विधायक पंकज गुप्ता पहुंचे, जहां उन्होंने स्वयं मतदाताओं को बुलाकर उनके फार्म भरवाए। उन्होंने बीएलओ को दिशा-निर्देश देते हुए अधिक से अधिक लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने पर जोर दिया।

एसआईआर कैंप में मौजूद सदर विधायक पंकज गुप्ता व अन्य कार्यकर्ता। अमृत विचार

कैंप में विधायक ने जनता को जागरूक करते हुए कहा कि 11 दिसंबर के बाद बने नए मतदाताओं को भी सूची में शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवा पहली बार मतदान के लिए तैयार हैं, ऐसे में कार्यकर्ताओं को विशेष रुचि दिखानी चाहिए। इसके बाद विधायक आनंद नगर मोहल्ले पहुंचे, जहां भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'घर-घर कुंडी खटकाओ' अभियान के तहत उन्होंने प्रत्येक घर पहुंचकर मतदाताओं से वार्ता की और फार्म भरवाने की अपील की। विधायक ने बताया कि प्रारंभिक दिनों में लोगों में एसआईआर को लेकर उदासीनता रही, लेकिन अभियान अवधि बढ़ने के बाद जागरूकता में वृद्धि हुई है। अब तक लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा कराया जा चुका है। उन्होंने अवैध मतदाताओं के नाम कटने और दूसरे स्थानों पर रहने लगे लोगों की पहचान होने की बात कही। इस मौके पर मनीष जायसवाल, सुरेश चंद्र शुक्ला, धीरज सिंह, विजय राज सिंह, सभासद प्रत्यय गुप्ता, विशाल त्रिपाठी, धुरव अवस्थी, पंकज, विकास मिश्रा, विनय तिवारी, आदित्य त्रिपाठी मौजूद रहे।

अमृत विचार
सोमवार, 8 दिसंबर 2025

हम जितने ऊंचे स्थान पर हैं, हमें उतनी ही विनम्रता से चलना चाहिए।
–मार्कस टुलियस सिसरो, रोमन राजनीतिज्ञ

संकट मोचन सरकार

इंडिगो के परिचालन संकट ने एक बार फिर भारतीय उड्डयन क्षेत्र की नियामकीय कमजोरियों, मानव संसाधन प्रबंधन की खामियों और कंपनियों की मनमानी के बीच आम यात्री की घंघोर उपेक्षा को उजागर कर दिया है। सरकार द्वारा जारी तात्कालिक उपाय-फ्लाइट कटौती, विशेष मॉनीटरिंग और पायलट ड्यूटी टाइम में सख्ती- निश्चित रूप से स्थिति को आंशिक राहत देते हैं, पर यह मान लेना जल्दबाज़ी होगी कि केवल इन कदमों से पूरा संकट समाप्त हो जाएगा। सरकार के नए एक्शन से, 'इलेक्टोरल बांड के जरिए इंडिगो से मोटा चंदा लेने के चलते वह इंडिगो पर कठोर नहीं है', आरोप बेअसर हो सकता है, हालांकि साफ है कि किसी भी नियामक हस्तक्षेप की समय सीमा और गंभीरता स्वयं बहुत कुछ कह देती है। वर्षों से जो समस्या जारी थी, उस पर नियामकों की निगरानी क्यों विफल रही? इससे संदेह उभरते हैं, मौजूदा कार्रवाई भर से इसे मिटाना मुश्किल है।

इंडिगो का मौलिक संकट पायलटों की भारी कमी, एफडीटीएल नियमों की अवहेलना और मानव संसाधन नीतियों में 'लीन स्टाफिंग' के अत्यधिक प्रयोग से उपजा है। पायलट संघों ने पिछले दो वर्षों में कई बार चेतावनी दी थी कि इंडिगो ने हायरिंग फ्रीज, नॉन-पोचिंग व्यवस्था और न्यूनतम क्रू मॉडल के कारण भविष्य के संकट को स्वयं आमंत्रित किया है। यह भी चौंकाने वाली बात है कि दो वर्ष के ट्रांजिशन पीरियड के दौरान कंपनी ने पायलटों की संख्या को नियमानुसार 14–16 प्रति विमान तक क्यों नहीं बढ़ाया? यदि यह मानक पूरा किया जाता तो आज फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने में यह अव्यवस्था नहीं होती। सवाल है कि डीजीसीए और उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट को शुरुआती चरणों में ही क्यों नहीं रोका? एक एयरलाइन को 'लीन ऑपरेशन' की आड़ में अपनी क्षमता से कहीं अधिक फ्लाइट शेड्यूल चलाने देना न केवल यात्रियों के साथ अन्याय है, बल्कि उड्डयन सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। इस संकट का सबसे बड़ा बोझ यात्रियों पर पड़ा है। फ्लाइटें कैंसिल होने से किसी की नौकरी का मौका छूटा, किसी बीमार को उपचार नहीं मिल पाया, किसी का पारिवारिक या व्यावसायिक जीवन प्रभावित हुआ। ऐसे में केवल टिकट का पैसा वापस कर देना कोई समाधान नहीं। वास्तविक नुकसान आर्थिक, मानसिक और कई बार अपरिवर्तनीय होता है। भारत को 'पैसेंजर राइट्स' के स्पष्ट और बाध्यकारी नियमों की तात्कालिक आवश्यकता है, ताकि एयरलाइंस असुविधा नहीं, हानि की भरपाई करने के लिए बाध्य हों- जैसा कि कई विकसित देशों में व्यवस्था है। इंडिगो की छवि, गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। साथ ही भारतीय उड्डयन क्षेत्र की साख पर भी प्रश्न चिह्न लगा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानन बाजार भारत को संभावनाओं की भूमि मानता है, पर इस प्रकार की अव्यवस्थित स्थितियां उसके भरोसे को कमजोर करती हैं।

सरकार के कदम संकट को तत्काल थामने की कोशिश प्रतीत होते हैं, परंतु यह तभी विश्वसनीय बनेंगे जब उड्डयन मंत्रालय दीर्घकालीन ढांचे में सुधार, भर्ती मानकों, कार्य-समय निगरानी, फ्लाइट स्वीकृति प्रक्रिया और यात्री अधिकारों को संस्थागत रूप से लागू करे। फौरी उपाय बेहतर हैं पर सरकार को वास्तव में स्थायी समाधान के प्रति गंभीर होना होगा।

प्रसंगवश

वो दिन जब सिद्धार्थ ने विश्व को नया प्रकाश दिया

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुंबिनी में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोदन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे, लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया। उन्हें बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।

यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष आठ दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो।

बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं। ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।'

भारत-रूस साझेदारी से बढ़ेगा शक्ति संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पांच दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

> भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति–दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत–रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है, बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा, बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यावहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है, जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

आमने सामने

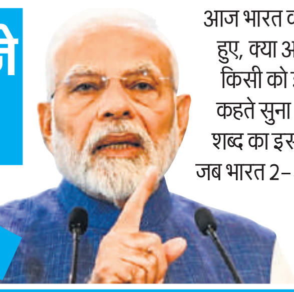

आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था, जब भारत 2–3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था।
–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' राज कृष्णन ने बोला था, जिन्हें जनता पार्टी सरकार ने प्लानिंग कमिशन में सदस्य बनाया था। जनता पार्टी में लाल कृष्ण अडवाणी, मोरारजी देसाई और अटल विहार वाजपेई थे। प्रधानमंत्री मोदी अपनी ही पार्टी पर हमला क्यों बोल रहे हैं?
–पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

मोनोपॉली, ऑटोक्रीसी और ठहरती अर्थव्यवस्था

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है? सिर्फ दो दिनों में सैकड़ों उड़ानों का रद्द होना, लाखों यात्रियों की योजनाओं का बिखरना और पूरे विमानन तंत्र का चरमरा जाना बताता है कि अगर किसी अहम सेक्टर में एक कंपनी पर अत्यधिक निर्भरता हो जाए, तो पूरी अर्थव्यवस्था कैसे कुछ घंटों में ठप पड़ सकती है। यह सिर्फ एक परिचालन विफलता नहीं थी, बल्कि भारत के 'मोनोपॉली मॉडल' की एक खतरनाक झलक थी।

इंडिगो आज भारत के घरेलू विमानन बाजार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा अकेले नियंत्रित करती है। यानी देश में उड़ने वाले हर तीन में से दो यात्री किसी न किसी रूप में इसी कंपनी पर निर्भर हैं। एयर इंडिया समूह लगभग 25–27 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। इसका मतलब साफ है कि देश का करीब 90 प्रतिशत हवाई यातायात केवल दो कंपनियों के हाथों में है। ऐसी स्थिति में अगर एक बड़ी एयरलाइन डगमगाती है, तो पूरा तंत्र हिल जाता है– ठीक वैसे ही जैसा हमने हाल में देखा।

यह संकट नए पायलट ड्यूटी समय और विश्राम नियमों के लागू होने के बाद सामने आया। सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए इन नियमों में पायलटों को अधिक विश्राम, रात की सीमित लैंडिंग और तय ड्यूटी घंटे जैसी शर्तें रखी गई थीं, ताकि थकान के कारण होने वाले हादसों को रोका जा सके, लेकिन इंडिगो जैसी विशाल कंपनी ने समय रहते अपने पायलट स्टाफ और क्रू-प्लानिंग को इन नियमों के अनुरूप तैयार नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि नियम लागू होते ही कंपनी को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यहीं से दूसरा बड़ा सवाल खड़ा होता है। संकट गहराने पर सरकार ने रात की कुछ ड्यूटी सीमाओं में अस्थायी ढील दे दी, ताकि इंडिगो अपनी उड़ानों को फिर से पटरी पर ला सके, लेकिन यह सुविधा केवल एक बड़ी कंपनी के लिए क्यों? क्या नियम सिर्फ छोटे खिलाड़ियों पर लागू होते हैं और बड़े खिलाड़ियों के लिए लचीले बन जाते हैं? यह स्थिति न सिर्फ नियामक की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि यदि आप बहुत बड़े हैं, तो व्यवस्था भी आपके अनुसार ढल सकती है।

> भारत की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के हालिया संकट ने देश के सामने एक गंभीर और असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है। क्या आज एक बड़ी एयरलाइन सरकार और नियामक से भी बड़ी हो चुकी है?

यात्रियों के लिए यह संकट किसी आपदा से कम नहीं रहा। एक ही दिन में हजार से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कई दिनों तक 300–400 उड़ानें प्रतिदिन या तो रद्द होती रहीं या घंटों की देरी से चलीं। हजारों लोग अपने इंटरव्यू, परीक्षाएं, मेडिकल अपॉइंटमेंट और जरूरी पारिवारिक कार्यक्रमों से चूक गए। किरायों का हाल और भी चौंकाने वाला रहा। जहां सामान्य दिनों में 5–6 हजार रुपये में मिलने वाली टिकटें 20–28 हजार रुपये तक पहुंच गईं। साफ था कि कम क्षमता और अधिक मांग का फायदा उठाकर किराये आसमान पर पहुंचा दिए गए। सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन तब तक यात्रियों की जेब से लाखों रुपये अतिरिक्त निकल चुके थे।

इस पूरे घटनाक्रम का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। भारतीय विमानन उद्योग देश की जीडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान देता है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 77 लाख लोगों को रोज़गार देता है। जब हवाई यातायात लड़खड़ाता है, तो उसका असर केवल एयरलाइंस तक सीमित नहीं रहता– होटल, टैक्सी, पर्यटन, कॉर्पोरेट यात्रा, कार्गो सेवाएं, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबार सभी प्रभावित होते हैं। सिर्फ कुछ दिनों की अव्यवस्था से ही उद्योग को हजारों करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान हुआ माना जा रहा है। इसका बोझ अंततः आम नागरिक और करदाताओं पर ही आता है।

निवेशकों और शेयरधारकों के लिए भी यह झटका कम गंभीर नहीं था। संकट के दौरान इंडिगो की मूल कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। कुछ ही दिनों में निवेशकों की हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति बाजार से मिट गई, जिन्हें अब तक लगता था कि विशाल बाजार हिस्सेदारी यानी सुरक्षा, उन्हें यह समझ में आ गया कि अत्यधिक एकाग्रता अपने साथ बड़ा जोखिम भी लाती है। यह संकट सिर्फ विमानन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर किसी भी आवश्यक सेवा– चाहे वह टेलीकॉम हो, यूपीआई पेमेंट सिस्टम हो, बिजली वितरण हो या बंदरगाह सेवाएं– पर कुछ गिनी-चुनी कंपनियों का अत्यधिक नियंत्रण हो जाए, तो एक छोटी सी चूक भी पूरे देश को ठप कर सकती है। यह 'कॉरपोरेट ऑटोक्रीसी' का खतरनाक रूप है, जहां निर्णय कुछ बोर्डरूम में होते हैं, लेकिन उसका असर करोड़ों लोगों की जिंदगी पर पड़ता है।

अंततः लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि न तो कोई व्यक्ति और न ही कोई कंपनी कानून से ऊपर हो सकती है। इंडिगो संकट ने यह साफ दिखा दिया कि अगर मोनोपॉली और कमजोर नियमन को समय रहते नहीं रोका गया, तो एक निजी कंपनी दो दिनों में पूरे देश के हवाई यातायात को ठप कर सकती है, यात्रियों, करदाताओं और निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है और सरकार को रक्षात्मक मुद्रा में ला सकती है।

सोशल फोरम

रेगिस्तान का फूल वारिस

यह कहानी एक ऐसी लड़की की है, जिसे पांच साल की उम्र में पकड़कर ज़मीन पर लिटा दिया गया था। न कोई दवाई, न बेहोशी, न साफ़-सफ़ाई— सिर्फ़ एक कुंद, खून से सना उस्तरा और एक चीख, जिसने सोमालिया के रेगिस्तान की हवा को चीर दिया। उसका नाम था वारिस डीरी, जिसका मतलब होता है रेगिस्तान का फूल। एक घुमंतू परिवार में पैदा हुई बच्ची।

कलम रंगदार
ब्लॉगर

फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन (FGM) यानी महिला जननांग अंगभंग। सबसे भयानक रूप, टाइप 3। सब कुछ काट दिया गया। सब कुछ सिल दिया गया। सिर्फ एक माचिस की तीली जितना छोटा छेद उससे सांस चलती रहे, शायद। उसकी बहन मर गई थी। उसकी कई चचेरी बहनें भी। वारिस बच गई, लेकिन दर्द उसके हर दिन, हर कदम के साथ रहा। तेरह साल की उम्र में उसके पिता ने उसे बेचने की कोशिश की- एक 60 साल के बूढ़े आदमी को, पांच ऊंटों के बदले।

तो वो भाग गई। नंगे पांव। अकेली। रेगिस्तान को पार करती हुई— न नक्शा, न खाना, न सुरक्षा। सिर्फ एक जज़्बाः ज़िंदगी चुनना, परंपरा नहीं। वो किसी तरह मोगादिशू पहुंची। फिर लंदन— एक नौकरानी बनकर। न भाषा आती थी, न स्कूल की पढ़ाई, न पैसे। सिर्फ जीने की जद्दोजहद और फिर एक दिन एक फोटोग्राफर ने उसे देख लिया। मैकडॉनल्ड्स में फर्श साफ़ करने से लेकर पेरिस और न्यूयॉर्क की रनवे तक। Chanel. L'Oral. Vogue. James Bond हर जगह उसका नाम चमकने लगा। शोहरत के सबसे ऊंचे मुकाम पर पहुंचकर, वारिस ने वह किया जो शायद ही कोई मशहूर इंसान करने की हिम्मत करता। उसने सच बोल दिया।

उसने दुनिया को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था और यह भी कि लाखों लड़कियों के साथ वही आज भी हो रहा है। उसकी आवाज़ ने दुनिया की चुप्पी तोड़ दी। यूएन ने उसे FGM खत्म करने के लिए स्पेशल एम्बेसडर बनाया। उसने Desert Flower लिखी- 1.1 करोड़ कॉपियां बिकीं। उसने Desert Flower Foundation शुरू किया। उसने यूरोप में सर्वाइवर क्लिनिक बनाए। उसने लाखों लड़कियों को बचाया। वह रेगिस्तान में पैदा हुई थी, लेकिन उसने सूखने से इनकार कर दिया। वह खिली और उसने यह सुनिश्चित किया कि लाखों और लड़कियां भी खिल सकें।

सामयिकी

मिट्टी में जहर से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

मृदा प्रदूषण तब होता है जब मनुष्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हानिकारक रसायन, भारी धातुएं या प्रदूषक पदार्थ मिट्टी में मिला देते हैं, जिससे न केवल मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है, बल्कि पूरा पारिस्थितिकी तंत्र और मानव स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

भारत में मृदा प्रदूषण अब एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मिट्टी की बिगड़ती सेहत चुपचाप कृषि उत्पादन को खोखला कर रही है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और भयावह बना रहा है। भारत आज अनाज में आत्मनिर्भर है, लेकिन अगर मिट्टी की गुणवत्ता इसी तरह घटती रही, तो आने वाले दशकों में हमें फिर से अनाज आयात करना पड़ सकता है। यदि अभी मिट्टी की सेहत सुधारने के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो खाद्य सुरक्षा पर संकट के साथ-साथ लाखों किसानों की आजीविका भी दांव पर लग जाएगी।

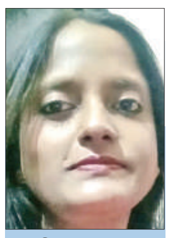

अंबिका कुशवाहा
लेखिका

मिट्टी की खराब गुणवत्ता का असर सिर्फ फसल पर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और सबसे बड़ी बात कि मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश की अधिकांश कृषि योग्य भूमि किसी-न-किसी रूप में मृदा प्रदूषण की चपेट में है और यह जहर अब हमारी थाली तक पहुंच चुका है। चावल में आर्सेनिक, गेहूं में कैडमियम, सब्जियों में सीसा (लेड) और कीटनाशकों के अवशेष लगातार बढ़ रहे हैं। इन्हें खाकर लोग बीमार हो रहे हैं, बच्चे कुपोषित पैदा हो रहे हैं और कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मृदा प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला है। अगर यही स्थिति रही तो एक दिन हमारी खेती की जमीन इतनी जहरीली हो जाएगी कि उसमें कुछ भी उगाना असंभव हो जाएगा। पंजाब का मालवा क्षेत्र (बठिंडा, फरीदकोट, संगरूर, मुक्तसर आदि) इसका जीता-जागता उदाहरण है। इसे 'भारत की कैंसर बेल्ट' कहा जाता है। यहां कैंसर के मामले राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक हैं। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई कैंसर से जूझ रहा है। इसका मुख्य कारण जहरीली मिट्टी में उगा अनाज और सब्जियां हैं, जो रोज लोगों की थाली में परोसे जा रहे हैं।

सरकार जैविक खाद को बढ़ावा दे रही है, लेकिन आज भी लाखों किसान अधिक पैदावार के लालच में यूरिया और खतरनाक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। लंबे समय तक इनका इस्तेमाल मिट्टी को बंजर बना रहा है। फैक्ट्रियां रात के अंधेरे में जहरीला पानी नदियों-नालों में छोड़ रही हैं, जो सीधे खेतों में पहुंच जाता है। शहरों में प्लास्टिक कचरा जलाने से निकलने वाला डाइऑक्सिन हवा के रास्ते मिट्टी में समा रहा है। सरकार ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य हर खेत की मिट्टी की जांच कर किसानों को उसकी सही स्थिति और सुधार के उपाय बताना है, लेकिन दुखद अधिकांश किसान इस योजना से अनजान हैं।

मृदा प्रदूषण रोकने के लिए अब कड़े और त्वरित कदम उठाने होंगे। रासायनिक उर्वरकों की जगह जैविक खाद और जैविक खेती को बड़े पैमाने पर अपनाना होगा। पेड़-पौधे लगाकर मिट्टी का कटाव रोका जाए साथ ही हर किसान अपनी मिट्टी का नियमित परीक्षण करवाए और उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करे। कचरे के सही निपटान और प्लास्टिक जलाने पर सख्ती हो। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय अपनाए जाएं। घरेलू जैविक कचरे से कंपोस्ट बनाकर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। हर नागरिक को मिट्टी बचाने के लिए प्रेरित किया जाए। अगर हम आज मिट्टी नहीं बचाएंगे, तो कल हमारी थाली में सिर्फ जहर ही होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

लंदन में 30 साल बाद फिर दिखा

DDLJ का जादू

साल 1995 में रिलीज हुई शाहरुख खान और काजोल की 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' आज भी बॉलीवुड की सबसे प्यारी और यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के दर्शकों ने इस फिल्म को दिल से अपनाया। इसी जुड़ाव को सम्मान देते हुए फिल्म के 30 साल पूरे होने पर एक बेहद खास पल रचा गया। 4 दिसंबर को लंदन के लेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की ब्रॉन्ज प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसे देखकर फैन्स पुरानी यादों में खो गए। यह मूर्ति Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" पब्लिक आर्ट ट्रेल का हिस्सा है और खास बात यह है कि इस प्रतिष्ठित परियोजना में जगह पाने वाली DDLJ पहली भारतीय फिल्म बन गई है। प्रतिमा में शाहरुख और काजोल को फिल्म के एक लोकप्रिय पोज में दिखाया गया है, जो उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री का प्रतीक बन चुका है। इस मौके ने न केवल बॉलीवुड की आइकॉनिक लव स्टोरी को फिर से जीवंत कर दिया, बल्कि भारतीय सिनेमाई संस्कृति को वैश्विक मंच पर एक बार फिर चमकाया। यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी याद दिलाती रहेगी कि DDLJ सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भावनाओं, प्यार और यादों का एक अनमोल सफर है।

बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं

मूर्ति के अनावरण के साथ ही लंदन के लेस्टर स्क्वायर में एक यादगार पल बन गया, जब शाहरुख खान और काजोल ने अपने किरदार राज और सिमरन के आइकॉनिक पोज को फिर से दोहराया। काजोल हल्के नीले रंग की साड़ी में बिल्कुल फिल्म वाली सादगी और मोहकता लिए नजर आईं, जबकि शाहरुख एक स्टाइलिश ओवरकोट में राज के क्लासिक लुक को फिर से जीवंत कर रहे थे। दोनों को इस रूप में देख फैन्स एक बार फिर DDLJ के सुनहरे दौर में पहुंच गए। शाहरुख ने इस खास अवसर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने सदाबहार डायलॉग का जिक्र किया- "बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती हैं, सेनोरिटा।" उन्होंने लिखा कि DDLJ के 30 साल पूरे होने पर राज और सिमरन की मूर्ति का अनावरण करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह भी खास है कि दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे पहली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसे Heart of London Business Alliance की "Scenes in the Square" ट्रेल में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ फिल्म की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का भी प्रमाण है। तीन दशक बाद भी DDLJ का जादू उसी तरह बरकरार है और यह ब्रॉन्ज मूर्ति उस अमर प्रेम कहानी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का खूबसूरत माध्यम बन गई है।

लंबे समय तक चलने वाली फिल्म

यह ब्रॉन्ज स्टैच्यू लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्टैच्यू से सम्मानित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है और हैरी पॉटर, मैरी पॉपिंस, पैडिंगटन और सिंगिन इन द रेन जैसी ऐतिहासिक फिल्मों के मशहूर किरदारों के साथ-साथ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे हीरो के साथ जुड़ गई है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य चोपड़ा ने किया था और ये हिंदी सिनेमा की थिएटर्स में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। अभी भी मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमाघर में ये फिल्म चलती है। शाहरुख ने इस पिक्चर में राज और काजोल ने सिमरन का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी और प्रेम कहानी फैंस को काफी पसंद आई थी।

फिल्म की कमाई

DDLJ के लिए शाहरुख खान और काजोल को भारत के बाहर दूसरे देशों में भी जाना जाता है। इसमें इन दोनों के अलावा अमरीश पुरी, अनुपम खेर, फरीदा जलाल, मंदिरा बेदी और करण जौहर भी नजर आए थे। न सिर्फ लोगों के दिलों में बल्कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी राज किया था और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। सैकनिल्क के अनुसार इस पिक्चर का बजट सिर्फ 4 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड फिल्म ने 102.50 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

ओटीटी प्लेटफार्म

बीस्ट इन मी

"बीस्ट इन मी" एक अमेरिकन अपराध फिल्म है, जिसमें मानव मनोविज्ञान के बहुत क्लिष्ट पहलुओं को छुआ गया है। क्या वो आदमी अपराधी है, जो यह जानता या मानता ही नहीं कि उसका किया गया कर्म अपराध है? कोई कर्म समाज या किसी नियम के अंतर्गत ही तो अपराध होता है। यदि किसी को लगे ही नहीं कि उसके द्वारा किया गया कर्म अपराध होगा, तो उसका कितना दोष होगा? यदि कोई प्रेम वश आपको दुख मुक्त करने लिए कुछ करे, तो क्या उस अपराध में आप दोषमुक्त रह जाएंगे?

एक लेखिका अपने पड़ोस में रहने आए एक व्यक्ति, जिसको सारा शहर उसकी पत्नी का हत्यारा मानता है, परंतु पत्नी की लाश न मिलने के कारण उसे कानूनन हत्यारा नहीं माना जा सका है, के बारे में एक पुस्तक लिखने का कॉन्ट्रैक्ट लेती है, जो उस आदमी से लिए गए इंटरव्यूज पर आधारित होगी। वह व्यक्ति सोचता है कि वह अपनी बातों और व्यक्तित्व से लेखिका को प्रभावित करके स्वयं को निर्दोष सिद्ध करवा लेगा। लेखिका सोचती है इस प्रकार सभी संबंधित लोगों और पुलिस/एफबीआई से बात करके उसे वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। कहानी के और भी कई पात्र हैं, जैसे उस व्यक्ति का भाई, पिता, दूसरी जीवित पत्नी, लेखिका की महिला पत्नी, FBI के एजेंट्स इत्यादि और सबकी अपनी-अपनी कहानियां हैं, जो उस व्यक्ति की कहानी से कहीं न कहीं जुड़ती हैं। वह व्यक्ति कातिल है या नहीं और कहानी किस तरह चलती है, इसके लिए आपको आठ एपिसोड्स देखने पड़ेंगे। अंत में लेखिका का प्रतिवेदन, जिसकी एकाध लाइन मैंने ऊपर उद्धृत की है, मनोविज्ञान का पाठ है।

पात्रों में मुख्य पात्र यानी संभावित कातिल व्यक्ति के चरित्र को बहुत अच्छी तरह जिया है मैथ्यू रिस ने,लेखिका के रोल में क्लेयर डेंस ने अच्छा अभिनय किया है, परंतु उसके हाव-भाव भारतीयों से मेल नहीं खाते इसलिए कई बार समझ में नहीं आते।

कहानी लेटस्टार्ट होती है, पर फिर गति पकड़ लेती है, संगीत बहुत सहायक है, हिंदी डबिंग अच्छी हुई है। कुछ भी हो पर साधारण परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक पक्ष दुरूह हो सकता है, यह बात "बीस्ट इन मी" बड़ी स्टाइल से कहती है।

समीक्षकः
ब्रज राज नारायण सक्सेना

जिंदगी का सफर

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी, जिन्हें अक्सर 'ड्रीम गर्ल' के खूबसूरत नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक बहुमुखी और स्थायी हस्ती हैं। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक निपुण भरतनाट्यम नृत्यांगना, फिल्म निर्माता, निर्देशक और एक सक्रिय राजनीतिज्ञ भी हैं। उनका जीवन कला, सुंदरता, दृढ़ संकल्प और सार्वजनिक सेवा का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के अम्मानकुडी में हुआ था। उनकी मां, जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं और पिता वीएसआर चक्रवर्ती थे।

माता-पिता के मार्गदर्शन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमा ने बहुत कम उम्र से ही शास्त्रीय नृत्य, विशेषकर भरतनाट्यम, सीखना शुरू कर दिया था और जल्द ही एक कुशल नृत्यांगना बन गईं।

एक तमिल फिल्म में अस्वीकार किए जाने के शुरुआती असफलताओं के बावजूद, हेमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने 1968 में राज कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपनी शुरुआत की। उनकी सफलता 'जॉनी मेरा नाम' (1970) जैसी फिल्मों से शुरू हुई और 1970 का दशक, उनके स्टारडम का गवाह बना। उन्होंने 'सीता और गीता' (1972) जैसी फिल्मों में दोहरी भूमिकाओं के साथ साबित किया कि उनकी अभिनय की रेंज कितनी ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता।

रमेश सिप्पी की क्लासिक कल्ट 'शोले' (1975) में 'बसंती' के रूप में उनका किरदार आज भी भारतीय सिनेमा के यादगार किरदारों में से एक माना जाता है। उन्होंने धर्मेंद्र, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन सहित उस समय के सभी प्रमुख अभिनेताओं के साथ काम किया। फिल्मों में अपने सह-कलाकार धर्मेंद्र के साथ उनका रिश्ता परवान चढ़ा। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने 1980 में शादी की। उनकी दो बेटियां, ईशा देओल और आहना देओल हैं। हेमा फिल्म निर्माता भी बनीं। उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'दिल आशना है' (1992) का निर्देशन किया। 2000 के दशक में हेमा मालिनी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

भारतीय सिनेमा में उनके अपार योगदान के लिए उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'पद्म श्री' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। सुंदरता, प्रतिभा और गरिमा के साथ, हेमा मालिनी भारतीय मनोरंजन जगत में एक सच्ची और स्थायी किंवदंती बनी हुई हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: पद्मिनी शर्मा
टाउन: कानपुर
एजुकेशन: 12वीं की छात्रा
अचीवमेंट: मिस टैलेंटेड मिस कानपुर 2025
ड्रीम: नेशनल मॉडलिंग स्टेज पर UP का प्रतिनिधित्व करना

बीओएम ने खुदरा ऋण दरों में की कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने रविवार को रेपो से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) से जुड़े ऋणों में 0.25% की कटौती की घोषणा की है। रिजर्व बैंक के रेपो दर में 0.25% की कटौती के बाद यह फैसला लिया गया। बीओएम ने कहा कि संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10% ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 प्रतिशत से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है।

बिजनेस ब्रीफ

नाल्को जल्द शुरू करेगा पोटांगी बॉक्साइट खदान

नई दिल्ली। नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) अगले साल जून तक ओडिशा में अपनी पोटांगी बॉक्साइट खदान शुरू करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को खनन क्षमता बढ़ाने और एकीकृत एल्यूमिनियम कारोबार के विस्तार का लक्ष्य पूरा करने में मदद मिलेगी। पोटांगी बॉक्साइट खदान के विकास और संचालन के लिए दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एल-1 बोलीदाता चुनी गई है। नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अगले साल जून तक खदान शुरू हो जाएगी।

वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श नहीं हुआ जारी : एमएनआरई

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रविवार को साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है। मंत्रालय ने रविवार को यह कहा। यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया, जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है।

सीएट की वैश्विक बाजार पर नजर, बना रहा विशेष टायर

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली कंपनी सीएट विभिन्न वैश्विक बाजारों के लिए खास तौर से टायर बना रही है, ताकि यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाया और खुद को वैश्विक ब्रांड बनाया जा सके। आरपीजी समूह के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने यह बात कही। आरपीजी समूह की इस कंपनी की कुल आय में निर्यात की 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है और आने वाले कुछ सालों में ये हिस्सा बढ़ने की उम्मीद है। गोयनका ने कहा कि हम अंतर्राष्ट्रीय वृद्धि पर बहुत ध्यान दे रहे हैं- अमेरिका में वृद्धि, यूरोप में वृद्धि। हमारा लक्ष्य वैश्विक ब्रांड बनना है।

फेड-एफआईआई डालेंगे बाजार पर असर

भारत के सीपीआई आंकड़ों पर और रुपये की चाल पर बारीकी से नजर रखेंगे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 9-10 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

उन्होंने कहा कि एफओएमसी के फैसले के साथ ही प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। नौ दिसंबर को जारी होने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों से अमेरिकी श्रम बाजार के बारे में पता चलेगा। पि

पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने 11,820 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। पहले हफ्ते में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 11,820 करोड़ रुपये निकाले। इसका मुख्य कारण रुपये का तेज अवमूल्यन है। नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी के बाद ये तेज बिकवाली हुई है और इससे बाजार पर दबाव बढ़ा है। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 14,610 करोड़ की लिवाली की थी, जिससे तीन महीने की भारी बिकवाली का क्रम टूटा। सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले गए थे। एनएसडीएल के अनुसार इस महीने के पहले हफ्ते में एफपीआई ने इक्विटी से 11,820 करोड़ की शुद्ध निकासी की। इससे 2025 में कुल निकासी 1.55 लाख करोड़ हो गई। विश्लेषकों के अनुसार ताजा बिकवाली का मुख्य कारण मुद्रा संबंधी चिंताएं हैं। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि इस साल रुपया 5% कमजोर हुआ है, जिससे एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। एफपीआई की निकासी के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 19,783 करोड़ की खरीदारी की।

शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 72,285 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में पांच का कुल बाजार मूल्यांकन पिछले हफ्ते 72,284.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इंफोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। इस दौरान भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन बढ़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टुब्रो और एलआईसी में गिरावट हुई।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई में तेजी से कुल ऋण वृद्धि मजबूत

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। शेट्टी ने कहा कि हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18 प्रतिशत और कृषि तथा खुदरा में करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा कि कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है। रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत ब्याज दर में 25 आधार अंक की और कटौती से ऋण सस्ते होंगे और नई मांग को बल मिलेगा।

शीतकालीन पुनर्भंडारण के कारण कोकिंग कोयले का आयात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्टूबर में कोयला आयात में मिश्रित रुझान देखा गया, जिसमें सामान्य कोयले के आयात में गिरावट आई जबकि कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि हुई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रही। वहीं, कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 लाख टन से बढ़कर पांच लाख टन हो गया। यह बढ़ोतरी मुख्यतः इस्पात उद्योग द्वारा सर्दियों में भंडारण बढ़ाने की गतिविधियों के कारण हुई।

कोकिंग कोयला इस्पात उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल कोयला आयात 3.9 प्रतिशत घटकर 2.09 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 2.18 करोड़ टन था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, इस्पात निर्माता आमतौर पर सर्दियों से पहले कोकिंग कोयले की खरीद बढ़ाते हैं, ताकि सर्दियों में उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रह सके, जब परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संभावित बाधाएं रहती हैं। इसी मौसमी मांग के कारण, सामान्य कोयले के आयात में धीमापन के बावजूद कोकिंग कोयले के आयात में वृद्धि देखी गई। कुल कोयला आयात में गिरावट का मुख्य कारण घरेलू बाजार में कोयले की अधिक उपलब्धता रहा। कोकिंग कोयले के आयात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अक्टूबर में 45 करोड़ टन से बढ़कर 50.4 लाख टन हो गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों में भंडारण करने की गतिविधियां रही।

- बाजार में अधिक उपलब्धता बनी कुल कोयला में गिरावट का मुख्य कारण

सोने की चमक बरकरार, इस साल दिया 67 % रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉण्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

- रुपया कमजोर हुआ तो 2026 में सोने की कीमत पांच से 16% चढ़ सकती हैं

रुपये की कमजोरी ने सोने की कीमतों में और इजाफा किया

सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों पर कलंत्री ने कहा कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का महत्वपूर्ण कारक रही हैं। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। अगले साल के परिदृश्य के बारे में कलंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये-डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने बरता संयम

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया

लेह, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल और भी बहुत कुछ कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया का विकल्प चुना। सिंह ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन ने भारतीय सेना की क्षमता और अनुशासन को रेखांकित किया, जिन्होंने बिना तनाव बढ़ाये आतंकी खतरों को बेअसर कर दिया।

रक्षामंत्री सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने अपने सशस्त्र बलों, नागरिक प्रशासन और सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के बीच जो समन्वय देखा, वह अविश्वसनीय था। मैं लद्दाख और सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रत्येक नागरिक के प्रति हमारे सशस्त्र बलों को अपना समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

लेह में परियोजनाओं के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य लोग

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि अगर हम चाहते तो और भी बहुत कुछ कर सकते थे, लेकिन हमारे बलों ने ना केवल वीरता, बल्कि संयम का भी परिचय दिया और केवल वही किया जो जरूरी था। इतना बड़ा ऑपरेशन मजबूत कनेक्टिविटी से ही संभव हो पाया। इसलिए, कनेक्टिविटी को केवल नेटवर्क, ऑप्टिकल फाइबर, ड्रोन और रडार तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा की रीढ़ माना जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर वह देश के किसी भी कोने में सशस्त्र बलों से मिल पाते हैं, तो यह मजबूत संचार नेटवर्क और कनेक्टिविटी की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि संचार को सिर्फ बुनियादी ढांचे के लिहाज से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक बहुत व्यापक शब्द है। शांति, सद्भाव और समाज की समझ के लिए संचार जरूरी है।'' उन्होंने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास लद्दाख समेत सभी सीमावर्ती इलाकों के साथ संचार और कनेक्टिविटी को मज़बूत करना रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सीमावर्ती इलाकों के समग्र विकास के लिए पूरे उत्साह से काम कर रही है।

बेहतर कनेक्टिविटी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक विकास को भी दे रही गति

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार, हमारे सशस्त्र बल और बीआरओ जैसे संगठन आपके साथ खड़े हैं। हमें बस इस संबंध को मजबूत करते रहना है ताकि हमारे संबंध किसी बाहरी तत्व से प्रभावित ना हो। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी ना सिर्फ सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति दे रही है। वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि मजबूत संचार और कनेक्टिविटी नेटवर्क एक प्रमुख कारक रहे हैं, जिसे सरकार की विकास-समर्थक नीतियों और राष्ट्रव्यापी सुधारों का समर्थन प्राप्त है।

5,000 करोड़ से हुआ परियोजनाओं का निर्माण

रक्षामंत्री ने भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

विशाल गीता पाठ में लाखों लोग शामिल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के ''ब्रिगेड परेड ग्राउंड'' में आयोजित भागवत गीता पाठ समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा। इस कार्यक्रम में भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। स्वामी प्रदीप्तानंद तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख हस्तियां भी समारोह में शामिल हुई।

''पंच लाखो कोंठे गीता पाठ'' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भागवत गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की। प्रदीप्तानंद ने कहा कि लाखों लोगों का एकत्रित होना स्वतःस्फूर्त था और इसमें किसी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं थी।

कोलकाता में आयोजित गीता पाठ में शामिल साधु-संत।

कबीर करेंगे एक लाख लोगों संग कुरान ख्वानी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को कहा कि वह फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' (कुरान पढ़ना) का आयोजन करेंगे। मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद की नींव रखने वाले कबीर ने कहा कि वह सभी प्रतिभागियों को मांस और चावल का भोज देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में कहा कि मैं फरवरी में एक लाख लोगों के साथ 'कुरान ख्वानी' करूंगा। इसके बाद मस्जिद का निर्माण होगा।

लोकसभा में चर्चा के दौरान नेहरू की असलियत आएगी सामने : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा- कांग्रेस ने पटेल, आंबेडकर, बोस की विरासत को समाप्त करने की कोशिश की

भाजपा ने रविवार को कहा कि राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की वर्षगांठ पर लोकसभा में होने वाली चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू की ''असलियत'' सामने आ जाएगी। पार्टी ने सोनिया गांधी के इस आरोप को लेकर उन पर निशाना साधा कि सत्तारूढ़ गठबंधन का मुख्य उद्देश्य नेहरू को बदनाम करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू की विरासत को जीवित रखने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीम राव आंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की विरासत को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष से नेहरू-गांधी परिवार को बढ़ावा देना बंद करने को कहा। पुरी से भाजपा सांसद ने दिल्ली में कहा कि जहां तक नेहरू की विरासत को खत्म करने का सवाल है, तो 'नेशनल हेराल्ड' मामले में जमानत पर बाहर आए तथाकथित वर्तमान गांधी परिवार के अलावा उनकी विरासत को सबसे बेहतर तरीके से कौन खत्म कर सकता है। उनका इशारा सोनिया और उनके बेटे राहुल गांधी की ओर था। गांधी परिवार का नाम लिए बिना पात्रा ने कहा कि हाल में उनके खिलाफ 'नेशनल हेराल्ड' पर कथित रूप से कब्जा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। 'नेशनल हेराल्ड' की शुरुआत नेहरू ने की थी।

पात्रा ने कहा कि अगर वे नेहरू की विरासत को कलंकित नहीं कर रहे हैं, तो फिर ऐसा करने की कोशिश कौन कर रहा है? जब कल संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगी, तो मुझे लगता है कि नेहरू जी की असलियत सभी के सामने आ जाएगी, वह फिर से बेनकाब हो जाएंगे।

वांगचुक की पत्नी की याचिका पर आज होगी शीर्ष सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत उनके पति को हिरासत में लिए जाने को अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली मनमानी कार्रवाई बताया गया है। इस मामले की सुनवाई संभवतः न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ करेगी।

पीठ ने 24 नवंबर को मामले की सुनवाई उस वक्त टाल दी थी जब केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वांगचुक की पत्नी के जवाब पर अपना पक्ष रखने (रिज्वाइंडर) के लिए मोहलत मांगी। शीर्ष अदालत ने 29 अक्टूबर को वांगचुक की पत्नी की संशोधित अर्जी पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। संशोधित अर्जी के मुताबिक, हिरासत का आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और अनुमानों पर आधारित है, इसका हिरासत के कथित आधारों से कोई सीधा या करीबी संबंध नहीं है और इसलिए इसका कोई कानूनी या तथ्यात्मक औचित्य नहीं है...।

जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को नकारा : शाह

- केंद्रीय गृहमंत्री ने किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

1,500 करोड़ में बने तीन खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के कार्यक्रम में शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं। शाह ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र भाई लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कई दशकों के बाद एक रिकॉर्ड बनाया।

अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते केंद्रीय मंत्री अमित शाह।

2030 में राष्ट्रमंडल और 36 में ओलंपिक की करेंगे मेजबानी

अहमदाबाद के लोगों से शाह ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार रहने की अपील की। शाह ने कहा कि खेल सुविधाओं, कोचिंग व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, शहर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और आवास सुविधाओं को देखते हुए, 2030 राष्ट्रमंडल खेल अहमदाबाद में होंगे।" उन्होंने कहा, "यह भी तय हो गया है कि 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल शहर में आयोजित किए जाएंगे। अहमदाबाद में 13 अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होने हैं। और तैयार हो जाइए, क्योंकि 2036 ओलंपिक भी अहमदाबाद में ही आयोजित होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी से निकले लावा के तीन फव्वारे

होनोलुलु। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने रविवार को कहा कि हवाई के किलाउआ ज्वालामुखी में 38वें विस्फोट के दौरान लावे के तीन फव्वारे फूटे हैं जिनमें से एक फव्वारा 1,200 फीट की ऊंचाई तक जा रहा है। मौजूदा विस्फोट के दौरान पहली बार लगभग बराबर आकार के तीन फव्वारे फूट निकले हैं। यूएसजीएस ने कहा, वर्तमान में तीनों छिद्रों से फव्वारे निकल रहे हैं। दक्षिणी फव्वारा लगभग 1200 फीट ऊंचा है जबकि दो फव्वारे 500 फीट के आस पास हैं। इन फव्वारों में से दो उत्तरी छिद्र से और एक दक्षिणी छिद्र से है। यह तिहरा फव्वारा एक अत्यंत दुर्लभ घटना है और इस विस्फोट के दौरान ऐसा पहली बार देखा गया है। किलाउआ विश्व के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है। यह हवाई द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है।

अमेरिका का नशीले पदार्थों के विरुद्ध अभियान ढोंग: क्यूबा

हवाना। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने कहा कि होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को दी गई माफी यह दर्शाती है कि अमेरिकी सरकार की ओर से घोषित नशीले पदार्थों के विरुद्ध युद्ध एक ढोंग है। नशीले पदार्थों की तस्करी और अन्य आरोपों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 साल जेल की सजा पाने वाले हर्नांडेज को ट्रंप प्रशासन से आधिकारिक माफ़ी मिलने के बाद सोमवार को रिहा कर दिया गया था। रोड्रिगेज ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का तथाकथित ड्रग-विरोधी अभियान वेनेजुएला की वैध सरकार को उखाड़ फेंकने का एक बहाना है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह माफी अमेरिकी सरकार और उसकी एजेंसियों की नशीले पदार्थों के एक विशाल बाजार के साथ मिलीभगत को उजागर करती है, जो उनके ही अपने ही देश में लाखों लोगों की जान ले रहा है।

अमेरिका से 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 खरीदेगा रोमानिया

चिसिनाउ। रोमानिया अमेरिका से 6.5 अरब डॉलर में 32 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान खरीदने जा रहा है। रोमानियाई रक्षा मंत्रालय की डिफेंस रोमानिया न्यूज़ वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि यह देश के इतिहास का सबसे महंगा समझौता होगा। एफ-35 खरीद कार्यक्रम को पूरी तरह रक्षा मंत्रालय के बजट से फंड दिया जाएगा। इसे पहले ही राष्ट्रीय रक्षा की सर्वोच्च परिषद से मंज़ूरी मिल चुकी है। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के बाद यह सौदा दस्तावेज़ीकरण के आखिरी चरण में है। इससे पूर्व, रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रोमानियाई सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण दो चरणों में किया जाएगा।

भारत हमास को आतंकी संगठन घोषित करे तो पड़ेगा बड़ा प्रभाव

यरुशलम, एजेंसी

- इजराइली विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा- दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर

इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को बेहतरीन करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के अनंत अवसर मौजूद हैं।

इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, इजराइल भारत के साथ-साथ बाकी दुनिया पर भी हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए दबाव डाल रहा है। अधिकारी ने कहा कि भारत अगर हमास को सूचीबद्ध करता है तो इसका एक मजबूत वैश्विक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।

विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के अनंत अवसर हैं। आईएमईसी परियोजना के बारे में अधिकारी ने कहा, इजराइल के लिए यह एक बहुत ही अच्छी पहल। हम इस पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। फिलहाल, दो देश ऐसे हैं जो हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं - जॉर्डन और इजराइल।

इंडिगो संकट के कौन जिम्मेदार

भारतीय विमानन क्षेत्र के इतिहास में 2 दिसंबर 2025 का दिन काले अध्याय के रूप में जुड़ गया। इसी दिन से देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होनी शुरू हुईं और यह सिलसिला अब तक बरकरार है। इस बीच हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द होने से देश-विदेश के हजारों यात्री देश के अलग-अलग हवाई अड्डों पर फंस गए। कुछ यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई असंभव थी। इस पूरे घटनाक्रम से पूरी दुनिया में भारतीय विमानन की साख धराशायी हो गई, हैरतअंगेज यह भी रहा कि कोई जिम्मेदारी लेने आगे नहीं आया। इस घटनाक्रम ने भारत में हवाई यात्रा के नए जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। सरकार ने अपने कुछ उन फैसलों को रद्द किया है जिन्हें संकट का प्रमुख कारण कहा गया, लेकिन इसे भविष्य में दोबारा ऐसा संकट खड़ा न होने की गारंटी नहीं माना जा रहा है।

हवाई यात्रा के नए जोखिम

संकट के प्रमुख कारण

- डीजीसीए की ओर से पायलटों के आराम के घंटे बढ़ाने और उड़ान के घंटों को सीमित करने के सख्त नियमों से एयरलाइन के रोस्टर पर प्रभाव पड़ा।
- इंडिगो ने महीनों बाद भी पर्याप्त पायलटों और चालक दल की भर्ती नहीं की, जिसके चलते नियमों के लागू होते ही कर्मचारियों की भारी कमी हो गई।
- एयरलाइन ने लागत कम करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी रखने में रुचि नहीं दिखाई और नए नियमों के अनुसार परिचालन में विफल हो गई।

जिम्मेदारी और सवाल

- डीजीसीए ने सीधे तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को योजना, निरीक्षण और संसाधन प्रबंधन में महत्वपूर्ण चूक के लिए जिम्मेदार ठहराया है।
- एयरलाइन अपने मौजूदा नेटवर्क के लिए नए मानदंडों के तहत जरूरी चालक दल की संख्या का सही अनुमान लगाने और प्रबंधन करने में विफल रही।
- विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि डीजीसीए को नियमों को चरणबद्ध तरीके से लागू करते समय एयरलाइंस की तैयारियों पर बेहतर निगरानी रखनी चाहिए थी।
- भारतीय विमानन बाजार में गहरी संरचनात्मक विफलता, जहां तीव्र विकास के साथ बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन में निवेश तालमेल नहीं बैठा पाए हैं।

भविष्य के जोखिम

- भारत के घरेलू यात्री यातायात में इंडिगो की 60% से अधिक हिस्सेदारी है, इस एयरलाइन में कोई भी व्यवधान बड़े प्रभाव छोड़ सकता है।
- यह एकाधिकार और प्रणालीगत विफलता का उदाहरण है, एक एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में फिर संकट खड़ा कर सकती है।
- ताजा संकट के दौरान छोटे मार्गों पर भी टिकट की कीमतें 1.5 लाख रुपये से अधिक हो गईं, इससे यात्रियों के शोषण की मंशा उजागर हुई।
- पायलट यूनियनों और पूर्व नियामकों ने आरोप लगाया है कि एयरलाइन प्रबंधन ने परिचालन व्यवस्था की कीमत पर स्टाफ के हित की अनदेखी की।

अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

- हवाई अड्डों पर फंसे यात्रियों और अव्यवस्था के वीडियो सोशल मीडिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल हुए।
- भारतीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरी उजागर हुई जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए किस्म की चिंताएं पैदा हुईं।
- विदेशी यात्रियों और एयरलाइनों के बीच भारतीय घरेलू बाजार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने की आशंका भी पैदा हुई।

बेनिन में सैनिक विद्रोह, तख्तापलट करने की कोशिश विफल, गोलीबारी

सरकारी टीवी पर राष्ट्रपति को हटाने का एलान, सशस्त्र बलों ने पाया नियंत्रण

कॉन्टोनू, एजेंसी

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है। सैनिकों के एक समूह ने इससे पहले विद्रोह शुरू करते हुए सरकारी टीवी पर आकर राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को बर्खास्त करने का एलान किया। इस बीच राष्ट्रपति आवास के पास गोलीबारी भी हुई लेकिन बाद में गृहमंत्री ने घोषणा की कि तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है।

गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, बेनिनी के सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे और इस स्थिति का सामना किया। उन्होंने तख्तापलट की कोशिशों को विफल कर दिया है। पश्चिम अफ्रीकी देशों में सिलसिलेवार तरीके से तख्तापलट होते रहे हैं। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है।

इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाए जाने की घोषणा की। समूह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पास्कल तिगरी को सैन्य समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सरकारी टीवी पर तख्तापलट का एलान करते बेनिन की सेना के अधिकारी।

आजादी मिलने के बाद कई बार हो चुके हैं तख्तापलट

वर्ष 1960 में फ्रांस से आजादी मिलने के बाद पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बेनिन ने तख्तापलट की कई घटनाओं को देखा है। ताजा घटनाक्रम में राष्ट्रपति पैट्रिस टैलोन 2016 से सत्ता में थे और अगले साल अप्रैल में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उन्हें पद छोड़ना था। टैलोन की ही पार्टी के उम्मीदवार, पूर्व वित्त मंत्री रोमुआल्ड वडाग्नि को चुनाव जीतने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। देश में तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच विपक्षी उम्मीदवार रेनॉड अगबोडजो की उम्मीदवारी को निर्वाचन आयोग ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उनके पास पर्याप्त प्रायोजक नहीं थे। इस घटना के बाद से बेनिन में राजनीतिक उथलपुथल बढ़ने लगी थी। पिछले महीने देश की विधायिका ने राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष कर दिया था तथा कार्यकाल सीमा दो ही रखी थी। इससे राजनीतिक उथलपुथल ने और जोर पकड़ा। इसी के बाद नतीजा अचानक तख्तापलट की कोशिशों के रूप में सामने आया।

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों का आर्थिक समुदाय और अफ्रीकी संघ, इस घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। यह प्रयास ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति टैलोन अगले साल अप्रैल में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद पद छोड़ने वाले थे। इस घटना से बेनिन में लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

राष्ट्रपति आवास पर तड़के हमला, राष्ट्रीय चैनल पर किया कब्जा

तख्तापलट के प्रयास की शुरुआत राजधानी पोर्टो-नोवो में राष्ट्रपति तालोन के आधिकारिक आवास पर तड़के हुए हमले से हुई। इसके तुरंत बाद, खुद को 'पुनर्निर्माण के लिए सैन्य समिति' कहने वाले सैनिकों ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर कब्ज़ा कर लिया और राष्ट्रपति तालोन को सत्ता से बेदखल करने की घोषणा कर दी। साल 2016 से सत्ता में शीर्ष पर रहे राष्ट्रपति तालोन के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे देश के शासक की वास्तविक स्थिति को लेकर भ्रम बना हुआ है। हालांकि, इन्हीं खबरों के बीच राष्ट्रपति पैट्रिस तालोन के कार्यालय की ओर से एक बयान में रविवार को दावा किया गया कि वे सुरक्षित हैं और सरकारी बलों ने स्थिति पर काबू पाने के साथ तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। बेनिन के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में तख्तापलट का प्रयास किया गया था लेकिन सेना की मदद से इसे नाकाम कर दिया गया। इस बीच, राजधानी में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि राष्ट्रपति आवास के पास स्थित 'कैंप गेज़ो' में गोलीबारी हुई है। पूरे दिन स्थिति साफ नहीं हो सकी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की ओर से इस स्थिति पर चिंता जताई गई है।

शंघाई में अत्याधुनिक भवन में पहुंचा भारत का वाणिज्य दूतावास

बीजिंग। भारत ने शंघाई स्थित अपने वाणिज्य दूतावास के नए अत्याधुनिक भवन का रविवार को उद्घाटन किया। भारत ने चीन के मुख्य व्यापारिक केंद्र स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को 32 साल में पहली बार दूसरे भवन में स्थानांतरित किया है।

शंघाई वाणिज्य दूतावास चीन के पूर्वी क्षेत्र में भारत के तेजी से बढ़ते व्यापारिक समुदाय की सेवा करता है, जहां यिवू जैसे शीर्ष व्यापार और व्यवसाय केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में भारतीय व्यवसाय मौजूद हैं। चांगनिंग जिले के प्रमुख डॉनिंग सेंटर में 1,436.63 वर्ग मीटर में फैले विशाल नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने किया। यह भवन पिछले भवन के आकार की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। वाणिज्य दूतावास 8 दिसंबर को नए परिसर से काम शुरू कर देगा। रावत ने 1992 के बाद पहली बार वाणिज्य दूतावास के उद्घाटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि भारत और चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों को निशाने पर लिया, तनाव और बढ़ा

टोक्यो, एजेंसी

- जापान ने चीन के समक्ष जताया विरोध, खतरनाक कृत्य बताया

चीनी विमानवाहक पोत लिया ओनिंग से उड़ान भरने वाले सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, इस पर जापान ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच पहले से चल रहा तनाव और गहराता दिखने लगा है।

रडार लॉक का मतलब है कि किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर रडार लॉक किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। यह स्पष्ट नहीं है कि रडार लॉक करने की घटना में दोनों बार वही चीनी जे-15 विमान शामिल था या नहीं।

जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने रविवार की सुबह पत्रकारों से कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया है और इसे एक खतरनाक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, ऐसी घटना का होना अत्यंत निंदनीय है। हमने चीनी पक्ष के समक्ष सख्त विरोध जताया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने मांग की है।

अमूर्त विरासत संस्कृति की सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति : जयशंकर

लाल किला परिसर में यूनेस्को की बैठक में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की साझा खोज में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा।

यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

दिल्ली में यूनेस्को की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर।

शांति वार्ता के बीच रूस ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर भी किया कब्जा

मॉस्को, एजेंसी

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसके त्सेन्ट्र बैटलग्रुप ने यूक्रेन की रोवनोये बस्ती पर कब्जा कर लिया है। यह समूह दिमित्रोव में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रहा है और डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक में ग्रिशिनो क्षेत्र को सैनिकों से मुक्त करा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि त्सेन्ट्र बैटलग्रुप की इकाइयों ने 'डोनेट्स्क पीपल्स रिपब्लिक की रोवनोये बस्ती को आजाद कराने का काम पूरा कर लिया है। रूसी सेना ने इस क्षेत्र के एक और गांव को घेर लिया है। बैटलग्रुप ने दावा किया है कि शनिवार को विभिन्न मोर्चों पर उसके अभियान में 480 यूक्रेनी सैन्यकर्मी मारे गए हैं। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जबकि युद्ध खत्म करने के लिए शांति वार्ता तेज हो गई है, जिसमें मियामी में यूक्रेन-अमेरिका के बीच विस्तृत बातचीत भी शामिल है।

रूसी हमलों में एक की मौत: रविवार रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में यूक्रेन में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच तीसरे दिन की वार्ता समाप्त हो गई है।

बंकरों-चौकियों के निर्माण में सेना ने शुरू किया थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

गंगटोक, एजेंसी

- भूभाग डिजाइन ,उन्नत छलावरण जरूरतों के अनुरूप है ये तकनीक

भारतीय सेना ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के सहयोग से सिक्किम के अग्रिम इलाकों में बंकरों, संतरी चौकियों और सुरक्षात्मक संरचनाओं के त्वरित निर्माण के लिए 'ऑन-साइट थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। रक्षा विभाग की ओर से यह जानकारी दी गई।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह क्षमता पहले ही अन्य अभियानगत क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित कर चुकी है और अब सिक्किम के 'त्रिशक्ति कोर' ने इसका प्रभावी उपयोग शुरू किया है। बयान में कहा गया, स्वदेशी 'रोबोटिक थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटर' रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर से लैस है। इसे वाहनों से पहाड़ी इलाकों में तीव्र गति से लाया-ले जाया जा सकता है।

बयान में कहा गया है कि थ्री-डी कंक्रीट प्रिंटिंग अनुकूलित डिजाइन, विस्फोट और बैलिस्टिक प्रतिरोध में वृद्धि, अधिक दाब-सहनशीलता, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण, स्थानीय सामग्री के प्रभावी उपयोग और सामरिक रूप से स्वीकार्य समय-सीमा के भीतर तेज निर्माण सहित कई परिचालन लाभ प्रदान करती है। यह भू-भाग-विशिष्ट डिजाइन और उन्नत छलावरण आवश्यकताओं के भी अनुरूप है।

कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण इलाकों में तेज, टिकाऊ और मिशन-केंद्रित आधारभूत संरचना विकसित करने में सक्षम 'ऑन-साइट 3डी प्रिंटिंग' का निरंतर उपयोग सेना की इंजीनियरिंग और परिचालन क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 16.03 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

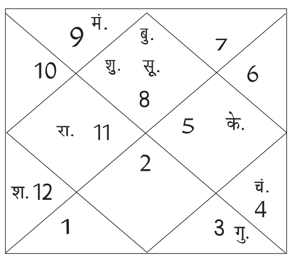

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 09 दिसंबर 02.52 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष: आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है। अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें।

वृष: आज घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा।

मिथुन: आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

कर्क: आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। पिता के साथ चर्चा व उनका आशीर्वाद लेना उत्तम होगा।

सिंह: आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

कन्या: आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है।

तुला: आज सहकर्मियों के साथ आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। रुचि पूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

वृश्चिक: आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। दोस्तों के साथ बिजनेस पार्टनरशिप को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक व्यर्थ करेंगे।

धनु: आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है।

मकर: आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी।

कुंभ: आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं।

मीन: आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट व मधुर होंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें।

सुडोकू -184

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3	4				
4			1					
				9				
2								
				2				
	1							
		5	8					

सुडोकू - 183 का हल

1	9	2	3	7	4	5	6	8
7	8	4	6	2	5	1	9	3
5	6	3	1	8	9	7	4	2
4	7	1	2	6	8	9	3	5
8	2	9	7	5	3	4	1	6
3	5	6	4	9	1	2	8	7
9	4	5	8	3	7	6	2	1
2	3	7	9	1	6	8	5	4
6	1	8	5	4	2	3	7	9

“जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना इंग्लैंड को भारी पड़ा। टीम के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए सीरीज के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है।

–ब्रेंडन मैकुलम, इंग्लैंड के मुख्य कोच

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 8 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

निशानेबाजी विश्व कप में सिमरनप्रीत ने जीता स्वर्ण पदक

दोहा। युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया।

टेनिस से संन्यास लेंगी सोराना सिर्स्टिया

बुखारेस्ट (रोमानिया)। रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि वह 2026 सीजन के बाद टेनिस से संन्यास लेगी। 35 साल की रोमानियाई खिलाड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि डब्लयूटीए टूर पर उनका 20वां सीजन का आखिरी साल होगा। सिर्स्टिया ने लिखा मुझे टेनिस बहुत पसंद है। मुझे इसका अनुशासन, रूटीन, कड़ी मेहनत पसंद है। मुकाबला और एड्रेनालाईन मेरी आत्मा को एनर्जी देते हैं। लेकिन जिदंगी में हर चीज की तरह, इसका भी अंत होना है।

मुंबई ने आईपीबीएल खिताब जीता

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने हैदराबाद रॉयल्स को 5-1 से हराकर पहले इंडियन पिकलबॉल लीग खिताब जीत लिया। मुंबई ने खिताबी मुकाबले में दोनों में से मजबूत शुरुआत की जिसमें क्वांग डुओंग ने तेजस गुलाटी को 15-4 से मात दी। बाद में डुओंग ने अपने पुरुष युगल जोड़ीदार अमोल रामचंदानी के साथ मिलकर हैदराबाद की जोड़ी बेन न्यूवेल और दिव्यांशु कटारिया को 15-10 से हराकर मुंबई को 2-0 से आगे कर दिया। हैदराबाद के लिए मेगान फज ने सिंदूर मित्तल को 15-5 से हराकर एक अंक जुटाया। मुंबई ने महिला युगल में वापसी करते हुए इसे 15-10 से जीत लिया।

मेहंदी की रस्म के दौरान की तस्वीर। फाइल फोटो

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुच्छल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुच्छल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद

- निजता बनाए रखने की अपील की, 23 नवंबर को होनी थी शादी

सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं।

मंधाना की 23 नवंबर को मुच्छल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें। भारत के आगामी अंतर्राष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है मैं लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी।

मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है : मुच्छल

मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुच्छल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुच्छल ने कहा मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने लिखा यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें।

युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन अविश्वसनीय

मुख्य कोच गौतम गंभीर बोले- सीनियर खिलाड़ियों के अलावा अन्य की भी प्रशंसा जरूरी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय शृंखला में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया।

गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे। उन्होंने कहा हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा। गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा इस श्रृंखला में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा।

टी-20 क्रिकेट मैच से पहले भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचे कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम : भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, ‘डीआरएस लेने में गलत रहता हूं’

विशाखापत्तनम : बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी। पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है। उन्होंने कहा एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।

मेसी ने इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

ट्रॉफी के साथ इंटर मियामी की टीम। एजेंसी

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

थॉमस मुलर ने लियोनेल मेसी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है, लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली।

मुलर और मेसी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से

- थॉमस मुलर के साथ प्रतिद्वंद्विता में लियोनेल ने बाजी मारी

मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया।

मेसी ने मैच के बाद कहा तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई।

हॉकी जूनियर विश्व कप: भारत की चुनौती सेमीफाइनल में टूटी

जर्मनी के नाहर क्विरिन से मुकाबला करते भारत के मनमीत सिंह (बाएं)। एजेंसी

चेन्नई, एजेंसी

एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप में रविवार को मेजबान भारत की चुनौती टूट गई, जब एकतरफा सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन जर्मनी ने 5-1 की बड़ी जीत से 10वीं बार फाइनल में जगह सुरक्षित कर की।

दो वर्ष पूर्व कुआलालंपुर में फ्रांस को हराकर सातवीं बार चैम्पियन बने जर्मनी ने यहां मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में दो बार के पूर्व विजेताओं के, जिन्होंने अंतिम बार 2016 में घरेलू टर्फ (लखनऊ) पर खिताब जीता था, खिलाफ शुरुआत से ही हमलों की बौछार कर दी और तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक उसके खाते में 4-0 की लीड दर्ज हो चुकी थी। भारत का इकलौता गोल अनमोल एक्का ने अंतिम क्वार्टर में किया।

जर्मनी के लिए दो गोल करने वाले लुकास कोसेल ने 14वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक भुनाया तो मध्यांतर से ठीक पहले शॉर्ट कॉर्नर पर निशाना साधा।

उनके अलावा टिटस वेक्स (15वां मिनट), योनास जेर्सम वोन (40वां मिनट) व बेन हैसबाक (49वां मिनट) ने एक-एक गोल किया। वहीं अंतिम क्वार्टर में 50वें मिनट में लगातार दो शॉर्ट कॉर्नर अर्जित कर तनिक जोर दिखा सके भारत की तरफ से इकलौता गोल दूसरे पेनाल्टी कॉर्नर पर अनमोल एक्का ने किया।

- चैंपियन जर्मनी ने 5-1 से धराशायी किया
- कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

पहली बार फाइनल में पहुंचा स्पेन बुधवार को जर्मनी को खिताबी टक्कर देगा

चेन्नई : प्रतियोगिता के 14वें संस्करण में जर्मनी अब बुधवार (10 दिसंबर) को अपने आठवें खिताब के लिए स्पेन से खेलेगा, जिसने कड़े सेमीफाइनल में दो बार के पूर्व चैंपियन अर्जेंटीना पर 2-1 की रोमांचक जीत से पहली बार फाइनल में जगह बनाई। वहीं, खिताबी मुकाबले से पहले भारत कांस्य पदके के लिए अर्जेंटीना का सामना करेगा। आज ही खेले गए अन्य वर्गीकरण मैचों में बेल्जियम ने गत उपजेता फ्रांस को 3-2 से हराकर पांचवें-छठे स्थान के लिए होने वाले क्लासिफिकेशन मैच में जगह बनाई। बेल्जियम अब 10 दिसम्बर को नीदरलैंड्स से खेलेगा, जिसने न्यूजीलैंड को 6-3 से परास्त किया। न्यूजीलैंड सातवें-आठवें स्थान के लिए क्लासिफिकेशन मैच में फ्रांस से भिड़ेगा।

बड़े मैच का दबाव हावी हो गया था टीम पर : श्रीजेश

चेन्नई : भारतीय जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ी बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सके। हम अपेक्षा के अनुरूप नहीं खेल पाये। जूनियर विश्व कप के सेमीफाइनल जैसे मैच में आसान मौके गंवाने से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले, लेकिन हम उन्हें भुना नहीं सके। हम मैच में एक ही पेनल्टी कॉर्नर बना सके जिस पर गोल भी हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यह पूछने पर कि क्या टीम पर मानसिक दबाव था, कोच ने कहाऐसा नहीं था लेकिन कई बार माहौल और बड़े मैच का दबाव युवा खिलाड़ियों पर आ जाता है। विरोधी टीम अच्छा खेलती है तो हम बेसिक्स भूल जाते हैं। ये अनुभव से सीखेंगे और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन होगा।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट में भी शानदार जीत

ब्रिस्बेन टेस्ट

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जीत के लिए 65 रन का लक्ष्य महज 10 ओवर में हासिल करते हुए इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर एशेज श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

चौथा दिन दोनों टीम के कप्तान के इर्द गिर्द रहा। इंग्लैंड ने जहां बेन स्टोक्स (50 रन) के अर्धशतक से दूसरी पारी में 241 रन बनाए। वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने एक शानदार कैच लेकर मैच का रुख बदला और फिर विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में आगे किया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 ओवर में दो विकेट पर 69 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें स्मिथ ने जोफ्रा आर्चर के एक बाउंसर से बचने के बाद उन्हें और तेज गेंदबाजी करने को कहा। फिर उन्होंने बाउंड्री लगाकर अगली गेंद पर छक्का जड़ा और गाबा में 1,000 टेस्ट रन पूरे किए। ऑस्ट्रेलियाई टीम को तब जीतने के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे तो स्मिथ ने छक्का लगाकर मैच खत्म किया।

बिस्बेन टेस्ट मैच जीतने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

- एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की

हम दबाव का सामना नहीं कर पाए हैं: स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली आठ विकेट से करारी हार पर कहा कि हम दबाव का सामना नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि हम कमजोर नहीं है और वापसी के लिए जरूरत पड़ने पर जोश दिखाना होगा।

साक्षात्कार

एफआईएच अध्यक्ष बोले- ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं

भारत सरकार का फोकस खेलों पर : तैयब इकराम

चेन्नई , एजेंसी

भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है। भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है। यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा, ‘‘ हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है।

उन्होंने कहा इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी। उन्होंने कहा अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी। हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी। व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं। भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरूष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरूष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है।

इकराम ने कहा यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है। यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी, खिलाड़ी और नायक निकल सके। यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।

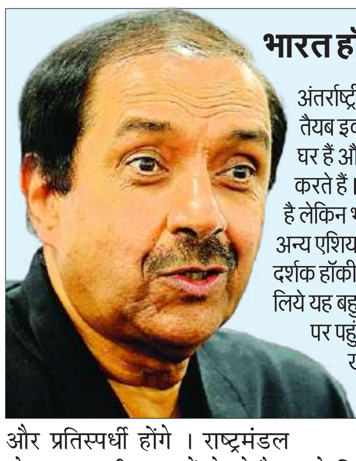

भारत हॉकी का घर , यहां लोग खेलों से करते हैं प्यार

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं। उन्होंने कहा भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है। हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया। उन्होंने कहा यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है।